खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य–8 रु.| वर्ष–7 | अंक–345

यहूदी समुदाय पर हमला लग रहा इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से है प्रेरित

सिडनी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर हुई सामूहिक गोलीबारी में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए थे। यह हमला यहूदी समुदाय के हानुका उत्सव के दौरान हुआ था, जिसमें करीब एक हजार लोग शामिल हुए थे। पुलिस ने इसे आतंकी घटना घोषित किया है। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को कहा कि हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित लगता है।

सिडनी में बॉन्डी बीच पर हमला करने वाले गए थे फिलीपींस, पुलिस कर रही जांच

उन्होंने इसे नफरत की विचारधारा करार दिया, जो पिछले एक दशक से कुछ लोगों को उग्रवादी बनाने का काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर पिता-पुत्र थे। 50 साल के साजिद अकरम और उसके 24 साल के बेटे नवीद अकरम ने इस हमले को अंजाम दिया। साजिद की पुलिस की गोलीबारी में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। साजिद के पास छह हथियारों का वैध लाइसेंस था, जिनका इस्तेमाल हमले में किया गया ऐसा लगता है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि दोनों हमलावर पिछले महीने फिलीपींस की यात्रा पर गए थे और इस यात्रा के उद्देश्य की जांच चल रही है। कुछ रिपोर्ट्स में संकेत मिले हैं कि वे वहां मिलिट्री ट्रेनिंग लेने गए थे। नवीद अकरम की 2019 में ऑस्ट्रेलियाई खुफिया एजेंसी एएसआईओ ने जांच की थी, क्योंकि उसके आईएस से जुड़े एक सेल से संबंध थे, लेकिन तब उसे तत्काल खतरा नहीं माना। बता दें हमला शाम करीब 6:47 बजे शुरू हुआ, जब दोनों हमलावर एक फुटब्रिज से लंबी दूरी की राइफलों से भीड़ पर गोलियां बरसाने लगे। कुल 103 गोलियां चलाई गईं। हमले में एक बच्ची सहित 15 लोग मारे गए। घायलों में बच्चे और पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं।

एक निहत्थे राहगीर अहमद अल अहमद ने बहादुरी दिखाते हुए एक हमलावर का हथियार छीन लिया, जिससे कई जानें बच गईं। आस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज ने अहम की मानवता की ताकत का उदाहरण बताया। वहीं इजराइली पीएम ने भी अहमद की तारीफ करते हुए उसे मुस्लिम बहादुर बताया। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने इसे यहूदी समुदाय पर बर्बर हमला बताया। ऑस्ट्रेलियाई मुस्लिम संगठनों ने हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि यह इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है। दुनिया भर में शोक सभाएं हुईं और सिडनी ओपेरा हाउस को हनुक्का मेनोरा से रोशन किया गया। पीएम अल्बनीज ने बंदूक कानूनों को और सख्त करने का वादा किया है। जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी अन्य की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन जांच सभी पहलुओं पर चल रही है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल टैंकरों की नाकाबंदी का आदेश दिया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को वेनेजुएला आने-जाने वाले मंजूरशुदा तेल टैंकरों की 'पूरी तरह से नाकाबंदी' का आदेश जारी किया है। ट्रंप के इस आदेश से वेनेजुएला की निकोलस मादुरो सरकार पर दबाव बढ़ गया है। साथ ही इस क्षेत्र में अमेरिका के मिलिट्री अभियान के पीछे एक आर्थिक मकसद का संकेत मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में पूरी तरह से नाकाबंदी शब्दों को कैपिटल लेटर्स में लिखते हुए इस क्षेत्र में अमेरिकी मिलिट्री की बड़ी मौजूदगी की ओर इशारा किया। उन्होंने मादुरो की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सुझाव दिया कि वेनेजुएला अमेरिका को जमीन, तेल और संपत्ति सौंप दे। मिलिट्री अभियान का मकसद सिर्फ ड्रग्स के व्यापार का मुकाबला करना नहीं है। ट्रंप ने मंगलवार रात कहा कि वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े नौसैनिक बेड़े से पूरी तरह घिरा हुआ है। यह और भी बड़ा होगा और उन्हें ऐसा झटका लगेगा जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा। ट्रंप की वेनेजुएला पर जमीनी हमले की धमकी ने कराकस पर दबाव बढ़ा दिया है। वेनेजुएला के तेल भंडार दुनिया में सबसे बड़े हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण वे अपनी क्षमता से काफी कम काम कर रहे हैं। देश का ज्यादातर तेल चीन को बेचा जाता है। अमेरिकी सरकार ने 2005 से वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगाए हैं।

जेलेंस्की ने दोहराया - यूक्रेन डोनबास क्षेत्र के किसी भी हिस्से पर रूस के नियंत्रण को मान्यता नहीं देगा

कीव। युक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस के साथ पिछले 4 साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अगले कुछ दिनों में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद शांति समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके बाद अमेरिकी दूत अगले सप्ताहांत अमेरिका में संभावित बैठकों से पहले समझौते के मसौदे को रूस के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। जेलेंस्की ने सोमवार देर रात कहा कि बर्लिन में दिन में अमेरिका के साथ चर्चा की गई शांति योजना का मसौदा ''बहुत ही व्यावहारिक है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने हालांकि आगाह किया कि रूस के कब्जे में उसके क्षेत्र सहित कुछ मुद्दे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। अमेरिका के नेतृत्व में की जा रही शांति की कोशिशें आगे बढ़ती प्रतीत हो रही हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अमेरिका, यूक्रेन और पश्चिमी यूरोप के अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए कुछ प्रस्तावों पर आपत्ति जता सकते हैं, जिनमें यूक्रेन के लिए युद्धोत्तर सुरक्षा गारंटी भी शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उनके द्वारा तैयार की गई शांति योजना के लगभग 90 प्रतिशत बिंदुओं पर यूक्रेन और यूरोप में सहमति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम शांति समझौते के पहले से कहीं अधिक करीब हैं। हालांकि, अब भी कई मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है। जेलेंस्की ने दोहराया कि यूक्रेन, देश के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण डोनबास क्षेत्र के किसी भी हिस्से पर रूस के नियंत्रण को मान्यता नहीं देगा। डोनबास में लुहांस्क और दोनेत्स्क क्षेत्र शामिल हैं। रूस की सेना का इन दोनों क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं है।

मंगल ग्रह पर पानी के कई सबूत, अरबों साल पुराने जिरकॉन क्रिस्टल मिले

वाशिंटन। मंगल ग्रह पर पानी के कई सबूत मिले हैं, इसमें प्राचीन महासागरों और नदियों के निशान (जैसे घाटी-नुमा संरचनाएं), सतह के नीचे बर्फ के रूप में पानी, और चट्टानों में पानी के साथ बने खनिज (जैसे हाइड्रेटेड मिनरल्स) शामिल हैं, जो बताते हैं कि अरबों साल पहले मंगल पर तरल पानी था और आज भी पानी बर्फ और चट्टानों के अंदर मौजूद है, और हाल ही में सतह के नीचे बड़े तरल पानी के भंडारों का पता चला है, जिससे जीवन की संभावना बढ़ जाती है। मंगल ग्रह से आए उल्कापिंडों में 4.45 अरब साल पुराने जिरकॉन क्रिस्टल मिले हैं, जो बताते हैं कि तब मंगल पर पानी मौजूद था, जो जीवन के लिए ज़रूरी था। मंगल की सतह पर नदियों और झीलों जैसी संरचनाएं (ब्रांचिंग वैली नेटवर्क) मिली हैं, जो बताती हैं कि कभी वहां पानी बहता था, ठीक वैसे ही जैसे पृथ्वी पर नदियां बहती हैं। मिट्टी और सल्फेट जैसे खनिज, जो केवल पानी की मौजूदगी में बनते हैं, मंगल पर पाए गए हैं, जो पानी के इतिहास का संकेत देते हैं। नासा के इनसाइट लैंडर और अन्य अध्ययनों से पता चला है कि मंगल की सतह से 10-20 किमी नीचे चट्टानों में फ्रैक्चर (दरारें) हैं, जिनमें इतना तरल पानी है कि वह एक पूरे सागर को भर सकता है।

इमरान की गिरफ्तारी और खैबर पख्तूनख्वा में हो रहे हमलों से भी बिगड़ रहे पाकिस्तान के हालात

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। इसकी मुख्य वजह जहां पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर लगातार हो रहे विरोध को बताया जा रहा वहीं खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रहे हमलों से भी हालात बद से बदतर होते चले जा रहे हैं। बहुआयामी संकटों से गुजर रहा पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता, सुरक्षा तंत्र की कमजोर पकड़ और पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते रिश्ते, सभी मिलकर हालात को और पेचीदा बनाए हुए हैं। ऐसे हालात में राजनीतिक स्तर पर जहां प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी कमजोर होती पकड़ को बचाए रखने के लिए हरसंभव कोशिशें कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर संवैधानिक रूप से अत्याधिक शक्तिशाली बनाए जा चुके आसिम मुनीर ने अपनी आक्रामक नीति को अमल में लाना शुरू कर दिया है। चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज का पद संभालते ही उन्होंने न सिर्फ सेना में नए आदेश लागू कर दिए, बल्कि पड़ोसी अफगानिस्तान को भी सीधे तौर पर कठोर संदेश देते हुए कार्रवाई का भय बनाने की नाकाम कोशिश की है। दरअसल मुनीर ने हाल ही में तालिबान सरकार को चेतावनी दी थी, कि वह पाकिस्तान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) में से एक को चुन ले। यह अलग बात है कि उनका यह बयान क्षेत्रीय तनाव को हवा देने वाला साबित हुआ। अफगानिस्तान की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई, लेकिन टीटीपी ने इसका जवाब खूनखराबे से दिया और पिछले दिनों खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला कर अपने मंसूबों से अवगत भी करा दिया। कुर्रम ज़िले के मनाटो इलाके में हुए हमले में पाकिस्तान के 6 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे, जबकि 7 लोग घायल हुए थे। आधिकारिक जानकारी में बताया गया, हमले के बाद सुरक्षाबलों और टीटीपी के लड़ाकों के बीच भारी गोलीबारी हुई। हमले की यह घटना उस पिछले हमले के तुरंत बाद हुई है, जिसमें टीटीपी ने नॉर्थ वज़ीरिस्तान में असिस्टेंट कमिश्नर शाह वली के वाहन को निशाना बनाकर 5 लोगों की हत्या कर दी थी। टीटीपी लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों पर हमले करता रहा है। सरकार और सेना इसके खिलाफ कई सैन्य अभियानों की घोषणा कर चुकी है, लेकिन संगठन पर काबू पाने में अब तक विफल रही है। टीटीपी को पाकिस्तान में प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया है, जबकि पाकिस्तानी नेतृत्व लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि संगठन के लड़ाकों को अफगानिस्तान से पनाह और समर्थन मिलता है। दूसरी ओर, अफगान तालिबान इन आरोपों को ख़ारिज करते हुए इसे पाकिस्तान का आंतरिक मामला बताते हैं। इस आरोप-प्रत्यारोप ने दोनों देशों के रिश्तों में वर्षों से तनाव बनाए रखा है। ऐसे माहौल में आसिम मुनीर का हालिया बयान स्थिति को और संवेदनशील बना सकता है।

क्या अमेरिका इराक की तरह वेनुजुएला पर भी करेगा डब्ल्यूएमडी हमला

वाशिंगटन। वेनेजुएला से तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि वह एक और युद्ध शुरू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करने जा रहे हैं, जिसके तहत फेंटेनाइल और उसके कच्चे रसायनों को 'वेपन ऑफ मास डिस्ट्रक्शन (डब्ल्यूएमडी) यानी सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया जाएगा। डब्ल्यूएमडी शब्द का इस्तेमाल इराक पर हमले से पहले भी किया गया था। तब कहा गया था कि सद्दाम हुसैन के पास सामूहिक विनाश का हथियार है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम ड्रग तस्करों और कार्टेल के खिलाफ तेजी से सख्त होती भाषा और नीति का नया संकेत माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के दुश्मन जानबूझकर फेंटेनाइल को देश में पहुंचा रहे हैं ताकि अमेरिकियों को मारा जा सके। आज मैं अपने देश को इस घातक जहर से बचाने के लिए एक और ऐतिहासिक कदम उठा रहा हूं। ट्रंप प्रशासन पहले ही ड्रग तस्करों को 'नार्को-आतंकवादी' कह चुका है और कई लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर चुका है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये संगठन सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका को अस्थिर करने के इरादे से काम कर रहे हैं। नया आदेश संघीय एजेंसियों को निर्देश देगा कि वे अवैध फेंटेनाइल और उसके प्रीकर्सर केमिकल्स को खत्म करने के लिए समन्वित कार्रवाई करें। हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि इस डब्ल्यूएमडी टैग का कानूनी या व्यावहारिक असर क्या होगा, खासकर उस फेंटेनाइल पर जो मेडिकल इस्तेमाल में वैध रूप से इस्तेमाल होता है। बता दें अमेरिकी कानून के मुताबिक डब्ल्यूएमडी वह हथियार होता है जो जहरीले रसायनों, जैविक एजेंट्स या रेडिएशन के जरिए बड़े पैमाने पर मौत या गंभीर नुकसान पहुंचा सके। इसमें बम, मिसाइल, ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक डिवाइस भी होते हैं।

थूकने पर बुजुर्ग पर लगाया 25 हजार रुपए का जुर्माना

लंदन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में एक 86 वर्षीय बुजुर्ग को केवल इसलिए भारी जुर्माना भरना पड़ा क्योंकि हवा में उड़कर उनके मुंह में आया एक पत्ता उन्होंने बाहर थूक दिया। इसके बाद बुजुर्ग पर भारी भरकम 250 पाउंड, यानी करीब 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस घटना ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या कानून लागू करते समय मानवीय संवेदनाओं और विवेक का इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। यह मामला इस साल की शुरुआत में लिंकनशायर के स्केगनेस इलाके में साउथ परेड कार पार्क के पास का है। बुजुर्ग रॉय मार्श वहां कुछ देर आराम के लिए रुके थे। इसी दौरान हवा के तेज झोंके के साथ एक बड़ा सरकंडा या पत्ता उड़ता हुआ सीधे उनके मुंह में चला गया। असहज स्थिति में रॉय मार्श ने उसे तुरंत बाहर थूक दिया।

जैसे ही वह वहां से जाने लगे, दो काउंसिल इन्फोर्समेंट अधिकारी उनके पास पहुंचे और उन पर सार्वजनिक स्थान पर थूकने का आरोप लगा दिया। रॉय मार्श ने अधिकारियों को समझाने की कोशिश की कि यह जानबूझकर नहीं था और पत्ता अचानक उनके मुंह में आ गया था। बावजूद इसके उनकी बात नहीं सुनी गई। उलटे अधिकारियों ने उन पर नियम तोड़ने का आरोप कायम रखा। बुजुर्ग मार्श ने इसे पूरी तरह अनावश्यक और अपमानजनक बताया। फरवरी में हुई इस घटना के बाद उन पर 250 पाउंड, यानी करीब 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। बाद में अपील के बाद इसे घटाकर 150 पाउंड किया गया, जिसे मजबूरी में उन्हें भरना पड़ा।

रॉय मार्श का कहना है कि यह घटना उनके लिए केवल आर्थिक बोझ नहीं थी, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद परेशान करने वाली साबित हुई। उन्होंने बताया कि अब वह घर से बाहर निकलने में भी हिचकिचाते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं फिर किसी छोटी-सी बात पर उन्हें परेशान न किया जाए। उनकी 76 वर्षीय पत्नी ने कहा कि अधिकारियों ने उनके पति पर चिल्लाकर आरोप लगाए। उन्होंने सवाल उठाया कि कितने 86 वर्षीय लोग होते हैं जो जानबूझकर सड़क पर थूकते फिरते हैं। यह मामला सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद तेजी से फैल गया। रॉय मार्श की बेटी जेन फिट्ज़पैट्रिक ने फेसबुक पर पूरी घटना साझा की और बताया कि उनके पिता गंभीर अस्थमा और हृदय रोग से पीड़ित हैं। पोस्ट पर बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिक्रिया दी और कईयों ने इन्फोर्समेंट अधिकारियों के इसी तरह के व्यवहार के अपने अनुभव साझा किए। मामला अब राजनीतिक रंग भी ले चुका है।

हॉलीवुड निर्देशक रॉब रेनर और पत्नी की हत्या के आरोप में बेटे निक रेनर पर मुकदमा

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के मशहूर हॉलीवुड निर्देशक रॉब रेनर और उनकी पत्नी मिशेल रेनर की मौत के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। लॉस एंजिलिस के अभियोजकों ने उनके बेटे निक रेनर पर माता-पिता की हत्या का आरोप तय किया है। जिला अटॉर्नी नाथन होचमैन ने बताया कि निक रेनर के खिलाफ प्रथम श्रेणी हत्या के दो आरोप लगाए गए हैं, जिनमें 'एक से अधिक हत्याओं' की विशेष परिस्थिति भी जोड़ी गई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यदि निक रेनर दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें बिना पैरोल के आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। जिला अटॉर्नी ने कहा कि निक रेनर को चिकित्सकीय रूप से फिट घोषित किए जाने के बाद अदालत में पेश किया जाएगा, जहां वे औपचारिक रूप से आरोपों का सामना करेंगे और अपना पक्ष रखेंगे। यह आरोप उस घटना के दो दिन बाद लगाए गए हैं, जब रॉब रेनर और उनकी पत्नी मिशेल कैलिफोर्निया के ब्रेंटवुड स्थित अपने आवास में मृत पाए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर चाकू से किए गए कई वार के निशान मिले थे, जिससे हत्या की आशंका गहराई।

डूम्सडे ग्लेशियर के ढहने से बढ सकता है 3 मीटर तक जल स्तर

लंदन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

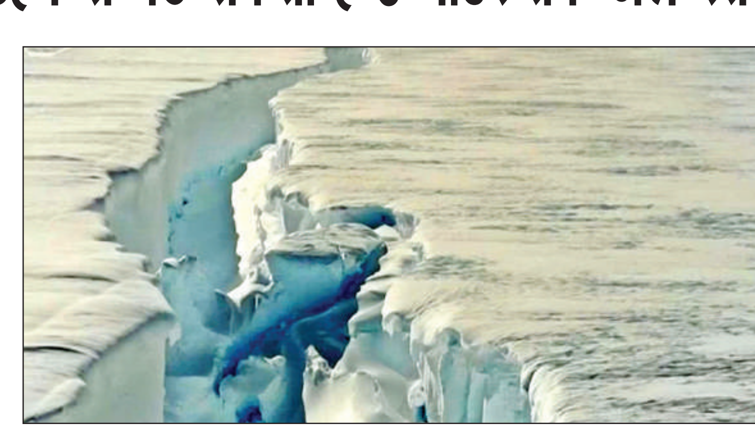

साल 2010 से 2023 के बीच अंटार्कटिका के थ्वाइट्स ग्लेशियर के आसपास 360 से ज्यादा ऐसे भूकंप दर्ज किए गए हैं। थ्वाइट्स को दुनिया 'डूम्सडे ग्लेशियर' के नाम से जानती है, क्योंकि इसके पूरी तरह ढहने से समुद्र का स्तर करीब 3 मीटर तक बढ़ सकता है। अंटार्कटिका की जमी हुई चुप्पी के भीतर अब एक खतरनाक हलचल सुनाई देने लगी है। पहली बार वैज्ञानिकों ने यहां इतने बड़े पैमाने पर रहस्यमयी ग्लेशियल भूकंपों का पता लगाया है। यही वजह है कि इन असामान्य कंपन ने वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। अंटार्कटिका की जमी हुई चुप्पी के भीतर अब एक खतरनाक हलचल सुनाई देने लगी है।ये कंपन सामान्य टेक्टोनिक भूकंपों से अलग हैं। इन्हें ग्लेशियल अर्थक्वेक कहा जाता है, जो धरती की प्लेटों के टकराने से नहीं, बल्कि बर्फ के भीतर होने वाली जबरदस्त हलचलों से पैदा होते हैं। जब विशाल और लंबे आइसबर्ग ग्लेशियर से टूटकर समुद्र में गिरते हैं और पलटते हुए अपनी ही मूल बर्फ से टकराते हैं, तो इतनी ताकतवर ऊर्जा निकलती है कि जमीन तक कंपन महसूस होता है। खास बात यह है कि ये कंपन लो-फ्रीक्वेंसी होते हैं, इसलिए पारंपरिक सेंसर अक्सर इन्हें पकड़ नहीं पाते।

पहले माना जाता था कि ऐसे ग्लेशियल भूकंप मुख्य रूप से ग्रीनलैंड में होते हैं और अंटार्कटिका में बेहद दुर्लभ हैं। लेकिन नई रिसर्च ने इस धारणा को तोड़ दिया है। स्थानीय अंटार्कटिक स्टेशनों के डेटा का विश्लेषण करने पर वैज्ञानिकों ने पाया कि 362 में से 245 घटनाएं सिर्फ थ्वाइट्स ग्लेशियर के पास दर्ज की गईं। कुछ गतिविधियां पाइन आइलैंड ग्लेशियर के आसपास भी मिलीं, हालांकि वहां के भूकंप समुद्र से काफी दूर थे, जिससे उनका कारण अभी रहस्य बना हुआ है। चिंता की सबसे बड़ी वजह यह है कि जिन वर्षों में थ्वाइट्स ग्लेशियर की समुद्र की ओर खिसकने की रफ्तार तेज हुई, उन्हीं वर्षों में ग्लेशियल भूकंपों की संख्या भी सबसे ज्यादा रही। वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्री पानी का बढ़ता तापमान, बदलती धाराएं और तेजी से पिघलती बर्फ मिलकर ग्लेशियर को पहले से कहीं ज्यादा अस्थिर बना रहे हैं।

इसका मतलब यह हो सकता है कि ग्लेशियर अंदर से कमजोर हो रहा है और टूटने की प्रक्रिया तेज हो सकती है। अगर थ्वाइट्स ग्लेशियर तेजी से ढहता है, तो इसके असर अंटार्कटिका तक सीमित नहीं रहेंगे। समुद्र स्तर में तेज बढ़ोतरी से दुनिया के तटीय शहरों पर स्थायी बाढ़ का खतरा मंडराने लगेगा। लाखों लोगों को विस्थापन झेलना पड़ सकता है, मौसम के पैटर्न में भारी उथल-पुथल आएगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ेगा। भारत सहित एशिया, अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के तटीय इलाके सीधे इसकी चपेट में आ सकते हैं।

इथोपिया का नेशनल पैलेस म्यूजियम समृद्ध परंपरा का मजबूत स्तंभ: प्रधानमंत्री मोदी

अदीस अबाबा (इथियोपिया),17 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इथोपिया के नेशनल पैलेस म्यूजियम का भ्रमण करने के बाद एक्स पर टिप्पणी की, 'अदीस अबाबा में नेशनल पैलेस म्यूजियम में मुझे इथियोपिया के इतिहास और संस्कृति की झलक दिखाने के लिए प्रधानमंत्री अबी अहमद अली का धन्यवाद। यह इथियोपिया की समृद्ध परंपराओं की एक मजबूत याद दिलाता है।'

प्रधानमंत्री मोदी अन्य एक्स पोस्ट में कहा, 'भविष्य उन्हीं साझेदारियों का होता है जो विजन और भरोसे पर आधारित हों। हम इथियोपिया के साथ मिलकर ऐसे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो बदलती वैश्विक चुनौतियों का समाधान भी करे और नई संभावनाओं का निर्माण भी करे... ।'

उन्होंने कहा, 'आज जब पूरे विश्व की नजर ग्लोबल साउथ पर है, ऐसे में इथियोपिया की स्वाभिमान, स्वतंत्रता और आत्मगौरव की

चिरकालीन परंपरा हम सभी के लिए सशक्त प्रेरणा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मुझे द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया के रूप में इस देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है। विश्व की अति प्राचीन और समृद्ध सभ्यता द्वारा सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत गौरव की बात है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ द्विपक्षीय वार्ता की तथा इस दौरान भारत और इथियोपिया ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा के दूसरे चरण के तहत मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे। इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली ने अदीस अबाबा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। वह मोदी को अपनी गाड़ी में बैठाकर होटल तक भी ले गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हालांकि यह उनकी पहली यात्रा है, फिर भी उन्हें अपनेपन और आत्मीयता का गहरा अहसास हुआ, जो दोनों देशों के बीच हजारों वर्षों के संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''ये संबंध हमारे लोगों के बीच गहरी मित्रता, सहयोग और आपसी सम्मान को आकार देते रहते हैं।''

इससे पहले, अली ने मोदी को विज्ञान संग्रहालय और मैत्री पार्क का भ्रमण करवाया।

इथियोपिया की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री देश की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। इथियोपिया में मोदी प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। अदीस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री तीन देशों की यात्रा के तीसरे चरण के तहत इथियोपिया से ओमान जाएंगे।

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-345

हैदराबाद दि ग्रेट

4000 आपत्तियाँ, 31 डेडलाइन

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) के वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया राजनीतिक असंतोष, नागरिकों की तीखी आलोचना और मजलिस-कांग्रेस की मिलीभगत के आरोपों की वजह से लटकती नजर आ रही हैं। हालांकि रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार इन सभी प्रतिक्रियाओं के बावजूद 150 वार्डों को 300 करने पर आमादा है। GHMC आयुक्त आर. वी. कर्णन ने बताया कि नागरिक निकाय को अब तक निवासियों से 4,000 से अधिक आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। आयुक्त के अनुसार, प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण करने पर 30% आपत्तियाँ सीमाओं के गलत सरेखण (Mis-alignment), कॉलोनियों के विभाजन और वार्डों के नाम बदलने या पुराने नाम बनाए रखने से संबंधित हैं।

15% आपत्तियाँ अतिरिक्त वार्ड बनाने की मांग को लेकर हैं, जबकि 50% मतदान केंद्र सरेखण, विस्तृत मानचित्रों की उपलब्धता, सीमाओं पर स्पष्टता और GHMC के साथ विलय के विरोध से संबंधित हैं।बाहरी क्षेत्रों और मुख्य शहर में वार्डों का अंतर नक्शे के विश्लेषण से पता चला है कि मुख्य शहर (Core city) में बाहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक वार्ड बनाए गए हैं। बाहरी क्षेत्रों में वार्ड भौगोलिक और जनसंख्या, दोनों दृष्टि से बड़े हैं। उदाहरण के तौर पर, तुर्कयमजाल की जनसंख्या 60,000 से 70,000 के बीच है, लेकिन वहाँ केवल एक वार्ड है। इसके विपरीत, मुख्य शहर के क्षेत्रों में लगभग 20,000 की आबादी पर ही एक वार्ड दिया गया है। गोशामहल को तोडकर प्रस्तावित एक्जीबिशन ग्राउंड वार्ड में मात्र 25,000 लोग ही हैं।

सीमाएँ तय करने की समय सीमा और भविष्य की योजना पर आयुक्त कर्णन ने स्पष्ट किया कि 2026-27 की जनगणना (जो 2011 के बाद पहली जनगणना होगी) से पहले, 31 दिसंबर तक वार्ड की सीमाओं को अंतिम रूप देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बिना सीमाओं को फ्रीज किए जनगणना नहीं की जा सकती। वार्डों का सीमांकन नालों, प्रमुख सड़कों, रेलवे लाइनों और पुराने गाँव के सर्वेक्षण रिकॉर्ड जैसे प्राकृतिक संकेतों के आधार पर किया गया है।फ उन्होंने भविष्य के विकास पर भी जोर दिया। तेल्लापुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में वहाँ की जनसंख्या 23,000 है, लेकिन अगले पाँच वर्षों में इसके 80,000 पार करने की उम्मीद है। वहाँ बन रही बहुमंजिला इमारतों को देखते हुए वार्डों की संख्या भविष्य की जरूरतों के अनुसार बढ़ाई गई है।

समीक्षा के लिए समिति का गठन

प्राप्त सभी सुझावों और आपत्तियों की जाँच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसमें मुख्य नगर योजनाकार (Chief City Planner), अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) और दो अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

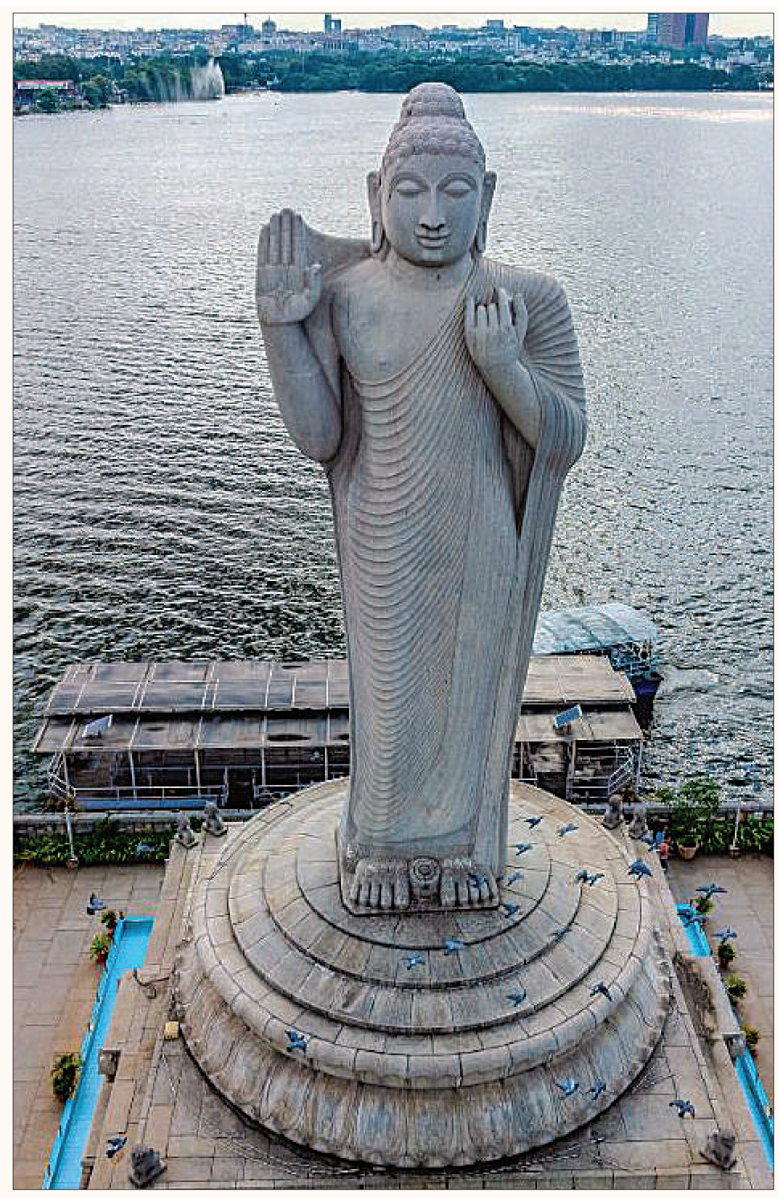

300 वार्ड पर आमदा सरकार

आयुक्त ने आश्वासन दिया कि कॉर्पोरेटरों, पदेन सदस्यों और जनता द्वारा दिए गए सभी ज्ञापनों का नियमों के अनुसार समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में जोन विभाजन को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और पड़ोसी नगर पालिकाओं को अस्थायी रूप से अलग-अलग जोन में रखा गया है।एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि GHMC का अधिकार क्षेत्र अब 650 वर्ग किमी से बढ़कर लगभग 2,050 वर्ग किमी हो गया है, जिससे यह क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों के मामले में देश का सबसे बड़ा नगर निगम बन गया है।

गौरतलब है कि परिसीमन पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई एक विशेष GHMC आम सभा की बैठक के दौरान, परिषद के सदस्यों वार्डों के पुनर्गठन को अवैज्ञानिक बताया और वार्ड सीमाओं की व्यापक रूप से फिर से जाँच करने की माँग की।

चंपापेट के कॉर्पोरेटर वी.मधुसूदन रेड्डी ने 300 वार्डों के निर्माण में बड़ी असमानताओं को उजागर करते हुए कहा कि पुराने शहर में परिसीमन के परिणामस्वरूप 70 से 80 वार्ड बने हैं, ▶10 पर

300 जन प्रतिनिधियों की संख्या घटकर 16 रह गई : मल्ला रेड्डी

कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए, मेडचल के विधायक और पदेन सदस्य सी. मल्ला रेड्डी ने कहा कि परिसीमन ने उनके निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को काफी कम कर दिया है। पहले, मेडचल विधानसभा क्षेत्र में 61 सरपंच, 221 कॉर्पोरेटर और परिषद सदस्य, पाँच ZPTC, पाँच MPP और पार्षद थे - कुल मिलाकर 300 से ज़्यादा जन प्रतिनिधि। अब, यह घटकर सिर्फ 16 वार्ड रह गया हैं। उन्होंने बताया कि मेडचल विधानसभा क्षेत्र, जिसकी मतदाता आबादी 6.8 लाख है, में सात नगरपालिकाएँ और तीन निगम शामिल हैं। उनका कहना था कि पूरे हैदराबाद का कचरा मेरे निर्वाचन क्षेत्र के जवाहरनगर में डाला जाता है, जिसमें सिर्फ दो वार्ड हैं। बोडुप्पल और पीरजादीगुडा के साथ भी यही स्थिति है। खैराताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने भी यह सवाल उठाया कि क्या वार्ड बनाने का काम साइंटिफिक तरीके से किया गया है?

उन्होंने घनी आबादी वाले इलाकों में वार्ड के साइज़ में असमानता की ओर भी इशारा किया। उन्होंने नए शामिल किए गए इलाकों के लिए एक्शन प्लान, बजट आवंटन आदि पर स्पष्टीकरण माँगा।

दलबदल मामला : स्पीकर ने पांच बीआरएस विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं खारिज की

बीआरएस का तीखा विरोध, राहुल गांधी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार, 17 दिसंबर को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 दलबदलू विधायकों में से पांच के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्पीकर ने कहा कि इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि इन विधायकों ने 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद औपचारिक रूप से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है।

स्पीकर ने भद्राचलम विधायक तेल्लम वेंकट राव, गडवाल विधायक बी. कृष्ण मोहन रेड्डी, राजेंद्रनगर विधायक टी. प्रकाश गौड़, पाटनचेरु विधायक जी. महिपाल रेड्डी तथा शेरिलिंगमपल्ली विधायक अरेकापुडी गांधी को राहत प्रदान की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इन विधायकों के दलबदल की पुष्टि नहीं होती।

स्पीकर के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीआरएस ने कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर संवैधानिक नैतिकता के उल्लंघन का आरोप लगाया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) ने कहा कि राहुल गांधी इतिहास में एक ऐसे नेता के रूप में याद किए जाएंगे, जो अपने पिता स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा लाए गए दलबदल विरोधी कानून का सम्मान नहीं कर पाए।

केटीआर ने आरोप लगाया कि स्पीकर स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व के दबाव में आ गए हैं और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की भावना को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस उपचुनावों के डर से दलबदलुओं को अयोग्य घोषित करने से पीछे हट रही है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष के फैसले से राहुल गांधी का संविधान बचाओ का नारा बेनकाब हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनकी सरकार संविधान का राजनीतिक रूप से दुरुपयोग कर रही है।

बीआरएस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल से स्पीकर के फैसले को बेतुका बताते हुए कहा गया कि संबंधित विधायकों ने स्वयं मीडिया के सामने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल होने ▶10 पर

जल्द पूरे देश में शुरू हो जाएगा एमएलएफएफ: गडकरी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को संसद में बताया कि टोल भुगतान की नयी प्रणाली मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) साल 2026 के अंत तक पूरे देश में लागू हो जायेगी।

श्री गडकरी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि नयी प्रणाली लागू होने के बाद टोल नाकों पर कर्मचारियों की जरूरत नहीं रहेगी। कैमरों के माध्यम से वाहन का नंबर कैप्चर होगा, उपग्रह के माध्यम से जानकारी केंद्रीकृत प्रणाली में जायेगी और संबंधित बैंक खाते से पैसा कट जायेगा। इससे टोल नाकों पर 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भी वाहन गुजर सकते हैं और टोल का भुगतान भी हो जायेगा।

उन्होंने कहा कि इससे 1,500 करोड़ रुपये का ईंधन बचेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की आमदनी कम से कम 6,000 करोड़ रुपये बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने सदन को बताया कि कुछ जगहों पर यह प्रणाली शुरू की गयी है। इस संबंध में पहले 10 ठेके आवंटित किये जा चुके हुए हैं और 10 का आवंटन प्रक्रिया में है। अगले साल के अंत तक राष्ट्रीय राजमार्गों पर पूरे देश में

इसे शुरू कर दिया जायेगा।

एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में श्री गडकरी ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को हुए हादसे में एम्बुलेंस का एक घंटे बाद पहुंचना दुःखद है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों को पूरी तरह अत्याधुनिक एम्बुलेंस प्रदान करने की योजना पर काम कर रही है। उनके परिचालन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी, शर्त बस इतनी होगी कि दुर्घटना के 10 मिनट के भीतर मौके पर एम्बुलेंस पहुंच जाये।

सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को संसद की मंजूरी, शत-प्रतिशत तक एफडीआई का प्रावधान

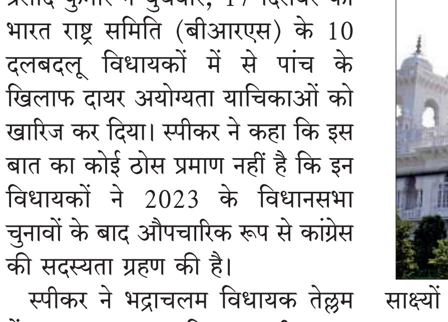

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रावधान करने वाले सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025 को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गयी।

राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद आज विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार 16 दिसंबर को ही पारित कर चुकी थी।

इस विधेयक का उद्देश्य बीमा संबंधी तीन कानूनों में संशोधन करना है। इसमें बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के अलावा कारोबार को आसान बनाने के लिए और भी कई उपाय किये गये हैं। पहली बार यह प्रावधान किया गया है कि एक बीमा कंपनी का गैर-बीमा कंपनी के साथ विलय किया जा सकता है या उसे बीमा तथा गैर-बीमा कंपनियों में बांटा जा सकता है। इसके लिए बीमा नियामक से अनुमति लेनी होगी। अब पांच प्रतिशत से कम के हिस्सेदारी स्थानांतरण के लिए पूर्वानुमति की जरूरत नहीं होगी। पहले यह सीमा एक प्रतिशत थी। सभी बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए अपने नाम में बीमा शब्द रखना अनिवार्य होगा। ▶10 पर

दिल्ली में आज से 50 प्रतिशत कर्मचारी करेंगे घर से काम

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिये गुरुवार (18 दिसंबर) से 50 प्रतिशत मवर्क-फ्रॉम-होमफ सुनिश्चित करने के लिये दिशानिर्देश जारी किये।

श्री मिश्रा ने कहा कि ये निर्देश अस्पतालों, अग्निशमन सेवा, जेल प्रशासन, निजी परिवहन, बिजली और पानी विभागों, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण विभाग सहित ज़रूरी सेवाओं पर लागू नहीं होगा। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि ग्रैप-3 और ग्रैप-4 के तहत काम बंद होने के कारण प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को दिल्ली सरकार मुआवजे के तौर पर 10,000 रुपये देगी। नये जारी किये गये आदेशों का उल्लंघन करने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इससे पूर्व, दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन समिति (सीएक्यूएम) की सिफारिश के बाद शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा तक के छात्रों के लिये शहर भर के स्कूलों को महाइब्रिड मोडफ में बदलने का निर्देश दिया था। साथ ही पांचवीं कक्षा तक के छात्रों के लिये पूरी तरह से ऑनलाइन क्लास की भी घोषणा की गयी थी। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि ऑनलाइन क्लास में शामिल होने का विकल्प छात्रों और माता-पिता पर छोड़ा गया है। स्कूलों को यह जानकारी तुरंत माता-पिता तक पहुंचाने के लिये कहा गया है। यह आदेश अगले निर्देश तक लागू रहेगा। कक्षा दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई हमेशा की तरह ऑफलाइन जारी रहेगी।

दिल्ली में अब केवल बीएस-4 और उससे ऊपर के मानक वाले वाहन ही चल सकेंगे: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली में केवल ऐसे वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाएगी जो बीएस-4 उत्सर्जन मानक या उससे ऊपर की श्रेणी के हैं।न्यायालय के इस नए स्पष्टीकरण के बाद अब अधिकारी उन पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे जो बीएस-चार मानकों को पूरा नहीं करते हैं। वहीं बीएस-4 या नये वाहनों को उनकी समय सीमा पूरी होने के बावजूद चलाने की अनुमति है।

न्यायालय का यह नवीनतम आदेश, उसके गत 12 अगस्त के उस पिछले आदेश में संशोधन करता है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दस साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और पंद्रह साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पांचोली की पीठ ने दिल्ली सरकार की उस याचिका पर यह स्पष्टीकरण जारी किया, ▶10 पर

पालकी पे होके सवार गीत पर अंकिता लोखंडे ने किया रिवीलिंग डांस

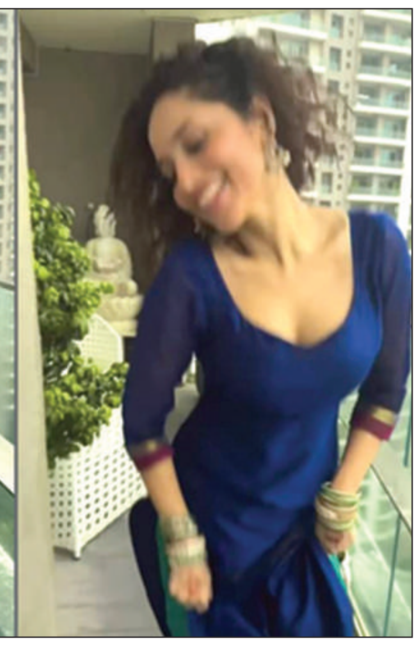

80-90 दशक के गाने कुछ ऐसे होते थे, जिन्हें आज भी दर्शक बड़ा पसंद करते हैं और सुनते भी हैं। टेलीविजन अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने उस दौर को याद करते हुए एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अंकिता अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने 'पालकी पे होके सवार' पर शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रही हैं। वीडियो पोस्ट कर अंकिता ने लिखा, 80-90 के दशक के गाने सिर्फ सुने नहीं जाते थे, महसूस किए जाते थे। उन्होंने माधुरी दीक्षित को एक एहसास बताते हुए कहा कि क्या आज की पीढ़ी को वो आवाज मिलेगी, पर ऐसा महसूस नहीं हो रहा है।

अंकिता ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि उन्होंने उस स्वर्णिम युग को देखा और जिया, भले ही बचपन में। उस समय से ही उन्होंने सपने देखना और उनसे प्रेरणा लेना शुरू किया था और आज भी सीख रही हैं।

'पालकी पे होके सवार' गाना फिल्म 'खलनायक' में फिल्माया गया था। गाने को अल्का यागनिक ने गाया था और इसके लिरिक्स आनंद बक्शी ने लिखे थे, जबकि संगीत लक्ष्मीकांत शांताराम कुडालकर ने तैयार किया था। वहीं, अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से गाने की खूबसूरती बढ़ा दी थी। इस गाने को लोग आज भी पसंद करते हैं।

फिल्म खलनायक 1993 में रिलीज हुई थी और इसे सुभाष घई ने निर्देशित किया था। फिल्म में माधुरी दीक्षित के अलावा, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक की भूमिका अदा की थी, जिसमें उनका डायलॉग 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' काफी फेमस हुआ था। दर्शकों ने अभिनेता का ये किरदार काफी पसंद किया था।

फराह खान ने कुनिका सदानंद को दी नया बॉयफ्रेंड बनाने की सलाह कंट्रोल फ्रीक पर की चर्चा

बॉलीवुड में अक्सर फिल्मी सितारे अपने काम के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव भी साझा करते रहते हैं। इस कड़ी में फिल्ममेकर और मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान ने अभिनेत्री कुनिका सदानंद के साथ बातचीत की। हाल ही में वह कुनिका सदानंद के घर पहुंची। इसी दौरान उन्होंने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेना चाहिए। इस मजाक की शुरुआत तब हुई, जब कुनिका सदानंद ने 'बिग बॉस 19' से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फ्रीक कहा था। उस समय यह बात उनको बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं। कुनिका ने स्वीकार किया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और उन्हें काफी दुख हुआ था। कुनिका ने बताया, ''उस घटना के बाद मैंने अपने व्यवहार और रिश्तों पर गंभीरता से सोचना शुरू किया। मुझे एहसास हुआ कि मैं अपनी पूरी जिंदगी में लोगों को इतना ज्यादा प्यार और ध्यान देती रही हूं कि कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होने लगती थी। मैं रिश्तों में हर चीज को संभालने और कंट्रोल करने की कोशिश करती थी, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या परिवार का रिश्ता। जब मैंने यह आदत धीरे-धीरे कम की, तो मुझे खुद के भीतर एक सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ।''

कुनिका ने फराह से बातचीत के दौरान कहा, अब मुझे लगता है कि आपकी बात पूरी तरह गलत नहीं थी। मैंने अपने पुराने रिश्तों को याद किया, चाहे वह बॉयफ्रेंड्स हों या दूसरे करीबी लोग, और समझा कि कई बार ज्यादा केयर और ज्यादा प्यार भी रिश्तों को भारी बना देता है।

कुनिका की यह बात सुनकर फराह खान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब तो नया बॉयफ्रेंड बनाने का सही समय आ गया है।

इसके बाद फराह ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक अहम अनुभव भी साझा किया, जिससे बातचीत और भी दिलचस्प हो गई।

फराह खान ने बताया कि वह खुद भी पहले काफी कंट्रोलिंग हुआ करती थीं, खासकर घर के मामलों में। उन्होंने कहा, ''फिल्मों के सेट पर काम करते हुए हर चीज पर नजर रखना और हर किसी को निर्देश देना उनकी आदत बन चुकी थी। यही आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन, समय के साथ मैंने महसूस किया कि हर चीज को कंट्रोल करना जरूरी नहीं होता।''

फराह ने कहा, ''अब मैं जानबूझकर घर पर चीजों को छोड़ना सीख रही हूं। मैं अपने परिवार को अपने फैसले खुद लेने देती हूं और उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का मौका देती हूं। जब लोग बड़े हो जाते हैं, तो हमें उन्हें हर कदम पर रोकने या टोकने की जरूरत नहीं होती। आजादी देने से रिश्ते बेहतर होते हैं और घर का माहौल भी शांत रहता है। अब मैं बेवजह का तनाव नहीं लेती। मैंने चीजों को लेट गो करना सीख लिया है।''

तान्या मित्तल संग अफेयर की अफवाहों पर अमाल मलिक ने लगाया विराम

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 का समापन होने के बाद भी इसके कंटेस्टेंट्स चर्चा में बने हुए हैं। संगीतकार अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तान्या मित्तल संग अफेयर की अफवाहों पर विराम लगाया। अमाल ने फैंस से खास अपील भी की। अमाल ने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें और साथी कंटेस्टेंट तान्या मित्तल को लेकर अफेयर की अफवाहें उड़ाना बंद करें। अमाल ने स्पष्ट किया कि शो में हुई उनकी नजदीकियां सिर्फ टास्क का हिस्सा थीं और इसे किसी बेवकूफाना रोमांस में बदलना गलत है। अमाल ने पोस्ट में लिखा, शो में होस्ट या गेस्ट के कहने पर टास्क के लिए जोड़ी बनाना या डांस करना पड़ता है। यह चैनल का क्रिएटिव फैसला होता है, लेकिन दर्शक और फैंस इसे लगातार रोमांस की अफवाहों में बदल रहे हैं। मैं तान्या मित्तल का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने सीजन में मेरी बहुत देखभाल की और ख्याल रखा।

उन्होंने कहा कि गुस्से में या उन्हें चिढ़ाने के लिए कही गई कुछ बातों से तान्या और उनके फैंस को दुख पहुंचा होगा, इसके लिए वे सच में माफी मांगते हैं। लिखा, मैं तान्या से इसके लिए माफी भी मांगता हूं।

अमाल ने आगे बताया कि ऐसी बातें शो में होती रहती हैं, इससे इंसान अपनी कमियों को समझता है और उन पर काम करता है। लेकिन वे फैंस से अनुरोध करते हैं कि अब उन्हें और तान्या को एक-दूसरे से जोड़ना बंद करें। लगातार ऐसा करने से तान्या की इमेज खराब हो रही है, जो किसी भी लड़की के साथ नहीं होना चाहिए। अमाल ने स्वीकार किया कि दर्शकों को उनकी दोस्ती और यारी पसंद आई, लेकिन दोनों तरफ के फैंस को लोगों की पर्सनल स्पेस का सम्मान करना सीखना चाहिए।

अमाल ने अपने फैंस से अपील करते हुए कहा कि अब कीचड़ उछालना बंद करें और उन्होंने तान्या के फैंस से भी सम्मानजनक व्यवहार करने का अनुरोध किया। 'बिग बॉस 19' में अमाल और तान्या की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही थी। शो के फिनाले में गौरव खन्ना विजेता बने, जबकि अमाल टॉप 5 में पहुंचे थे।

इस साल इन ओटीटी सीरीज के सीक्वल ने मचाया धमाल

साल 2025 मनोरंजन की दृष्टि से कमाल रहा। ओटीटी से लेकर बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कहानियों से लेकर एक्शन तक ने फैंस का दिल जीत लिया। इस साल ओटीटी पर फीमेल अभिनेत्रियों का जलवा देखने को मिला, जहां महारानी सीजन-4 और दिल्ली क्राइम जैसी थ्रिलर सीरीज दर्शकों के सिर चढ़कर बोली। आज हम ओटीटी सीरीज के उन सीक्वल के बारे में बताएंगे, जो पर्दे पर ज्यादा हिट रही। जयदीप अहलावत की 'पाताल लोक सीज़न 2' रिलीज के साथ ही छा गई। पहले से ज्यादा डार्क और थ्रिल देने वाली सीरीज में जयदीप अहलावत ने इंस्पेक्टर हाथीराम के किरदार को काफी अच्छे से निभाया और अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। ये सीरीज राजनीतिक भ्रष्टाचार और समाज पर पड़ते उसके प्रभाव को दिखाती है। सीरीज को 17 जनवरी को अमेजन प्राइम पर रिलीज किया गया था।

इस साल ओटीटी की दुनिया में 13 जून को 'राणा नायडू सीज़न 2' की भी वापसी हुई। नायडू की धमाकेदार कहानी, बड़े दांव और गहरे इमोशनल उथल-पुथल के साथ आई। सीज़न 2 में एक्शन, सस्पेंस और थ्रिलर तीनों को अच्छे से दिखाया गया है।

काजोल की मशहूर लीगल ड्रामा सीरीज 'ट्रायल सीजन 2' ने भी ओटीटी पर दस्तक दी, जिसमें काजोल ने एक बार फिर ज़बरदस्त परफॉर्मेंस दी है, जबकि कुब्रा सैत भी अहम रोल में नजर आईं। सीरीज 19 सितंबर को जियोसिनेमा पर रिलीज हुई थी।

21 नवंबर को रिलीज हुई 'द फैमिली मैन सीज़न 3' भारत की पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक रही। फिल्म के 2 पार्ट भी शानदार रहे, और इस साल हल्की कॉमेडी, थ्रिलर और गहरे तनाव के साथ मनोज बाजपेयी एक बार फिर श्रीकांत तिवारी बनकर ओटीटी पर लौटे। इस बार सीरीज में जयदीप अहलावत भी दिखे।

'दिल्ली क्राइम सीजन 3' इस साल की शानदार सीरीज रही, क्योंकि सीरीज में हीरो से लेकर विलेन तक में महिलाओं का दबदबा दिखा। सीरीज में हुमा कुरैशी ने मानव तस्करी करने वाली बड़ी दीदी का रोल प्ले किया, जबकि शेफाली शाह पुलिस अधिकारी की भूमिका में दिखीं। सीरीज को 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज किया गया था। हुमा कुरैशी का सबसे आइकॉनिक किरदार, रानी भारती, साल 2025 में भी हिट साबित हुआ। 24 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज हुई सीरीज पॉलिटिकल ड्रामा और थ्रिलर ने फैंस का दिल जीता।

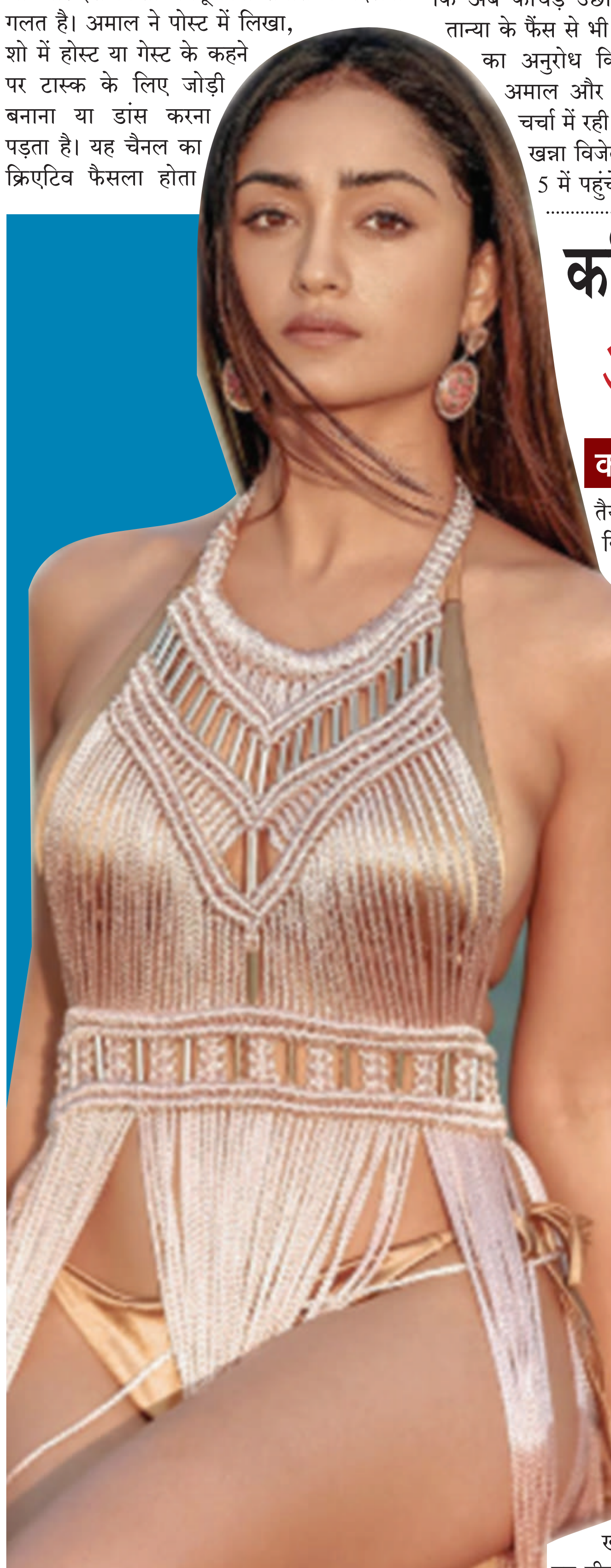

कपिल शर्मा और त्रिधा चौधरी का हाई एनर्जी रोमांस आजा हलचल करेंगे गीत में मचाएगा धूम

कमर कस लीजिए, आवाज़ तेज़ कीजिए और नाचने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि 'किस किसको प्यार करूं 2' का सबसे चहेता गाना 'आजा हलचल करेंगे' पूरे जोश के साथ सामने है। ऊर्जा, रोमांस और रंगीन जश्न से भरा यह गीत पहली बार पर्दे पर कपिल शर्मा और त्रिधा चौधरी की ताज़ा जोड़ी को पेश करता है, जिनकी केमिस्ट्री शरारती, युवा और बेहद सहज अंदाज़ में दिल जीत लेती है। 'आजा हलचल करेंगे' हर मायने में एक जश्न है। चटपटे सुर, रंग-बिरंगे दृश्य और मस्ती से भरा माहौल इस गाने को खास बनाते हैं। हिंदी सिनेमा के संगीत में जो प्यार, साथ और खुशी की रूह बसती है, वह इस गीत में साफ झलकती है। अपनी बेहतरीन हास्य टाइमिंग के लिए मशहूर कपिल शर्मा इस गाने में अपनी चुलबुली मौजूदगी से जान डालते हैं, वहीं त्रिधा चौधरी अपनी सादगी, चमक और अपनापन जोड़कर इस जोड़ी को और भी ताज़ा और देखने लायक बना देती हैं। इस गाने को आवाज़ दी है दमदार गायिका अफसाना खान ने, जिनकी भावनाओं से भरी और जोशीली गायकी गाने को ऊंचाई पर ले जाती है। उनकी खास ऊर्जा हर पल को ज़िंदा कर देती है, जिससे यह गीत सुनते ही जुबान पर चढ़ जाता है। संगीतकार युग भुसाल ने आधुनिक धुनों को बॉलीवुड के त्योहारों वाले रंग में पिरोकर ऐसा संगीत रचा है, जो गाना खत्म होने के बाद भी मन में गूंजता रहता है। अजय कुमार के मज़ेदार और दिल से जुड़े बोल इस जश्न और रोमांस के मूड को खूबसूरती से पूरा करते हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' का पूरा एल्बम अब सभी मंचों पर उपलब्ध है और 'आजा हलचल करेंगे' अपनी सुकून देने वाली ऊर्जा और थिरकने पर मजबूर कर देने वाले अंदाज़ के लिए श्रोताओं का खूब प्यार बटोर रहा है। 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई यह फिल्म दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीत रही है, और हर तरफ से सराहना मिल रही है।

सोनू सूद ने बताई चैरिटी फाउंडेशन शुरू करने की वजह

मशहूर अभिनेता सोनू सूद ने अपने करियर में ज्यादातर फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है, लेकिन असल जीवन में वे एक सच्चे हीरो से कम नहीं हैं। वे कोरोना के समय प्रवासी मजदूरों की मदद से लेकर पंजाब में बाढ़ प्रभावितों की सहायता करते नजर आए थे। अभिनेता ने सामाजिक कार्यों से समाजसेवा की एक नई मिसाल पेश की है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर सोनू सूद चैरिटी फाउंडेशन शुरू करने का उद्देश्य बताया। अभिनेता का कहना है कि फाउंडेशन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत और यहां की महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर से मुक्त करवाना है। उन्होंने कहा, कई महिलाएं आर्थिक तंगी या सामाजिक कारणों से अस्पताल नहीं जा पातीं या फिर अपनी तकलीफें किसी से नहीं कह सकती हैं। हमारी इस पहल के तहत देश के किसी भी कोने में रहने वाली ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित महिलाओं की सर्जरी पूरी तरह मुफ्त में करवाई जाएगी।

अभिनेता ने बताया कि उनकी टीम ने 500 से ज्यादा सर्जरी सफलतापूर्वक करवाई हैं, जिससे इतने ही लोगों की जान बची हैं और 500 से अधिक परिवारों को नया जीवन मिला है। अभिनेता ने अपनी टीम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं अपनी टीम और उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने पीड़ित महिलाओं के मामलों की जानकारी दी और उन्हें फाउंडेशन तक पहुंचाया।

उन्होंने आखिरी में कहा कि ये सिर्फ एक शुरुआत है। उन्होंने कहा, मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि अगर कोई महिला ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित मिले, तो उन्हें हमारे पास लाएं। हम उनका इलाज एकदम मुफ्त में करवाएंगे। एक नया जीवन देंगे और साथ में मिलकर इस देश को और महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर से मुक्ति दिलवाएंगे और एक नया अध्याय लिखेंगे कि किस तरह हम मिलजुलकर लोगों की जान बचा सकते हैं। धन्यवाद। जय हिंद।

अभिनेता अक्सर जरूरतमंद लोगों की मदद करते रहते हैं। उन्होंने साल 2020 में किसान की दो बेटियों की मदद की थी। दरअसल, सोशल मीडिया पर किसान की बेटियों का खेत जोतते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। सूद ने उस किसान परिवार को तुरंत एक ट्रैक्टर भिजवाया था।

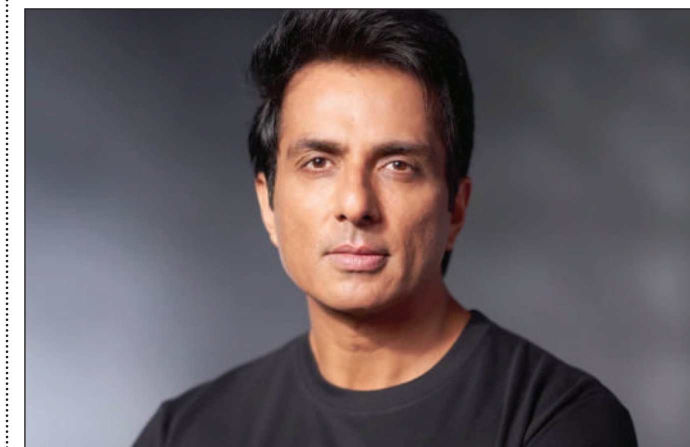

पौष अमावस्या कल

जानें साल की अंतिम अमावस्या पर कैसे करें पितरों का तर्पण

पौष मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली अमावस्या को पौष अमावस्या कहा जाता है। यह साल की अंतिम अमावस्या भी है, ऐसे में धार्मिक दृष्टि से ये अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौष अमावस्या को छोटा पितृ पक्ष भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण और दान से पितरों की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कहा जाता है कि पौष अमावस्या पर किए गए स्नान, दान और श्राद्ध कर्म सात जन्मों तक शुभ फल देते हैं। धार्मिक मान्यता है कि अमावस्या के दिन पूर्वज पृथ्वी पर आते हैं और अपने परिजनों के सत्कर्मों से प्रसन्न होकर उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली अमावस्या तिथि 19 दिसंबर, शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 59 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 20 दिसंबर, शनिवार की सुबह 6 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, दान और पितृ तर्पण जैसे सभी शुभ कार्य 19 दिसंबर को ही किया जाएगा।

पौष अमावस्या का धार्मिक महत्व?

पौष अमावस्या को पितरों को समर्पित दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि पूर्वक तर्पण और दान करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और परिवार में सुख-शांति व समृद्धि आती है। शास्त्रों के अनुसार पौष मास की अमावस्या पर किए गए दान का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। अन्न, वस्त्र, तिल और गुड़ का दान अत्यंत शुभ माना गया है। जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष होता है, उनके लिए यह तिथि विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पौष अमावस्या पर दान का महत्व?

पौष अमावस्या के दिन तर्पण के साथ-साथ दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है। इस दिन अन्न, वस्त्र, कंबल, तिल, गुड़ और घी का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। जरूरतमंदों को भोजन कराना भी अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान सीधे पितरों तक पहुंचता है। इसके साथ ही गौ सेवा और मंदिर में दीपदान करना भी अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है।

पितरों का तर्पण कैसे करें?

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त के समय नदी, सरोवर में स्नान करें। स्नान के बाद साफ, हल्के रंग के वस्त्र पहने और मन में पितरों के प्रति श्रद्धा रखें। अगर घर के पास नदी, सरोवर ना हो तो घर में भी तर्पण किया जा सकता है। आटे या चावल के पिंड बनाकर कौओं और गाय को खिलाएं।

इस दिन दक्षिण दिशा में एक दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसे करने से पितृ दोष शांत होता है और जीवन से बाधाएं दूर होती हैं। घर में पका सादा भोजन पितरों को समर्पित करें और बाद में गाय या गरीबों को दे दें।

अपनी राशि के अनुसार जानें कैसा भोजन आपके लिए रहेगा लाभकारी, जानें क्या खाएं क्या न खाएं

हर व्यक्ति का स्वास्थ्य केवल भोजन और आदतों पर ही नहीं, बल्कि उसकी राशि की नैसर्गिक प्रवृत्तियों पर भी निर्भर करता है। हर राशि का शरीर, मन और ऊर्जा अलग ढंग से कार्य करते हैं। कहीं कोई अधिक संवेदनशील होता है, कहीं अधिक उत्साही, तो कहीं अधिक भावुक। यही कारण है कि एक जैसा स्वास्थ्य नियम सभी पर समान प्रभाव नहीं डालता। जब कोई व्यक्ति अपनी राशि के अनुरूप आदतें अपनाता है, तब उसका शरीर, मन और ऊर्जा एक संतुलित तालमेल में कार्य करने लगते हैं। इससे न केवल रोगों की संभावना घटती है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी सुधरती है। स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए संतुलित भोजन, पर्याप्त पानी, नियमित व्यायाम, सही नींद और तनाव नियंत्रण सभी राशियों के लिए जरूरी है, परंतु कौन-सी राशि किस प्रकार की समस्या की ओर अधिक झुकती है, यह जानना व्यक्ति को और अधिक सचेत बनाता है। जैसे कुछ राशियों को पाचन का ध्यान रखना पड़ता है, कुछ को हड्डियों का, जबकि कुछ को मानसिक शांति की अधिक आवश्यकता होती है। यदि आप अपनी राशि की प्रकृति को समझकर दिनचर्या बनाते हैं, तो आपका शरीर जल्दी ही सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है और आप संपूर्ण स्वास्थ्य का अनुभव करते हैं।

मेष राशि ऊर्जा नियंत्रण और हल्का, संतुलित भोजन

राशि-आधारित स्वास्थ्य मार्गदर्शन के तहत, मेष राशि के जातक जोश और तेज ऊर्जा से भरे होते हैं, लेकिन यही तेज़ी कभी-कभी तनाव, बदहजमी और सिरदर्द का कारण बन जाती है। इन्हें ऐसा व्यायाम करना चाहिए जो शरीर की गर्मी को संतुलित करें, जैसे तेज़ चलना, हल्के स्ट्रेच और शांत श्वसन अभ्यास। मसालेदार और तला हुआ भोजन इनके लिए भारी पड़ सकता है, इसलिए इन्हें सब्जियां, दही, सलाद, नींबू और पर्याप्त पानी अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। ज्यादा उत्तेजक पेय पदार्थ और देर रात तक जागने की आदत इनकी समस्याएं बढ़ा सकती हैं।

वृषभ राशि शरीर की लचक और हल्की गतिविधि

राशि के अनुसार स्वास्थ्य विवेचन के अंतर्गत, वृषभ राशि के लोग स्थिर और प्रिय होते हैं, जिससे लंबे समय तक बैठना या भारी भोजन इन पर जल्दी असर डालता है। इन्हें शरीर में जकड़न और वजन बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए रोजाना हल्की सैर, तैराकी और प्रकृति में समय बिताना इनके लिए बेहद लाभकारी है। मीठा और अधिक कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें कम से कम खानी चाहिए। इनके शरीर को धीरे-धीरे पचने वाला, लेकिन पौष्टिक भोजन जैसे सूप, सब्जियां और प्रोटीन आधारित आहार, तेजी से ऊर्जा प्रदान करता है।

मिथुन राशि श्वसन तंत्र की देखभाल और मानसिक शांति

राशि के अनुसार स्वास्थ्य विश्लेषण के क्रम में, मिथुन जातक तेज दिमाग वाले और हमेशा गतिशील रहते हैं, पर यही तेज़ी इन्हें बेचैनी और अनियमित जीवनशैली की ओर ले जाती है। इनके स्वास्थ्य में श्वसन तंत्र, नींद और तनाव का खास महत्व है। गहरी साँसों के अभ्यास, योग और तैराकी इनके लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। भोजन में ताज़े फल, मेवे, अदरक, दही और उबली सब्जियां शामिल करनी चाहिए। अधिक ठंडा भोजन, ज्यादा चाय-कॉफी और अनियमित भोजन इनके स्वास्थ्य को कमजोर कर सकता है।

कर्क राशि पाचन और भावनात्मक संतुलन

राशि के अनुसार स्वास्थ्य परामर्श के अंतर्गत, कर्क राशि वाले भावनात्मक रूप से संवेदनशील होते हैं और तनाव में अक्सर अधिक भोजन कर लेते हैं। इनके पेट और पाचन पर सीधा प्रभाव पड़ता है, इसलिए भोजन हल्का, पोषक और आसानी से पचने वाला होना चाहिए। जल-व्यायाम, स्ट्रेचिंग और घर के वातावरण में शांत गतिविधियाँ इनके लिए उपयुक्त हैं। इन्हें तैलीय, नमकीन और भारी भोजन से बचना चाहिए और तरबूज, खीरा, दही और हरी सब्जियां अधिक सेवन करनी चाहिए।

सिंह राशि हृदय स्वास्थ्य और नियमित दिनचर्या

राशिवार स्वास्थ्य अनुशासन की दृष्टि से, सिंह जातक ऊर्जावान होते हैं लेकिन अधिक थकावट, तनाव या अनियमित भोजन इनके हृदय और पाचन पर असर डाल सकता है। सुबह की सैर, हल्का योग और स्ट्रेचिंग इनके लिए बहुत लाभकारी है। इन्हें ताज़ा फल, सलाद, मेवे और हल्का प्रोटीन युक्त भोजन करना चाहिए। अत्यधिक मसालेदार या तला हुआ भोजन सिंह राशि वालों को थकान और जलन दे सकता है। नियमित नींद इनके स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

कन्या राशि पाचन और मानसिक विश्राम

राशि-स्वास्थ्य संतुलन के परिप्रेक्ष्य में, कन्या राशि वाले साफ-सुथरे और अनुशासित होते हैं, पर अत्यधिक सोचने के कारण इनका पाचन तंत्र जल्दी प्रभावित होता है। इन्हें बहुत मसालेदार या बाहर का भोजन नहीं खाना चाहिए। योग, हल्की दौड़ और गहरी साँसों के व्यायाम इनके लिए आवश्यक हैं। इनके भोजन में रेशा, साग, सूखे मेवे और पर्याप्त पानी शामिल होना चाहिए। पाचन तंत्र को संतुलित रखने के लिए समय पर भोजन और नींद बहुत महत्वपूर्ण है।

तुला राशि शरीर का संतुलन और जल की प्रचुरता

ज्योतिषीय राशि के आधार पर स्वास्थ्य मार्गदर्शन में, तुला राशि वाले संतुलन पसंद होते हैं, लेकिन अनियमित भोजन या देर रात जागना इनके स्वास्थ्य को जल्दी प्रभावित करता है। त्वचा, गुर्दे और रक्तचाप पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इन्हें भरपूर पानी, सूप, जूस, दही और हल्का भोजन अपनाना चाहिए। स्ट्रेचिंग और हल्की गतिविधियाँ इनके शरीर को सक्रिय रखती हैं। अधिक मीठा और प्रोसेस्ड भोजन इनकी समस्या बढ़ा सकता है।

वृश्चिक राशि ऊर्जा का सही उपयोग और सरल भोजन

राशि के अनुरूप स्वास्थ्य सुझावों के क्रम में, वृश्चिक राशि वाले गहरे विचारों और मजबूत इच्छाशक्ति वाले होते हैं, जिससे भावनात्मक तनाव इनके स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। पेट, मूत्राशय और नसों पर अतिरिक्त दबाव महसूस हो सकता है। इन्हें योग, ध्यान और श्वसन अभ्यास अपनाना चाहिए। मसालेदार भोजन, शराब और भारी प्रोटीन से बचकर हल्का, आयरन युक्त और पौष्टिक भोजन अधिक लेना चाहिए। केला, पालक, सेब और सूप इनके लिए उत्तम हैं।

धनु राशि सक्रियता और नियंत्रित भोजन

धनु राशि वालों में ऊर्जा अधिक होती है, मगर अत्यधिक भोजन और अनियमित दिनचर्या वजन बढ़ा सकती है। कूल्हों और जांघों में दर्द, पाचन समस्या और रक्तचाप इन्हें प्रभावित कर सकते हैं। हल्के कार्डियो, तेज़ चलना और योग इनके लिए सर्वोत्तम हैं। मसाले, मिठाई और वसा युक्त भोजन कम करना चाहिए। इनके भोजन में फल, साबुत अनाज और हरी सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल होनी चाहिए।

मकर राशि हड्डियों की मजबूती और नियमित व्यायाम राशि

मकर राशि वालों को अक्सर हड्डियों, घुटनों और जोड़ों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इन्हें कैल्शियम और विटामिन से भरपूर भोजन अपनाना चाहिए, जैसे दही, पनीर, सूप, पालक और बादाम। हल्का व्यायाम, स्ट्रेचिंग और सुबह की धूप इनके लिए लाभकारी है। फिजी ड्रिंक्स, जंक फूड और बासी भोजन से बचना चाहिए क्योंकि यह इनके पाचन पर असर डालता है।

कुंभ राशि रक्त संचार और हल्का, संतुलित भोज

कुंभ राशि वालों को रक्तचाप, नसों और टांगों की समस्याएँ हो सकती हैं। इनके लिए नियमित वॉक, तैराकी और श्वसन व्यायाम बहुत अच्छे हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल, ब्राउन राइस, मछली और हल्के सूप शामिल करना चाहिए। अत्यधिक स्टार्च, नमक और तली हुई चीज़ें इनकी सेहत पर विपरीत असर डाल सकती हैं।

मीन राशि प्रतिरोधक क्षमता और शांत व्यायाम

मीन राशि वाले जल्दी थक जाते हैं और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। इन्हें योग, ध्यान और जल-व्यायाम अपनाना चाहिए। भोजन हल्का, पौष्टिक और रेशा युक्त होना चाहिए। इन्हें गैस वाले पेय, मसालेदार भोजन और अत्यधिक नमक से बचना चाहिए। नियमित स्टीम और आराम मानसिक व शारीरिक संतुलन दोनों में मदद करते हैं।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

कर्क राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि कर्क राशि के जातकों के लिए साल 2026 थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। अगर आप सावधानी बरतते हुए आगे बढ़ेंगे, तो आप अनुकूल परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, इस राशि के नौकरी और व्यापार करने वाले जातकों को कार्यों में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। हालांकि, सोच-समझकर काम करने की स्थिति में आपको सफलता की प्राप्ति होगी। इस साल आपकी आय अच्छी रहेगी, लेकिन फिर भी आप बचत करने में परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026 मिला-जुला रह सकता है। यदि तनाव मुक्त रहकर पढ़ाई करेंगे, तो परिणाम संतोषप्रद प्राप्त हो सकेंगे। कर्क राशि के लोगों के लिए साल की शुरुआत में शनि नवम भाव में और बृहस्पति 12वें भाव में बैठकर अपना प्रभाव डालेंगे। साल के मध्य में बृहस्पति कर्क राशि में जाकर आपकी समस्याओं का अंत करेंगे, तब तक आपको अपनी सेहत, आमदनी आदि पर ध्यान देना होगा। इस साल आप खुद को साबित कर सकते हैं। आध्यात्मिक स्तर पर उन्नति प्राप्त होने और विदेश संबंधी मामलों में लाभ की स्थिति बनेगी। ग्रहों का गोचर धार्मिकता और पारिवारिक रूप से आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करेगा। अष्टम भाव में राहु का बने रहना ससुराल पक्ष से मतभेद को जन्म दे सकता है, लेकिन अचानक से ससुराल से लाभ भी प्रदान करवा सकता है। साल के पहले भाग में बृहस्पति मिथुन राशि में आपके द्वादश भाव में रहेगा, जो आपके मानसिक स्थिति और गोपनीय मामलों पर असर डाल सकता है। लेकिन जब गुरु कर्क राशि में होंगे तब आपको मिलेगा जोश और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका। परिवार के सतह साथ आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी होगी और आप अपने भाग्य से अपने जीवन को सुखद देख पाएंगे। परिवार के साथ रिश्तों में भी मधुरता बनी रहेगी। अष्टम भाव में राहु के कारण ससुराल पक्ष से कुछ मतभेद हो सकते हैं या फिर दांपत्य जीवन में साथी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ चिंता हो सकती है इस समय ध्यान रखें कि आपके शब्द और व्यवहार से परिवार के दूसरे सदस्यों के बीच गलतफहमियां न पैदा हो।

कैरियर– कर्क राशि के लोगों के लिए साल 2026 नौकरी और कैरियर के लिए मिला-जुला असर दिखाएगा। आपको नौकरी के सिलसिले में नए अवसरों की प्राप्ति होगी और लंबी यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं। विदेश जाकर काम करने वालों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। साल की शुरुआत के महीनो में काम को लेकर भाग दौड़ और चुनौतियां रहेगी, लेकिन आपका नाम होगा और आपके कामो को सराहना मिलेगी। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति का द्वादश भाव से गुजरा हुआ गोचर उन लोगों के लिए ज्यादा लाभदायक रहेगा, जो जन्म स्थान से दूर रहकर काम कर रहे हैं या काम करना चाहते हैं, उन्हें संबंध में अच्छे और सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।राहु का आठवें भाव में स्थित होना, आपके कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं के प्रभाव को दर्शाता है। इस दौरान आपके खिलाफ कुछ अज्ञात या छिपे हुए विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, जो आपके काम में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। इस समय अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण होगा। अपने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें, क्योंकि छोटे से छोटी गलती भी परेशानी में डाल सकती है। इस समय नए कारोबार या काम की शुरुआत करना अनुकूल नहीं रहेगा। कोई व्यवसाय चला रहे हैं, तो आपको उसे व्यवस्थित तरीके से चलाने की जरूरत है। इस समय बड़ी रकम लगाने से बचें। व्यावसायिक दृष्टि से इस समय आपको धैर्य रखने की आवश्यकता है। यह समय जोखिम लेने का नहीं है, बल्कि धैर्य और सोच-समझकर काम करने का है। वर्ष के पहले भाग में, बृहस्पति और शनि की छठे भाव पर संयुक्त रूप से दृष्टि के कारण प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जातकों के लिए यह समय बहुत अनुकूल है। यदि आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो इस समय आप अपनी मेहनत का फल पा सकते हैं और मनचाही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। सरकारी नौकरी के लिए कोशिशें अच्छी होंगी। कॉम्पिटिटिव एग्जाम के लिए समय बेहतर रहेगा, लेकिन सफलता तब ही मिलेगी जब आप पूरी तरह से लगन और मेहनत से जुटे रहेंगे। बेरोजगार लोगों के लिए भी वर्ष की शुरुआत में रोजगार प्राप्ति का अच्छा अवसर है। अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो इस समय नौकरी मिल सकती है, गुरु के लग्न में गोचर से करियर और व्यवसाय में बेहतरी की दिशा में बदलाव होगा। सप्तम भाव पर बृहस्पति की दृष्टि आपके व्यवसाय में अच्छे लाभ की संभावना को प्रकट करती है। यह समय आपके व्यवसाय के लिए प्रगति और उन्नति का होगा। जो भी काम आप शुरू करेंगे, वह सफल होगा, और आप व्यापार या नौकरी में अपने लक्ष्य की ओर अधिक आसानी से बढ़ेंगे।

आर्थिक स्थिति – कर्क राशि के जातकों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रह सकता है। साल की शुरुआत में धन के कारक ग्रह बृहस्पति आपके लाभ भाव में रहेंगे जो सामान्य तौर पर एक अच्छी स्थिति मानी जाती है। इस वर्ष के शुरू से लेकर 02 जून 2026 तक बृहस्पति आर्थिक जीवन में आपकी सहायता करेंगे क्योंकि अष्टम भाव के स्वामी लाभ भाव में रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप, आपको अप्रत्याशित रूप से भी धन प्राप्त हो सकता है। अगर आपका धन कहीं रुका या फंसा हुआ है, तो अब वह आपको मिल सकता है। बीते दिनों में की गई मेहनत का फल उस समय नहीं मिल पाया था, तो इस समय आपको उसका फल मिल सकता है। 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 तक बृहस्पति का गोचर आपके द्वादश भाव में रहेगा जिसे अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि, गुरु ग्रह उच्च अवस्था में अष्टम भाव के स्वामी के रूप में द्वादश भाव में जाएंगे और इस प्रकार, विपरीत राजयोग की स्थिति निर्मित होगी। इसका फायदा कुछ लोगों को मिल सकता है, विशेषकर उन्हें

जो विदेश में रहकर कोई काम कर रहे हैं या अपने जन्मस्थान से दूर रहते हैं। कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति आपके लिए औसत रहेगी। ऐसे में, यह आपको वर्ष 2026 में अनुकूल परिणाम दे सकते हैं। वहीं, आपके लाभ भाव और धन भाव के स्वामी बुध ग्रह इस वर्ष अपना एक चक्र पूरा करेंगे। सरल शब्दों में कहें तो, बुध देव साल की शुरुआत में धनु राशि से चलकर साल के अंत में धनु राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ऐसे में, वर्ष के ज्यादातर समय बुध महाराज आपको अच्छे परिणाम देने का काम करेंगे। कुल मिलाकर, आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 कर्क राशि वालों के लिए काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा, विशेषकर आय के मामले में। इस साल आप अधिक बचत करने में असमर्थ रह सकते हैं क्योंकि शनि की दृष्टि आपके दूसरे भाव पर होगी। ऐसे में, आपकी आय इस साल अच्छी रहेगी जबकि बचत कमज़ोर रह सकती है। गुरु का गोचर कर्क राशि में होने के बाद आपके जीवन में आर्थिक सुधार आएंगे। धन प्राप्ति के रास्ते स्वत ही खुलते चले जाएंगे। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी, जो धन कहीं अटका हुआ था, वह भी वापस मिल जाएगा।

परिवार – पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। हालांकि, दूसरे भाव के स्वामी बुध ग्रह इस पूरे वर्ष सभी राशियों में गोचर करेंगे और यह अधिकांश राशियों को अच्छे परिणाम देने का काम करेंगे। लेकिन, दूसरे भाव पर शनि की दृष्टि इस बात का संकेत कर रही है कि पारिवारिक संबंधों को मधुर बनाए रखने में आपको काफ़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। वहीं, दूसरे भाव के कारक ग्रह बृहस्पति वर्ष के 12 महीनों में से 7 महीने अनुकूल स्थिति में होंगे, विशेषकर साल की शुरुआत से लेकर 2 जून 2026 तक। इस दौरान घर-परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। परिजन थोड़े से असंतुष्ट रह सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे का पूरा ख्याल रखेंगे। आशंका है कि इसके बाद परिस्थितियां उतार-चढ़ाव भरी रह सकती हैं। कर्क राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए वर्ष 2026 अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों और विवाह के कारक ग्रह बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आपके लाभ भाव में रहेंगे। यहां से बृहस्पति की दृष्टि पंचम भाव और सप्तम भाव पर होगी। पंचम भाव पर गुरु ग्रह का प्रभाव प्रेम, सगाई और मित्रता के लिए शुभ माना गया है। ऐसे में, विवाह से संबंधित बातें आगे बढ़ सकती हैं और आपकी सगाई हो सकती है। वहीं, सप्तम भाव पर दृष्टि होने से विवाह के योग मजबूत होंगे अर्थात साल की शुरुआत से 02 जून 2026 तक का समय सगाई और विवाह दोनों कार्यों के लिए अनुकूल रहेगा। दूसरी तरफ, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 का समय शादी-विवाह के लिए कमज़ोर रह सकता है। इस दौरान विवाह और सगाई की बात आगे न बढ़ पाने की आशंका है, परंतु 31 अक्टूबर के बाद फिर से गुरु ग्रह सगाई-विवाह जैसे मामलों में शुभ फल देने लगेंगे। ऐसी ही स्थिति वैवाहिक जीवन में भी रहेगी। लेकिन दांपत्य जीवन में आपको बेहद सावधानी बरतनी होगी क्योंकि साल 2026 की शुरुआत से लेकर 05 दिसंबर 2026 तक आपके सप्तम भाव पर राहु-केतु का प्रभाव रहेगा। ऐसे में, यह वैवाहिक जीवन में परेशानियां देने का काम कर सकते हैं। हालांकि, इन समस्याओं को नियंत्रित करने में बृहस्पति देव आपकी सहायता करेंगे।

प्रेम – रोमांस– प्रेम जीवन वर्ष 2026 में काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। आपके पंचम भाव के स्वामी बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक लाभ भाव में रहेंगे और यहाँ से इनकी दृष्टि पंचम भाव पर पड़ रही होगी। यह दोनों ही स्थितियां काफ़ी अच्छी कही जाएंगी। इसके फलस्वरूप, आपका प्रेम जीवन बहुत अच्छा रहेगा। युवा जातकों को किसी से प्रेम हो सकता है। जो पहले से रिश्ते में हैं, उनके प्रेम में वृद्धि देखने को मिल सकती है। वहीं, जिनके प्रेम जीवन में कोई परेशानी चल रही थी, अब वह भी दूर हो जाएगी। लेकिन, 02 जून से 31 अक्टूबर 2026 के दौरान बृहस्पति ग्रह द्वादश भाव में रहेंगे जो कि एक कमज़ोर बिंदु कहा जाएगा। हालांकि, गुरु ग्रह उच्च अवस्था में होंगे इसलिए कोई बड़ी परेशानी नहीं आने देंगे। साल के दूसरे भाग में बृहस्पति महाराज की कृपा से फिर से रिश्तों में सकारात्मक समझ विकसित होगी और आपसी रिश्ते मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे। आपका प्रेम विवाह हो सकता है। विवाहित दंपति के लिए साल की शुरुआत कुछ वाद विवाद दिखा सकती है और आपको अपने लाइफ पार्टनर को समझाने बुझाने पर बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ेगी। मंगल राहु की स्थिति फरवरी की समय अवधि में फिर से रिश्ते में तनाव बढ़ा सकती है, इसके तुरंत बाद मार्च से जीवनसाथी के साथ रिश्ते की समझ गहरी होगी। मतभेद को भुलाकर आप एक दूसरे की भावनाओं को भरपूर सम्मान प्रदान करेंगे, उसके बाद बृहस्पति महाराज की कृपा आपके रिश्ते में खुशियां लेकर आएगी। सभी समस्याएं दूर होंगी और फिर रिश्ते में सुखद अनुभव होंगे। रोमांटिक समय भी मिलेगा। यह बृहस्पति का गोचर आपके रिश्ते के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने का सबसे अच्छा समय होगा। लाइफ पार्टनर के साथ लंबी यात्राएं होंगी, जो आपको एक दूसरे के निकट लेकर आएंगी।

शिक्षा – विद्यार्थियों के लिए यह साल थोड़ा धीमा लेकिन स्थिर रहने वाला है। आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि चीजें आपकी योजना के अनुसार नहीं चल रही हैं, लेकिन इस बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। बस पूरे फोकस और मेहनत के साथ अपना काम करते रहिए। अगर आप उच्च शिक्षा की योजना बना रहे हैं, तो शुरुआत में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन समय के साथ जैसे ही जून में गुरु ग्रह का गोचर होगा, आप हर चुनौती को पार कर पाएंगे। जो विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इस साल और भी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। साथ ही, परीक्षा देते समय बेहद सतर्क रहना होगा क्योंकि इस साल लापरवाही या ज्यादा आत्मविश्वास के कारण गलतियाँ होने के संकेत हैं।साल की शुरुआत से लेकर 2 जून 2026 तक उच्च शिक्षा के कारक ग्रह बृहस्पति आपके द्वादश भाव में रहेंगे। वैसे तो, गुरु ग्रह की इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता है, विशेषकर शिक्षा के लिए। लेकिन, जन्म स्थान से दूर रहकर या फिर विदेश में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को गुरु ग्रह सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। कर्क राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून 2026 से लेकर 31 अक्टूबर 2026 के बीच बृहस्पति का गोचर शिक्षा के लिए शुभ रहेगा। छठे भाव के स्वामी का उच्च का होना प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम प्रदान करेगा। ऐसे विद्यार्थी जो प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ पढ़ाई करेंगे, उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गुरु ग्रह उच्च होकर शिक्षा के मामले में आपकी मदद करेंगे। आपके गुरु, आपके टीचर और आपके वरिष्ठ पढ़ाई में आपकी सहायता करेंगे। वहीं, 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति का गोचर दूसरे भाव में होगा और यह बहुत अच्छी स्थिति मानी जाएगी। ऐसे में, आपको शिक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकेंगे। लेकिन, केतु का गोचर 05 दिसंबर 2026 को आपके दूसरे भाव में होगा जो आपके आसपास के माहौल को ख़राब करने का काम करेगा। विशेषकर ऐसे लोग जो परिवार के साथ रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें इस दौरान कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि किसी एकांत जगह पर पढ़ाई करें।

स्वास्थ्य– साल 2026 सेहत के मामले में मुश्किलों से निपटाने में सक्षम बनाएगा। आप मानसिक रूप से खुद को मजबूत महसूस करेंगे। जीवन ऊर्जा बढ़ेगी और फिटनेस के लिए खुद को तैयार करेंगे। वर्ष की शुरुआत सेहत के लिए ठीक-ठाक रहेगी और खराब सेहत से उभरने में आप सफल होंगे, लेकिन 12वे घर से बृहस्पति का प्रभाव सेहत में कमजोरी का कारण बन सकता है। मानसिक चिंता, परेशानियां, स्वास्थ्य संबंधी कष्ट आपको परेशान कर सकते हैं और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं।फरवरी से मार्च के मध्य के समय वाहन इत्यादि का संभल कर उपयोग करने की जरूरत होगी। उचित खान-पान, रोज के व्यायाम और समय पर दवाओं का सेवन आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करेगा। जून के बाद से स्वास्थ्य में सुधार होने के संकेत हैं। इस वर्ष आपको अपने शरीर और मानसिक स्थिति पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि आप किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बच सकें। गुरु का जल तत्व और वायु तत्व की राशि में गोचर श्वसन तंत्र, पेट और संक्रमण के रोगों से जुड़ी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

संपादकीय

पीड़ा से मुक्ति

देश में लंबे समय से यह मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में रहा है कि विषम परिस्थितियों में एक त्रासदी से मुक्ति हेतु इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए या नहीं। समय-समय पर अदालती फैसलों ने मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। साथ ही कोशिश की गई है कि इस छूट का दुरुपयोग न किया जा सके। हाल ही में एक ज्वलंत प्रसंग पर सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी थी कि हमें अब कुछ करना होगा, इस तरह के त्रासद जीवन की कोई तार्किकता नहीं है। दरअसल, यह मामला एक 32 वर्षीय युवक का है, जो पिछले 13 सालों से कोमा जैसी स्थिति में है। यह अब केवल महज चिकित्सीय त्रासदी का मामला नहीं रह गया है। अब यह एक महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक प्रश्न भी बन चुका है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत की टिप्पणी देश में जीवन के अंतिम क्षणों में गरिमापूर्ण व्यवहार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। निश्चय ही यह प्रसंग अतीत में बहुचर्चित अरुणा शानबाग के मामले की यादें फिर से ताजा कर देता है। इस प्रसंग ने ही देश को पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु के प्रश्न का सामना करने के लिये बाध्य किया था। वर्ष 2011 में, सुप्रीम कोर्ट ने अरुणा शानबाग के मामले में फैसला सुनाते हुए, सैद्धांतिक रूप से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। दरअसल, अरुणा शानबाग एक भयानक हमले के बाद से ही 42 वर्षों से कोमा जैसी स्थिति में रही थीं। भले ही अदालत ने इस मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी, लेकिन साथ ही उसके साथ कुछ प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के भी निर्देश दिए थे। निश्चित रूप से इस मामले में अदालती फैसला नैतिक प्रेरणा का स्रोत भी बना। कालांतर में जिसके चलते वर्ष 2018 में एक संविधान पीठ ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्रदान की। साथ ही इसके लिये एक आवश्यक प्रक्रिया भी निर्धारित की थी। जिसका मकसद था कि समाज में कहीं इस छूट का दुरुपयोग आपराधिक स्वार्थों के लिये न किया जा सके। वर्ष 2023 में, अदालत ने इन दिशानिर्देशों को और सरल बनाने का प्रयास किया। जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि प्राथमिक और माध्यमिक चिकित्सा बोर्डों द्वारा स्थिति के मूल्यांकन की आवश्यकता रहेगी। फिलहाल देश में वही प्रक्रिया आज भी चल रही है। बहरहाल, वर्तमान मामले में बार-बार की गई अपीलें, इससे जुड़ी खामियों को भी उजागर करती हैं। दरअसल, ऐसे मामलों में पीड़ित को घर में दी जाने वाली देखभाल अपर्याप्त ही साबित होती है। वहीं दूसरी ओर राज्य का समर्थन भी पर्याप्त नहीं रहा है। इसके अलावा ऐसे मामलों से जुड़ी अनसुलझी नैतिक दुविधाएं असमंजस की स्थिति पैदा करती रही हैं। निस्संदेह, इस मामले में किसी युवा वयस्क के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की पहली स्पष्ट स्वीकृति हो सकती है। आज देश में हजारों मरीज कोमा जैसी अवस्था में नारकीय जीवन जी रहे हैं। जो उनके परिवारों के लिये भी एक त्रासदी की स्थिति है। जहां परिवार एक ओर भावनात्मक संकट से जूझ रहे होते हैं, वहीं रोगी के उपचार से जनित आर्थिक बोझ भी निरंतर बढ़ता जाता है। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार पर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, अदालत को जटिल परिस्थितियों में जैविक अस्तित्व के कठोर विस्तार के बजाय रोगी की मुक्ति और परिवार की पीड़ा को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे में यदि एम्स 17 दिसंबर तक मामले में जीवन की निरर्थकता की पुष्टि करता है, तो निष्क्रिय इच्छामृत्यु की स्वीकृति एक मिसाल कायम कर सकती है। इसके बाद दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों को भी स्पष्ट किया जा सकेगा। साथ ही जीवन के अंतिम विकल्पों का सम्मान किया जा सकेगा। देश के नीति-नियंताओं को कोमा जैसी अवस्था में सालों जूझते लोगों के मामले में स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए, जिससे ऐसे रोगियों की उपचारात्मक देखभाल और परामर्श को एकीकृत किया जा सके। मानवीय करुणा की मांग है कि जीवन की पवित्रता और पीड़ा की क्रूरता के बीच संतुलन बनाया जाए। इच्छामृत्यु जब सहमति से होगी तो मानवता को कायम रखा जा सकता है। न्यायपालिका को ऐसा न्याय देना चाहिए, जो रोगी को पीड़ा से मुक्त करे और एक करुणामय भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे।

सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी थी कि हमें अब कुछ करना होगा, इस तरह के त्रासद जीवन की कोई तार्किकता नहीं है। दरअसल, यह मामला एक 32 वर्षीय युवक का है, जो पिछले 13 सालों से कोमा जैसी स्थिति में है। यह अब केवल महज चिकित्सीय त्रासदी का मामला नहीं रह गया है। अब यह एक महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक प्रश्न भी बन चुका है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत की टिप्पणी देश में जीवन के अंतिम क्षणों में गरिमापूर्ण व्यवहार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। निश्चय ही यह प्रसंग अतीत में बहुचर्चित अरुणा शानबाग के मामले की यादें फिर से ताजा कर देता है। इस प्रसंग ने ही देश को पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु के प्रश्न का सामना करने के लिये बाध्य किया था। वर्ष 2011 में, सुप्रीम कोर्ट ने अरुणा शानबाग के मामले में फैसला सुनाते हुए, सैद्धांतिक रूप से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। दरअसल, अरुणा शानबाग एक भयानक हमले के बाद से ही 42 वर्षों से कोमा जैसी स्थिति में रही थीं। भले ही अदालत ने इस मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी, लेकिन साथ ही उसके साथ कुछ प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के भी निर्देश दिए थे। निश्चित रूप से इस मामले में अदालती फैसला नैतिक प्रेरणा का स्रोत भी बना।

कुछ अलग

प्रेम-विवाह पर राजी

बदलते वक्त की धारा में युवाओं में बढ़ते प्रेम विवाह के रुझान को देखते हुए अब तक कठोर रही खापों ने भी रुख बदला है। जैसे कह रहे हों कि यदि मां-बाप राजी तो क्या करेगा काजी। पिछले महीने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के गांव सोरम में देशभर की खाप पंचायतें तीन दिन तक जुटीं। जिसमें हरियाणा, पंजाब, उ.प्र., उत्तराखंड, एमपी, छत्तीसगढ़, बिहार, राजस्थान आदि की विभिन्न जाति-धर्मों की 36 खाप बिरादरियों के प्रतिनिधि जुटे। रोचक यह है कि एक लाख से अधिक भागीदारों में आधे करीब 20-35 वर्ष के युवा थे। वजह यह भी थी कि खापों की सख्ती से बड़ी संख्या में युवाओं की शादी नहीं हो पा रही है। हालांकि, इस पंचायत में मौजूदा सामाजिक चुनौतियों मसलन इज्जत के नाम पर होने वाली हत्याएं, दहेज,भ्रूण-हत्या,मृत्यु-भोज जैसी कुरीतियों पर व्यापक विमर्श हुआ, लेकिन प्रेम विवाह का मुद्दा मुखरता से छाया रहा। महत्वपूर्ण बात यह रही कि सर्वखाप ने तय किया कि यदि माता-पिता की सहमति से प्रेम विवाह होता है तो खाप हस्तक्षेप नहीं करेगी। सर्वखाप पंचायत में देश की सबसे बड़ी बालियान खाप के प्रधान नरेश टिकैत का कहना था कि यहां इतने ज्यादा लोग इसलिए जुटे हैं कि मुद्दे कोई राजनीतिक या किसानों के न होकर, प्रेम-विवाह, अंतरजातीय विवाह शुरू करने, दहेज न लेने, मृत्युभोज बंद करने जैसे ज्वलंत विषयों से जुड़े रहे। आम राय रही है कि जिस विवाह को लेकर मां-बाप की सहमति होगी, उसमें समाज, रिश्तेदार अथवा खाप हस्तक्षेप नहीं करेगी। दरअसल, खापों के रवैये में लचीलापन आने की एक बड़ी वजह यह रही है कि युवा तेजी से प्रेम विवाह की तरफ उन्मुख हैं। लेकिन जहां ऐसा करने में सख्ताई है वहां बड़ी संख्या में युवा कुंआरे बने हुए हैं।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने वैनबरा में पत्रकारों से कहा कि वह इस नरसंहार से बेहद दुखी हैं

ऑस्ट्रेलिया में यहूदियों पर आतंकी हमला : वैश्विक आतंकवाद का भयावह चेहरा

सुनील वुमार महला

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के सिडनी में बोंडी बीच (समुद्र तट) पर हमलावरों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की घटना में इजरायली नागरिक समेत 16 लोगों की मौत हो गईं है, वहीं 29 लोग घायल बताए जा रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार घायलों में एक बच्चा और दो पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया पुलिस ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।कितनी बड़ी बात है कि बोंडी बीच में आर्चर पार्व के पास,जो कि भीड़-भाड़ वाली जगह है (ऑस्ट्रेलियन ईस्टर्न डेलाइट टाइम के मुताबिक़ शाम को क़रीब 6.47 पर) दो लोगों की ओर से सार्वजनिक जगह पर गोलीबारी की गईं और इलाके को दहला दिया गया। बताया जा रहा है कि आस्ट्रेलिया में हनुक्का त्योहार मना रहे यहूदियों पर यह आतंकी हमला हुआ है, जो बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है। हालांकि, पुलिस की गोलीबारी में एक हमलावर भी मारा गया है तथा दूसरा घायल बताया जा रहा है, जिसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है, लेकिन आस्ट्रेलिया में हुईं यह आतंकी घटना साफ संकेत देती है कि आस्ट्रेलिया भी कहीं न कहीं अन्य देशों की भांति आतंकवाद का शिकार है।

अक्सर देखा गया है कि आतंकी समाज के बीच ही छिपकर रहते हैं। इसलिए आम आदमी को चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नज़र रखनी होगी, सतर्व और जागरूक रहना होगा। सच तो यह है कि आतंकवाद के निरंतर बदलते स्वरूप से निपटने के लिए नए और प्रभावी तरीकों को समय रहते अपनाना होगा। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के सिडनी में बोंडी बीच (समुद्र तट) पर हमलावरों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की घटना में इजरायली नागरिक समेत 16 लोगों की मौत हो गईं है, वहीं 29 लोग घायल बताए जा रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार घायलों में एक बच्चा और दो पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया पुलिस ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।कितनी बड़ी बात है कि बोंडी बीच में आर्चर पार्व के पास, जो कि भीड़-भाड़ वाली जगह है (ऑस्ट्रेलियन ईस्टर्न डेलाइट टाइम के मुताबिक़ शाम को क़रीब 6.47 पर) दो लोगों की ओर से सार्वजनिक जगह पर गोलीबारी की गईं और इलाके को दहला दिया गया। बताया जा रहा है कि आस्ट्रेलिया में हनुक्का त्योहार मना रहे यहूदियों पर यह आतंकी हमला हुआ है, जो बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है। हालांकि, पुलिस की गोलीबारी में एक हमलावर भी मारा गया है तथा दूसरा घायल बताया जा रहा है, जिसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है, लेकिन आस्ट्रेलिया में हुईं यह आतंकी घटना साफ संकेत देती है कि आस्ट्रेलिया भी कहीं न कहीं अन्य देशों की भांति आतंकवाद का शिकार है। पाठकों को बताता चलूं कि एक हमलावर की पहचान पाकिस्तानी मूल के 24 वषाय नवीद अकरम के रूप में हुईं है तथा दुनियाभर के नेताओं ने इस आतंकी हमले की घोर निंदा की है। स्वयं आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने वैनबरा में पत्रकारों से कहा कि वह इस नरसंहार से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा, यह हनुक्का के पहले दिन यहूदी आस्ट्रेलियाई लोगों को निशाना बनाकर किया गया हमला है। यह यहूदी-विरोधी और आतंकी वृत्य है जिसने आस्ट्रेलिया के दिल पर हमला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है तथा साथ ही यह बात कही है कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है और इसके सभी रूपों व अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाईं का समर्थन करता है। इधर, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यह बात कही है कि यह गोलीबारी सुनियोजित हत्या है। मैंने आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को चेतावनी दी थी कि उनके देश की नीतियां यहूदीविरोध को बढ़ावा देती हैं। यहूदीविरोधी भावना तब पैलती है जब नेता चुप रहते हैं। आपको कमजोरी दिखाने की जगह कार्रवाईं करनी होगी। बहरहाल, गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की लगभग 2.8 करोड़ आबादी में करीब 1.17 लाख यहूदी रहते हैं। सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सरकार की विशेष दूत जिलियन सेगल

के अनुसार, इन घटनाओं की संख्या तीन गुना से भी ज्यादा हो गईं है, जिनमें हमले, तोड़फोड़, धमकियां और लोगों को डराने की घटनाएं शामिल हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछली गर्मियों में सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में हुए यहूदी विरोधी हमलों ने पूरे देश को झकझोर दिया था। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की लगभग 85 प्रतिशत यहूदी आबादी इन्हीं शहरों में रहती है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने अगस्त में ऐसे दो हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था और उसके साथ राजनयिक संबंध भी तोड़ दिए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाएं आम नहीं हैं। 1996 में तस्मानिया के पोर्ट आर्थर में हुईं भयावह गोलीबारी के बाद, जिसमें 35 लोग मारे गए थे, सरकार ने हथियार कानूनों (गन ला) को बेहद सख्त बना दिया था। इसके बाद से आम लोगों के लिए बंदूक हासिल करना बहुत कठिन हो गया। इस सदी में गोलीबारी की गिनी-चुनी बड़ी घटनाओं में 2014 और 2018 के वुछ हत्या-आत्महत्या के मामले और 2022 में क्वींसलैंड में हुईं एक गोलीबारी शामिल हैं। वुल मिलाकर, देश में हिसा की घटनाएं कम हैं, लेकिन हाल के वर्षो में यहूदी विरोधी हमलों ने गंभीर चिता पैदा की है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के दौर में यह साफ दिखाईं दे रहा है कि आतंकवादी अब भीड़भाड़ वाले स्थानों को निशाना बनाकर दहशत पैलाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक जानमाल का नुक़सान कर सवें। गौरतलब है कि विश्व में आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित (शिकार) देशों में आज व्रामशः अफगानिस्तान, पाकिस्तान, इराक, सीरिया, नाईंजीरिया, सोमालिया, भारत, यमन, माली तथा फिलीस्तीन- इजराइल क्षेत्र शामिल हैं। अफगानिस्तान दशकों से तालिबान, आईंएस जैसे संगठनों की हिसा का वेंद्र रहा है। वहीं पर पाकिस्तान आतंकी संगठनों, आत्मघाती हमलों और सीमा-पार आतंकवाद से गंभीर रूप से प्रभावित रहा है। इराक आईंएस के उदय के बाद भारी आतंकी हिसा झेल चुका तथा गृहयुद्ध के साथ आतंकवादी संगठनों की स्व्रियता ने सीरिया को तबाह किया है। नाइजीरिया का उत्तरपूवा इलाका जहां बोको हराम जैसे आतंकी संगठन से बुरी तरह से प्रभावित है, वहीं पर हमारा देश भारत सीमा-पार आतंकवाद, कश्मीर और बड़े शहरों में हुए आतंकी हमलों से प्रभावित है। गृहयुद्ध और आतंकी गुटों की मौजूदगी के कारण यमन में भारी संकट है तो माली (सहेल क्षेत्र में सायि आतंकी संगठनों के कारण) हिसा का शिकार है। फिलिस्तीन/ इज़राइल क्षेत्र तो लंबे समय से संघर्ष और आतंकी हमलों का सामना कर ही रहा है और यह बात किसी व्यक्ति विशेष से छिपी हुईं नहीं है।सच तो यह है कि आतंक की समस्या आज केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के कईं देश इसकी चपेट में हैं। हालिया मामला ऑस्ट्रेलिया का है, जहां सिडनी में यहूदी समुदाय पर किया गया हमला पूरे देश को झकझोर देने वाला साबित हुआ है।आतंकियों ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर आयोजित हनुक्का धरमिक उत्सव के दौरान अचानक गोलीबारी कर दी, निदरेष लोग मारे गए और कईं अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वास्तव में युवा आतंकियों ने यहां शांति भंग करने व आतंक पैलाने के उद्देश्य से इस कार्रवाईं को अंजाम दिया। पिछले वुछ समय से यह देखा जा रहा है कि आज कईं जगहों पर युवा और किशोर आतंकवाद या कट्टर विचारधाराओं की ओर लगातार आर्कषित हो रहे हैं, खासकर ऑनलाइन यूर इंटरनेट के ज़रिये। वास्तव में यह एक गंभीर चिता का विषय है। हालांकि इससे निपटने के लिए दुनिया भर के सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ, सरकारें व सेनाएं भी लगातार सतर्व हो रही हैं। गौरतलब है कि एक संयुत्त चेतावनी में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और न्यूज़ीलैंड जैसी फाइव आइज सुरक्षा एजेंसियों ने यह बात कही है कि युवा रेडिकलाइज़ेशन (कट्टर विचारों के प्रभावित होने) की संख्या बढ़ रही है। इससे जुड़े मामलों में लगभग 20 .प्रातिशत प्राथमिक आतंकवाद के मामलों में युवा शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाईं संघीय पुलिस (एएफपी) ने भी यह बात कही है कि बहुत छोटे बच्चे भी ऑनलाइन उग्रवादी सामग्री तक पहुँच रहे हैं, जिनमें से कईं 17 वर्ष या उससे कम आयु के हैं। दिल्ली धमाके की जांच ने आतंक के इसी नए पैटर्न को उजागर किया है, जिसमें उच्चशिक्ष ाित पेशेवरों की संलिप्तता सामने आईं है।इसी कारण सुरक्षाबलों के सामने अब 'व्हाइटकॉलर टेरर इकोसिस्टम' को तोड़ना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाईं केवल सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की भूमिका काफी अहम और महत्वपूर्ण है। वास्तव में आम आदमी को आज सतर्व रहना होगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को देनी होगी। अक्सर देखा गया है कि आतंकी समाज के बीच ही छिपकर रहते हैं। इसलिए आम आदमी को चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नज़र रखनी होगी, सतर्व और जागरूक रहना होगा। सच तो यह है कि आतंकवाद के निरंतर बदलते स्वरूप से निपटने के लिए नए और प्रभावी तरीकों को समय रहते अपनाना होगा। इसके मूल कारणों को समझकर उन्हें खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

देश दुनिया से

शिक्षा सुधार : व्यवस्था बदले बिना नहीं बनेगा विकसित भारत

भारतीय शिक्षा की दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वास्तविक वृद्धि हेतु आवश्यक है कि पुरानी बाधाओं, जड़ हो चुके संस्थागत ढांचों एवं अप्रासंगिक नियमों को साहसपूर्वक समाप्त किया जाए। शिक्षा सुधार : व्यवस्था बदले बिना नहीं बनेगा विकसित भारत भारत जब 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था इस लक्ष्य की मजबूत नींव बन पाएगी। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक सामर्थ्य उसकी युवा सशत्तीकरण, ज्ञानसृ जन और नवाचार क्षमता में निहित होती है। इस दृष्टि से प्रस्तावित विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक आवश्यक और निर्णायक हस्तक्षेप है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (र्इ) 2020 ने शिक्षा सुधार की दिशा स्पष्ट कर दी थी। नीति ने संस्थागत स्वायत्तता, बहु-विषयक शिक्षा, शोध-आधारित सीख और 'लाइट बट टाइट रेगुलेशन' की अवधारणा को वेंद्र में रखा। लेकिन पिछले वर्षो का अनुभव यह भी बताता है कि केवल नीतिगत घोषणाओं से व्यवस्था नहीं बदलती। जब तक नीति को लागू करने के लिए स्पष्ट, बाध्यकारी और सक्षम वैधानिक ढांचा न हो, तब तक सुधार फाइलों और सम्मेलनों से आगे नहीं बढ़ पाते। विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक इसी नीति-कानून की खाई को पाटने का प्रयास है। आज उच्च शिक्षा का नियामक ढांचा कईं संस्थाओं यथा यूजीसी, एआईंसीटीईं, एनसीटीईं आदि के बीच बंटा हुआ है। समय के साथ यह बहु-नियामक व्यवस्था जटिल, धीमी और बोझिल बन गईं है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को पाठ्व्राम, नए कार्यव्राम या अकादमिक नवाचार हेतु अनेक स्तरों पर स्वीवृति लेनी पड़ती है। परिणामस्वरूप संस्थान गुणवत्ता सुधार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के बजाय अनुपालन और कागजी औपचारिकताओं में उलझे रहते हैं। यही कारण है कि प्रतिभासंपन्न होने के बावजूद भारतीय उच्च शिक्षा अपेक्षित वैश्विक स्थान हासिल नहीं कर पाईं है। प्रस्तावित विधेयक का मुख्य उद्देश्य इसी संरचनात्मक समस्या को दूर करना है। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए एकीवृत अधीक्षण प्राधिकरण की परिकल्पना की गईं है, जिसमें मौजूदा नियामक संस्थाओं का समावेशन होगा। साथ ही

नियमन, मानक निर्धारण, मान्यता एवं वित्तपोषण जैसे कार्यो को स्पष्ट रूप से अलग रखने की व्यवस्था की गईं है, ताकि हितों के टकराव से बचा जा सके। अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि इस प्रकार की भूमिका-विभाजन व्यवस्था से शासन अधिक पारदशा, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनता है। इस विधेयक का महत्व केवल प्रशासनिक सरलीकरण तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक लाभ उच्च शिक्षा संस्थानों को मिलने वाली स्वायत्तता में निहित है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालयों को अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। वे अपने पाठाम स्थानीय आवश्यकताओं, उद्योग जगत की मांग और वैश्विक मानकों के अनुरूप गढ़ सवेंगे। बहु-विषयक शिक्षा, उद्योग-अकादमिक सहयोग और शोध आधारित शिक्षण को इससे वास्तविक गति मिल सकती है। दीर्घकाल में सरकार का यह कदम भारत में विश्व-स्तरीय विश्वविद्यालयों और समाजोपयोगी शोध पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रख सकता है। अतः इस विधेयक का न लाया जाना उच्च शिक्षा में यथास्थिति को बनाए रखेगा, नीति- दृष्टि और संस्थागत वास्तविकता के मध्य अंतर को बढ़ाएगा तथा भारत के वैश्विक ज्ञान और नवाचार वेंद्र बनने की दिशा में बाधक होगा, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के विपरीत होगा। फिर भी, इस विधेयक को लेकर वुछ आशंकाओं को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सबसे प्रमुख चिता अत्यधिक वेंद्रीकरण की है। भारत का संघीय ढांचा यह अपेक्षा करता है कि शिक्षा जैसे विषय में राज्यों की भूमिका और क्षेत्रीय विविधताओं का सम्मान हो। यदि नया नियामक ढांचा जरूरत से ज्यादा वेंद्रीवृत हुआ तो स्थानीय आवश्यकताओं और नवाचार की संभावनाओं पर प्रतिवूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरित्त बदलाव के प्रारंभिक चरण में उत्पन्न प्रशासनिक भ्रम, परिवर्तनकालीन अस्थिरता, छोटे और संसाधन-वंचित संस्थानों पर बढ़ता अनुपालन दबाव भी चुनौती बन सकता है। इसी कारण इस विधेयक के ायिान्वयन में संतुलन और संवेदनशीलता आवश्यक है। राज्यों की स्व्रिय भागीदारी, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की निर्णायक भूमिका तथा चरणबद्ध सुधार इसकी सफलता की वुंजी होंगे। साथ ही कमजोर संस्थानों के लिए क्षमताविकास, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता की ठोस व्यवस्था करनी होगी, ताकि सुधार का लाभ केवल चुनिंदा या पहले से ही मजबूत संस्थानों तक सीमित न रह जाए। वुल मिलाकर, विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बाद उच्च शिक्षा सुधार की दिशा में एक निर्णायक पड़ाव सिद्ध हो सकता है। यदि इसे पारदशा, समावेशी और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ लागू किया गया, तो यह न केवल शिक्षा प्रशासन को सरल और प्रभावी बनाएगा, बल्कि ज्ञान, शोध और नवाचार के बल पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ठोस आधार भी प्रदान करेगा। वर्ष 1991 में जब देश ने आर्थिक सुधारों की राह चुनी थी, तब बड़े पैमाने पर पुराने नियमों और ढीली-ढाली व्यवस्थाओं को ध्वस्त कर नईं व्यवस्थाएं बनाईं गईं थी। आज शिक्षा क्षेत्र में उसी कदम की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निहित दूरगामी सुधारों का लाभ राष्ट्र को मिल सके, इस हेतु सिर्प नीतियाँ ही काफी नहीं, बल्कि 'विकसित भारत शिक्षा अधिनियम' जैसी निर्णायक और प्रभावी व्यवस्था की जरूरत है। भारतीय शिक्षा की दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वास्तविक वृद्धि हेतु आवश्यक है कि पुरानी बाधाओं, जड़ हो चुके संस्थागत ढाँचों एवं अप्रासंगिक नियमों को साहसपूर्वक समाप्त किया जाए। अब समय है कि नीतिगत एवं व्यावहारिक स्तर पर चिंतन की दिशा बदली जाए तथा ठोस कार्रवाईं की जाए अन्यथा भावी पीढ़ियों के साथ न्याय नहीं हो सकेगा।

आप का नज़रिया

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब "अजेय किले" माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर "सुशासन", "भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन" और "विकास बनाम वैचारिक जड़ता" जैसे नैरेटिव के ज़रिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को "राजनीतिक परिपक्वता" और "सांप्रदायिक सौहार्द" का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के ज़रिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब "छोटे चुनाव" नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा।

राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब "अजेय किले" माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है। इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है।

दृष्टि कोण

ट्रांसजेंडर की पहचान और अधिकार: समानता की राह में जरूरी सवाल

भारतीय समाज विविधताओं से भरा हुआ है लेकिन इस विविधता के बीच कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जिन्हें लंबे समय से उपेक्षा, भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा है। ट्रांसजेंडर समुदाय उन्हीं में से एक है। यद्यपि सुप्रीम कोर्ट और संविधान ने इस समुदाय को समान गरिमा और अधिकार दिए हैं, फिर भी व्यवहारिक जीवन में इन अधिकारों के क्रियान्यवन में कई बाधाएं नजर आती हैं। हाल ही में राजस्थान में रोडवेज बस टिकट श्रेणी को लेकर उठा एक विवाद इसी विफलता की ओर संकेत करता है। 11 दिसंबर को जयपुर से जोधपुर जा रही राजस्थान रोडवेज बस में यात्रा कर रहीं ट्रांसजेंडर वकील रवीना सिंह को टिकट बनवाते समय यह महसूस हुआ कि इलेक्ट्रॉनिक टिकट मशीन में केवल दो विकल्प "पुरुष" और "महिला" उपलब्ध हैं। उनकी पहचान इनमें से किसी के अंतर्गत नहीं आती, इसलिए उन्होंने आपत्ति जताई। उनका सवाल सीधा था—"जब मेरी अपनी लैंगिक पहचान है, तो टिकट में मुझे क्यों महिला या पुरुष के रूप में चिन्हित किया जाए?" ट्रांसजेंडर के लिए कोई अलग विकल्प मशीन में नहीं था। कंडक्टर का जवाब सिस्टम आधारित था—मशीन में जैसा विकल्प है, वैसा ही टिकट दिया जा सकता है। लेकिन यह प्रशासनिक तर्क उस सामाजिक वास्तविकता को नहीं समझता जिसमें ट्रांसजेंडर समुदाय वर्षों से अपनी पहचान, सम्मान और समान अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। यह विवाद केवल एक क्षणिक घटना नहीं था बल्कि यह हमारे समाज और सरकारी व्यवस्थाओं में मौजूद उन गहरी खामियों को उजागर करता है जो लैंगिक विविधता को अब भी स्वीकार करने में पीछे हैं। बस टिकट जैसी बुनियादी सुविधा में भी यदि "पुरुष" और "महिला" के अलावा कोई विकल्प नहीं मिलता, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ट्रांसजेंडर की पहचान का सम्मान कहां है? सरकारी फॉर्म, पहचान पत्र, अस्पताल रजिस्टर, नौकरी आवेदन—कई स्थान आज भी ऐसे हैं जहां तीसरे लिंग के लिए जगह मौजूद नहीं है। इस मामले ने यह भी

दिखाया कि पहचान का सवाल किसी भी व्यक्ति के लिए कितना मूलभूत और संवेदनशील होता है। यह विवाद राजस्थान में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों और पहचान से जुड़ी स्पष्टता की कमी को भी उजागर करता है। हालांकि भारतीय रेल जैसी अन्य सरकारी सेवाओं में ट्रांसजेंडर के लिए अलग तीसरा जेंडर विकल्प पहले से मौजूद है, लेकिन राजस्थान रोडवेज में अभाव है। भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय लंबे समय से सामाजिक उपेक्षा और संवैधानिक अधिकारों के बीच फंसा हुआ है। 2014 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक नालसा निर्णय ने ट्रांसजेंडर को स्वतंत्र तीसरे लिंग के रूप में मान्यता दी और कहा कि—"लैंगिक पहचान व्यक्ति की आत्म-पहचान का मूल अधिकार है। इसे सम्मान देना राज्य का अनिवार्य कर्तव्य है।" इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि किसी व्यक्ति का लिंग उसके जन्म प्रमाण या सामाजिक अपेक्षाओं से तय नहीं होता, बल्कि उसकी आंतरिक पहचान से निर्धारित होता है। इसके बाद भारत सरकार ने 2019 में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम पारित किया। यह अधिनियमः ट्रांसजेंडर की स्व-पहचान को मान्यता देता है, भेदभाव पर कानूनी प्रतिबंध लगाता है, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समान अवसर सुनिश्चित करने का आदेश देता है, सरकारी सेवाओं में समावेशी नीतियों की मांग करता है लेकिन वास्तविकता यह है कि— सरकारी फ़ॉर्म, बस–ट्रेन टिकट, शौचालय, स्कूल रजिस्टर, हॉस्पिटल रिकॉर्ड, नौकरी के आवेदन अधिकांश जगह अभी भी "पुरुष" और "महिला" से आगे नहीं बढ़ पाते।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर–परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा । व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है। कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुल–ाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चह–लकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय–मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुल–ाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 दिसंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 05:01 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 08:07 तक
योग : धृति दोपहर 03:04 तक
करण : विष्टि सायं 03:49 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 03:48 तक , गण्डमूल रात्रि 08:07 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सोनिया–राहुल के खिलाफ ईडी के दुरुपयोग के विरोध में

कांग्रेसियों ने किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं ईडी का दुरूपयोग कर विपक्ष के नेताओं को हेरान व परेशान किया गया, कांग्रेस पार्लियामेन्ट्री पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गाँधी व नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गाँधी को ईडी द्वारा भाजपा की केन्द्र सरकार के ईशारे पर राजनैतिक दुर्भावना और प्रतिशोध के आधार पर लम्बी पूछताछ एवं झूठे आरोप लगाकर लम्बे समय तक परेशान किया गया, जिसके विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की राजधानी जयपुर में भाजपा मुख्यालय का घेराव करने हेतु पैदल मार्च निकाल जबरदस्त विरोध–प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी दी। प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि जबसे केन्द्र में मोदी सरकार बनी है संवैधानिक संस्थाओं को दुरूपयोग विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिये किया जा रहा है जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरूद्ध है। मोदी सरकार के ईशारे पर भाजपा नेता सुब्रह्मणयम स्वामी की तथ्यहीन शिकायत पर ईडी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गाँधी एवं राहुल गाँधी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए उन्हें पूछताछ के नाम पर लम्बे समय तक बेवजह परेशान किया और इस प्रकरण

को लेकर झूठे तथ्यों के आधार पर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस व कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर झूठे आरोप लगाकर अपनी राजनीति की। डोटासरा ने बताया कि नेशनल हैराल्ड प्रकरण में न्यायालय द्वारा ईडी द्वारा प्रस्तुत आरोप पत्र पर प्रसंज्ञान लेना भी उचित नहीं समझा, जो दर्शाता है कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने मात्र राजनीतिक विद्वेष के आधार पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग किया है। वर्ष 1937 में पं. जवाहरलाल नेहरू ने आजादी की लड़ाई में देश की आवाज ब्रिटिश हुकुमत के विरूद्ध उठाने हेतु नेशनल हैराल्ड समाचार पत्र प्रारम्भ किया था। इस हेतु एसोसिएट जरनल लिमिटेड एजेएल कम्पनी की स्थापना 1937–38 में की गई थी, इस कम्पनी से किसी भी व्यक्ति को कोई लाभ अथवा किसी प्रकार का लाभांश प्राप्त नहीं हो सकता था। यह कम्पनी केवल जन सरोकार के लिये चलती थी। कालान्तर में जब इस कम्पनी के पास अपने कर्मचारियों को तनख्वाह देने, उनके रिटार्यमेंट की राशि देने के लिये संसाधन नहीं रहे तो कांग्रेस पार्टी ने ऐतिहासिक अखबार का प्रकाशन जारी रहे इस हेतु 90 करोड़ की राशि उधार दी थी।

भरतपुर में कांग्रेस का तीखा विरोध, पुतला दहन कर केंद्र सरकार पर निशाना

भरतपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भाजपा की केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में बिजलीघर चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले की शव यात्रा निकाल कर पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि राजनैतिक द्वेष के चलते भाजपा की केंद्र सरकार ईडी सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर अन्य पार्टियों को परेशान कर रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राजनैतिक द्वेष के चलते कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले में झूठी एफ आई आर दर्ज कराई। ईडी, सीबीआई, आई टी सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया।

माननीय न्यायालय ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले की एफ आई आर को भी गलत मानते हुए रद्द कर दिया। जिसे लेकर आज कांग्रेसियों ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पौष दशमी पर जैन श्रद्धालुओं ने किए राजस्थान के प्रमुख तीर्थों के दर्शन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि पौष दशमी के पावन अवसर पर पारस तातेड, हीरालाल राव, श्रीमती मंजु सेठ–अनिल सेठ, श्रीमती पुष्पाबेन जैन रत्न रमेशजी पी. तातेड (सिकंदराबाद) ने राजस्थान राज्य के सिरोही जिले सहित विभिन्न पवित्र जैन तीर्थ स्थलों का श्रद्धा–पूर्वक दर्शन लाभ लिया।

इस धार्मिक यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने सिरोही जिले में स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री अजीतनाथजी 52 जिनालय, विजयपताका तर्थि पार्श्वनाथ भगवान। गोइली में श्री गोड़ीजी पार्श्वनाथ भगवान, शांतिनगर में श्रीअजीतनाथ भगवान, सिरोही पावापुरी तीर्थ में श्री संकेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन किए।

इसके अतिरिक्त मीरपुर में 108 श्री हमीरपुरा पार्श्वनाथ जैन तीर्थ, जहाज मंदिर में श्री शांतिनाथ भगवान तथा वाडोली राजराजेन्द्र धाम में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री राजेंद्र गुरु के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने सेवा, पूजा और भक्ति भाव अर्पित की।जैन रत्न रमेश पी. तातेड के अनुसार, इस पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ जिनेंद्र भगवान की आराधना की। यह तीर्थ यात्रा आध्यात्मिक शांति और धार्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुई।

भाजपा की झूठी राजनीति को करारा झटका, नेशनल हेराल्ड केस में सत्य की जीत : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पंचकूला, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है। इस फैसले को कांग्रेस ने अपनी बड़ी जीत करार देते हुए इसे सत्य की विजय बताया है। पार्टी नेताओं ने इसे भाजपा की राजनीतिक बदनीयत का पर्दाफाश करार दिया और केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया। इसी प्रकरण के चलते हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय का घेराव किया, और प्रदर्शन कर जमकर भाजपा

के खिलाफ नारेबाजी की एवं प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मामला निजी शिकायत पर आधारित है और मूल अपराध (प्रेडिकेट ऑफेंस) की एफआईआर दर्ज नहीं होने के कारण ईडी की शिकायत पर आगे कार्रवाई नहीं की जा सकती। इससे सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं को तत्काल राहत मिली है। उन्होंने ने इसे मोदी सरकार की कथित साजिश की नाकामी बताया। राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि बिना नींव के झूठ की इमारत खड़ी करने की भाजपा की कोशिश नाकाम हुई। ना कोई लेनदेन हुआ ना मनी लांड्रिंग, कंपनी का ऋण हस्तांतरित करना किस अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा पूरा मामला राजनैतिक प्रतिशोध से प्रेरित था। माननीय अदालत की फैसले ने यह साबित कर दिया कि असत्य के पर सत्य की जीत निश्चित है, भले ही देर हो जाए।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, एजेंसी का दुरुपयोग कर कांग्रेस की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

नवजात बीमार बच्चों को चिकित्सा सुविधाओं से महरूम नहीं रहने दिया जाएगा : आरती सिंह

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि गरीब परिवारों के नवजात बीमार बच्चों को चिकित्सा सुविधाओं से महरूम नहीं रहने दिया जाएगा , प्रदेश सरकार राज्य के प्रत्येक बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक स्वस्थ रखने के लिए प्रयासरत है। आज पीजीआईएमएस रोहतक के पीडियाट्रिक विभाग में 28 बेड की नियोनेटल आईसीयू की शुरुआत हो गई है। इससे गरीब तबके को विशेष लाभ होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अक्सर देखने में आता था कि जिन बच्चों का पीजीआईएमएस से बाहर जन्म होता है और किसी बीमारी के कारण उन्हें आईसीयू की जरूरत पड़ती थी तो यहां पर आईसीयू न होने के कारण नवजात शिशुओं और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पडता था। काफी वर्षों से रोहतक पीजीआईएमएस में बाहरी नवजात शिशुओं के लिए आईसीयू की कमी महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि पीजीआईएमएस में पूरे प्रदेश से मरीज आते हैं ऐसे में गरीब मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस आईसीयू तैयार करवाया गया है। आज यह आईसीयू गंभीर नवजात शिशुओं की सेवा के लिए सौंप दिया गया हैं।

गुंडा तत्वों पर कार्रवाई करने में भाजपा सरकार विफल : चौटाला

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने एक बार फिर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। दुष्यंत चौटाला ने एक ट्वीट के जरिए रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में बुधवार को हुए झगड़े की वीडियो शेयर करते हुए प्रदेश सरकार से पूछा कि क्या ये है प्रदेश की कानून व्यवस्था ? उन्होंने कहा कि हमला करने के इरादे से आए बदमाश यूनिवर्सिटी में बुलेटप्रूफ गाड़ी लेकर घुसे हैं, इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी क्या जवाब देंगे ? दुष्यंत चौटाला ने आगे कहा कि अगर सरकार को कार्रवाई करनी है तो पहले बुलेटप्रूफ गाड़ियां लेकर चलने वाले गुंडा तत्वों पर कार्रवाई करें। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था किसी से छुपी हुई नहीं है। उन्होंने कहा कि आए दिन हो रही लूट, डकैती, हत्या अपहरण जैसी वारदातों से दहल रहे हरियाणा में अब शिक्षा के मंदिर तक सुरक्षित नहीं है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि एमडीयू में दिनदहाड़े पथराव और लाठियां चली, यहां तक कि एक बुलेटप्रूफ गाड़ी ने युवकों को टक्कर मारी है।

उन्होंने कहा कि इन गुंडा तत्वों को वहां रोकने वाला कोई नहीं है। दुष्यंत ने कहा कि ये खौफनाक दृश्य दर्शाते है कि प्रदेश में कानून नाम की कोई चीज नहीं है और आज गुंडा तत्वों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है।

जनसेवा शासन की मूल भावना, हर शिकायत का सम्मानपूर्वक समाधान सुनिश्चित हो : सैनी

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनसेवा को शासन की मूल भावना बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयों में शिकायत लेकर आने वाला हर नागरिक सम्मान और संतोष के साथ लौटे। जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील निवारण करना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी है, जिसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर निभाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री बुधवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 16 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 12 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों

को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निवारण के उद्देश्य से जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन समाधान शिविरों में अब तक कुल 40 हजार शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 30 हजार शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास सीधे तौर पर प्राप्त हुई 1 लाख 42 हजार शिकायतों में से 1 लाख 35 हजार शिकायतों का निवारण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पोर्टल पर भी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में वहां केवल वही शिकायतें लंबित हैं, जो न्यायालय से संबंधित हैं या जिनमें पारिवारिक विवाद शामिल हैं, जिनका समाधान कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाना आवश्यक है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पटौदी क्षेत्र के छिल्लरकी एक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जटौली मंडी पैक्स के मैनेजर के खिलाफ जांच के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता ने बताया कि मैनेजर की कार्यशैली के कारण किसानों को खाद प्राप्त करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा किसानों के साथ उसका व्यवहार भी संतो–षजनक नहीं है। इसके अलावा खाद वितरण में मनमानी किए जाने के आरोप भी लगाए गए।

78 वर्ष से पीएसी का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग और समर्पण से भरा रहा : योगी

लखनऊ,17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 78 वर्ष से पीएसी बल का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का रहा है। उन्होंने जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही आपकी पहचान बननी चाहिए। सरकार आश्वस्त करती है कि आपके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा-संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी। उन्होंने कहा कि यूपी के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है। कानून का राज सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है। सुशासन में ही निवेश सुरक्षित हो सकता है और सुरक्षित निवेश ही युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपीपीएसी के स्थापना दिवस समारोह-2025 का शुभारंभ किया। सीएम ने पीएसी द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। उन्होंने 78 वर्ष के गौरवशाली इतिहास के लिए पीएसी बल को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व 'चुनाव' को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्च पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

सीएम योगी ने पीएसी बल के अदम्य साहस की चर्चा की। उन्होंने बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम

जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पीएसी की 46 कंपनियों को पुनर्जीवित करते हुए यूपी के अंदर बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखा और आंतरिक सुरक्षा के माध्यम से यूपी की बेहतर छवि को देश के सामने प्रस्तुत करने में सफलता हासिल की। संख्या, क्षमता, प्रशिक्षण और तकनीक के स्तर पर पीएसी को सशक्त बनाने का कार्य निरंतर जारी है। अत्याधुनिक हथियारों व दंगा नियंत्रण उपकरणों से सुसज्जित करते हुए पीएसी को एसएलआर, इंसास राइफल, मल्टीसेल लांचर, एंटी-राइड गन, टियर गैस गन समेत अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण भी प्रदान किए गए।

सीएम योगी ने कहा कि पीएसी कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता में सुधार के लिए पूर्व में प्रशिक्षित पाठ्यक्रम को अपडेट करते हुए एबीसी आदि ग्रेड सुनिश्चित कर उन्हें बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार ने पीएसी में 41,893 आरक्षियों व 698 प्लाटून कमांडर की भर्ती की। सीधी भर्ती के अंतर्गत प्लाटून कमांडर के पद पर 1648 तथा आरक्षी के पद पर 15131 अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित है। इसमें 135 प्लाटून कमांडर की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है। शीघ्र ही यह भर्ती भी संपन्न होगी। सेवा के दौरान दिवंगत जवानों के 396 आश्रितों को आरक्षी व 58 आश्रितों को प्लाटून कमांडर के पद पर सेवायोजन प्रदान किया गया। आरक्षी पद हेतु 28 अभ्यर्थियों व प्लाटून कमांडर पर 7 अभ्यर्थियों के सेवायोजन की कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। पीएसी में पदोन्नति के और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सशस्त्र पुलिस में 184 निरीक्षकों, 3772 उपनिरीक्षकों के पदों में वृद्धि की गई है। विभागीय प्रोन्नति के अंतर्गत 426 उप निरीक्षक, 4042 मुख्य आरक्षी तथा 13313 आरक्षियों को पदोन्नति दी गई। 352 मुख्य आरक्षी, 1015 आरक्षियों की पदोन्नति कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है।सीएम योगी ने कहा कि पुलिस कल्याण योजना के अंतर्गत 31 पुलिस मॉडर्न स्कूल संचालित हैं। पीएसी स्थापना दिवस के अवसर पर पहली बार पुलिस मॉडर्न स्कूलों में भी बेस्ट परफॉर्मेंस (पीएमएस) का चयन किया गया है। पीएसी के जवानों को बाजार से कम दाम पर सामान्य आवश्यकता की वस्तुएं प्राप्त हो सकें, इसके लिए 13 मास्टर कैंटीन व 103 सब्सिडियरी कैंटीन संचालित हैं। पीएसी की 31 वाहिनी में 202 जवानों की आवासीय व्यवस्था के लिए जी प्लस 11, बहुमंजिला बैरकों के निर्माण का कार्य तेजी से बढ़ाया गया है। इसमें से 18 वाहिनियों में कार्य पूर्ण हो चुका है और 13 में निर्माण कार्य प्रगति पर है। पीएसी वाहिनियों में पूर्व निर्मित आवासों की वार्षिक व विशेष मरम्मत के लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत की गई है।

सीएम योगी ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए यूपी में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की छह कंपनियों में 18 टीमें प्रदेश को सेवाएं प्रदान कर रही हैं। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश पुलिस को बढ़ावा देने के लिए दो प्रतिशत पद कुशल खिलाड़ियों की भर्ती के लिए आरक्षित किए गए हैं। पहली बार 480 कुशल खिलाड़ियों की भर्ती हमारी सरकार द्वारा संपन्न की जा चुकी है। 768 पदों पर अधियाचन व भर्ती प्रक्रिया प्रचलित है।

सीएम योगी ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस 2024 पर खेल के बजट को 70 लाख से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए किया गया है। 2025 में प्रदेश पुलिस की टीम की ओर से विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हुए खिलाड़ियों द्वारा 14 स्वर्ण पदक, दो रजत व तीन कांस्य पदक अर्जित किए गए। विभिन्न राष्ट्रीय व अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों द्वारा 94 स्वर्ण, 70 रजत व 111 कांस्य पदक अर्जित किए गए।

उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा व सुशासन का बेहतर माहौल है और सरकार की अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। विगत 8 वर्ष में यूपी पुलिस बल में 2.19 लाख कार्मिकों की भर्ती की गई। इसमें 20 फीसदी महिलाओं का आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। यूपी पुलिस बल में 44 हजार से अधिक महिला पुलिस कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रही हैं। पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता में कई गुना वृद्धि हुई है। टूटे खपरैल वाले भवन के स्थान पर हाईराइज भवन यूपी की अवस्थापना सुविधा के नए उदाहरण बने हैं। 7 जनपदों में कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया गया। मॉडर्न पुलिसिंग, साइबर थाना व साइबर सेल यूपी पुलिस की पहचान बनी है। फॉरेंसिक साइंस ईकोसिस्टम लखनऊ में यूपी फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना के साथ ही इंस्टीट्यूट ने देश में भी अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में पहचान बनाई है। प्रदेश में अत्याधुनिक 12 एफएसएल लैब बनकर तैयार हैं। छह नए प्रचलित हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में अजय राय का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, बदले की राजनीति का लगाया गंभीर आरोप

लखनऊ,17 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की चार्जशीट को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर जानबूझकर बदले की राजनीति के तहत राहुल गांधी को झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया और इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर तमाम कांग्रेस नेता सरकार पर जानबूझकर बदलने की राजनीति करने का गंभीर आरोप लगा रहे हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कोर्ट द्वारा एनआईए के चार्जशीट को खारिज करने के बाद बुधवार को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय का घेराव करने की

कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर पहले ही रोक दिया। अजय राय ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमने कहा था कि हम गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे। लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ने हमें नोटिस दिया और जानबूझकर केवल परेशान करने के लिए हमारे नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रताड़ित किया है। भाजपा सरकार ने ईडी द्वारा जानबूझकर अपमानित करने का काम किया, जिसको न्यायालय ने पूरी तरीके से खारिज किया।

उन्होंने कहा, हम बदलेपुर राजनीति के खिलाफ चुपचाप तरीके से भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे हैं। इस दौरान प्रशासन द्वारा बैरिकेड लगाकर हमें रोका जा रहा है। ऐसा करके हमारा पूरी तरह से अपमान किया गया है। हम सभी सड़क पर उतरकर इसका विरोध कर रहे हैं और सड़क पर इसके खिलाफ धरना दे रहे हैं। अगर इसके लिए हमें जेल जाना होगा, तो उसके लिए भी हम तैयार हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, मोदी सरकार की बदनीयत और गैरकानूनी ईडी कार्रवाई के विरोध में आज लखनऊ में भाजपा मुख्यालय के घेराव के दौरान हम कांग्रेसजनों को इको गार्डन ले जाकर गिरफ्तार किया गया। अदालत ने यंग इंडियन मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को अवैध करार दिया है। सत्य की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। कांग्रेस डरेगी नहीं, झुकेगी नहीं।

संजय निषाद ने अपने बयान पर मांगी माफी

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से मंच पर मुस्लिम महिला का बुर्का हटाने वाले विवाद पर यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने अपने बयान पर माफी मांगी है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने कहा, मेरे शब्दों से अगर किसी को ठेस पहुंची हो तो मैं वापस लेता हूं। मैंने हंसते हुए सहज भाव से अपनी स्थानीय भोजपुरी बोली में कहा था। किसी महिला, समुदाय, या धर्म के प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। कुछ लोग जानबूझकर एजेंडे के तहत इसे फैला रहे हैं। उनसे कहूंगा वैसा काम ना करें जिससे समाज में तनाव फैले। बता दें कि इससे पहले संजय निषाद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो भी तो आदमी ही हैं। नकाब छू लिया तो इतना पीछे नहीं पड़ जाना चाहिए। वहीं इस पूरे मामले पर समाजवादी पार्टी की नेता व प्रवक्ता सुमैया राणा ने नीतीश कुमार और संजय निषाद के खिलाफ कैसरबाग कोतवाली में शिकायत की है।वहीं, इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। दरअसल, पटना में एक महिला डॉक्टर का हिजाब हटाए जाने से जुड़े मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बचाव किया था।संजय निषाद को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता का कहना था कि ऐसी मानसिकता के लोगों से उत्तर प्रदेश की हर मां-बेटी को बचाना है। ऐसे लोग किसी की भी मां-बहन और बेटी की इज्जत नहीं कर सकते, फिर वो किसी भी धर्म को मानने वाली हों।

योगी सरकार के नेतृत्व में ब्रांड काशी की वैश्विक छलांग 12 साल में 45 करोड़ से ज्यादा सैलानी पहुंचे

वाराणसी,17 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के संतुलन ने 'ब्रांड बनारस' को वैश्विक पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बना दिया है। पर्यटकों की रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ पर्यटन उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी स्पष्ट सकारात्मक असर दिख रहा है। काशी बीते एक दशक में तेजी से बदली है। योगी सरकार के नेतृत्व में हुए संरचनात्मक और सौंदर्यात्मक विकास कार्यों ने शहर के प्राचीन वैभव को नई ऊर्जा दी है। बेहतर कानून व्यवस्था, सड़क-रेल-हवाई कनेक्टिविटी, बुनियादी सुविधाओं में सुधार और विश्वस्तरीय व्यवस्थाओं ने वाराणसी को उभरते वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया है। यहां पर 12 साल में 45 करोड़ से ज्यादा सैलानी पहुंचे। पर्यटन विभाग के अनुसार, वर्ष 2014 से 2025 (सितंबर तक) के 12 वर्षों में कुल 45,44,82,662 भारतीय व विदेशी पर्यटकों ने काशी का भ्रमण किया। वर्ष 2014 में पर्यटकों की संख्या 54,89,997 थी, जो 2025 (सितंबर तक) बढ़कर 14,69,75,155 हो गई। इस अवधि में 2014 की तुलना में 2025 में पर्यटकों की संख्या में 14,64,26,158 से अधिक की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई। इनमें 45,16,09,026 भारतीय और 28,73,636 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। डबल इंजन सरकार में धरातल पर उतरा विकास 2014 में प्रधानमंत्री बनने और 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद डबल इंजन सरकार ने वाराणसी के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी। लंबे समय तक कागजों तक सीमित योजनाएं अब जमीन पर दिख रही हैं, जिससे पर्यटन को नई दिशा मिली है।

यूपी सरकार की डिजिटल क्रांति : गांव में होगी सिविल सर्विसेज की तैयारी, ग्राम पंचायतों में खोली जाएगी डिजिटल लाइब्रेरी

लखनऊ,17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण युवाओं को आधुनिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर देने के लिए सरकार ने बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है, जिससे गांव के छात्र अब शहरों पर निर्भर हुए बिना सिविल सर्विसेज सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। हर डिजिटल लाइब्रेरी पर 4 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

इसमें 2 लाख रुपए की पुस्तकों की व्यवस्था होगी, जबकि 1.30 लाख रुपए के आईटी इक्यूपमेंट और 70 हजार रुपए के आधुनिक फर्नीचर लिए जाएंगे। लाइब्रेरी में ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो कंटेंट, क्विज और करीब 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध रहेगी। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया

कि सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधरेगा और युवा रोजगार के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी का प्रबंधन ग्राम प्रधान और सचिव करेंगे, जबकि सहायक अधिकारी इसकी नियमित देखरेख करेंगे। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 35 जिलों में पुस्तकों का चयन पूरा कर लिया गया है।

राजधानी लखनऊ समेत इन जिलों की ग्राम पंचायतों में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू होंगी। योगी सरकार की यह पहल 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में ग्रामीण प्रतिभाओं को डिजिटल शक्ति देने का मजबूत कदम मानी जा रही है। अमरोहा, आजमगढ़, बांदा, बलिया, बागपत, बदायूं, बरेली, बिजनौर, चित्रकूट, एटा, फतेहपुर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गाजीपुर, हरदोई, हापुड़, जालौन, कानपुर देहात, कन्नौज, कौशाम्बी, कासगंज, लखनऊ, मऊ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, सम्भल, शामली, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, सीतापुर।

माघ मेले में पहली बार स्कैन टू फिक्स तकनीकी का होगा इस्तेमाल

प्रयागराज,17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के संगम किनारे 3 जनवरी से आयोजित होने वाले आस्था के जन समागम माघ मेले में सभी विभाग अपनी तैयारियां पूरी करने में युद्ध स्तर पर लगे हुए हैं। बिजली विभाग 800 हेक्टेयर में फैले इस माघ मेले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने की अपनी तैयारी में लगा है। इसके लिए इस बार विभाग ने कई नव्य प्रयोग किए हैं। त्रिवेणी के तट पर 44 दिनों तक लगातार चलने वाले माघ मेले में संगम की रेत पर तंबुओं का एक अस्थाई शहर बसाने की तैयारी है। तंबुओं के इस शहर का कोना-कोना रोशन रखने के लिए बिजली विभाग ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। बिजली विभाग के अधिशाषी अभियंता (माघ मेला) अशोक कुमार शर्मा बताते हैं कि माघ मेले में इस बार 350 किमी लंबी एलटी की लाइन बिछनी थी, जिसमें 320 किमी बिछ चुकी है। मेले में 7.5 लाख विद्युत कनेक्शन देने के साथ 247 बिजली मिलती रहे, इसके लिए नए प्रयास किए गए हैं। माघ मेले में

विद्युत आपूर्ति से जुड़ी हर समस्या के त्वरित समाधान के लिए पहली बार स्कैन टू फिक्स तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि स्कैन टू फिक्स तकनीकी के अंतर्गत विद्युत विभाग ने माघ मेले में पहली बार हाईटेक 'बारकोड सिस्टम' लागू किया है, जिससे बिजली से जुड़ी हर समस्या का तुरंत समाधान किया जा सकेगा।

अधिशाषी अभियंता (माघ मेला) अशोक कुमार शर्मा का कहना है कि मेला क्षेत्र में लगाए गए हर खंभे, लाइन और कनेक्शन पर विशेष बारकोड लगाए जाएंगे, जिन्हें स्कैन करते ही बिजली कर्मचारी सीधे कंट्रोल रूम से समस्या की जानकारी हासिल कर लेंगे और रिकॉर्ड समय में समाधान करेंगे।

इसका एक पक्ष यह भी है कि श्रद्धालु अपनी लोकेशन पहचान सकेंगे और रास्ता भटकने की स्थिति में परिवार या गंतव्य तक आसानी से पहुंच पाएंगे। मेले की अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी यह व्यवस्था कारगर होगी। क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म भरने से मिली जानकारी से बिजली संबंधी शिकायतों के साथ-साथ पानी की कमी या टूटी सड़कों जैसी समस्याएं भी दर्ज करा सकेंगे। मेला क्षेत्र में 15 हजार से अधिक ऐसे बार कोड लगाए गए हैं। बिजली गुल होने से बचने के लिए 5 रिंग मेन यूनिट लगाई जा रही हैं जो पिछले मेले में 1 थी, इससे 10 सेकंड में गुलबत्ती आ जाएगी।

उन्होंने बताया कि माघ मेला में बिजली व्यवस्था के लिए 32 करोड़ का बजट रखा गया है, जो पिछले माघ मेले से 10 फीसदी अधिक है। माघ मेले में 47 किमी एचटी और 350 किमी एलटी लाइनें बिछाई जाएंगी, साथ ही 25 बड़े और 35 छोटे सबस्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें तीन-लेयर पावर बैकअप सिस्टम होगा।

पूरे माघ मेला क्षेत्र में 25 हजार से अधिक एलईडी लाइट्स लगाई जा रही हैं ताकि माघ मेला का हर कोना रोशन होता रहे। इसके अलावा संगम के घाट और प्रमुख चौराहों पर हाइब्रिड सोलर लाइट लगाई जाएंगी जो पर्यावरण के अनुकूल हैं। आपात स्थिति के लिए डीजी सेट भी रहेंगे।

नोएडा पुलिस ने मोबाइल चोरी व स्नैचिंग गिरोह का किया भंडाफोड़

नोएडा,17 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा के फेस-1 थाने की पुलिस ने मोबाइल चोरी और स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब दो करोड़ रुपए कीमत के 70 मोबाइल फोन, 28 आईपैड, एक टैबलेट, 265 मोबाइल फोन पार्ट्स, एक एप्पल टीवी डिवाइस और वारदात में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अब तक 500 से अधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका है और दिल्ली-एनसीआर समेत कई जिलों में सक्रिय था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से सेक्टर-14 नोएडा क्षेत्र से चार आरोपी फिरोज, फरदीन, सलीम और दानिश को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं और लंबे समय से संगठित तरीके से मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की चोरी और स्नैचिंग की घटनाएं कर रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, मथुरा सहित अन्य जनपदों में भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित करते थे। विशेष रूप से धार्मिक कार्यक्रमों, जनसभाओं और मेलों में वे आम लोगों की तरह शामिल होकर मौके का फायदा उठाते थे। आरोपियों ने बताया कि शक से बचने के लिए वे अपनी पहचान बदल लेते थे और हिंदू नामों का प्रयोग करते थे, ताकि भीड़ में किसी को उन पर संदेह न हो। इसी दौरान वे महंगे और ट्रेंड में चल रहे आईफोन, स्मार्टफोन और टैबलेट चोरी कर लेते थे।चोरी किए गए मोबाइल फोन और उनके पार्ट्स को आरोपी 'ऑन डिमांड' सप्लाई करते थे। बाजार में जिन मॉडलों की ज्यादा मांग होती थी, उन्हीं डिवाइस को निशाना बनाकर वे चोरी करते और फिर अलग-अलग राज्यों में उनके पार्ट्स बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे। पुलिस के अनुसार, बरामद इलेक्ट्रॉनिक सामान की अनुमानित कीमत लगभग दो करोड़ रुपए है।पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, गिरफ्तार चारों अभियुक्तों के खिलाफ दिल्ली और गौतमबुद्धनगर में पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें चोरी, स्नैचिंग और अन्य संगीन धाराओं के मामले शामिल हैं। थाना फेस-1 पुलिस का कहना है कि आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है, जिससे गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और चोरी के नेटवर्क का भी खुलासा होने की संभावना है।

एडिलेड टेस्ट से बाहर हुए स्टीव स्मिथ उस्मान ख्वाजा की टीम में वापसी

एडिलेड, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को वर्टिगो जैसे लक्षणों के कारण तीसरे एशेज टेस्ट से बाहर कर दिया गया। मैच की सुबह स्मिथ को चक्कर और मतली की शिकायत हुई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में आखिरी समय में बदलाव करना पड़ा और उस्मान ख्वाजा की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खेल शुरू होने से कुछ देर पहले पुष्टि की कि स्मिथ पिछले कुछ दिनों से असहज महसूस कर रहे थे। सोमवार को उन्होंने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि अगले दिन नेट्स में लौटे जरूर, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं दिखे। अभ्यास के दौरान उन्हें ग्रोइन पर भी चोट लगी, जिससे उन्हें लंबा ब्रेक लेना पड़ा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से स्टीव स्मिथ को मतली और चक्कर जैसे लक्षण महसूस हो रहे थे। उनकी लगातार निगरानी की गई और वे खेलने के काफी करीब थे, लेकिन लक्षण बने रहने के कारण उन्हें न खिलाने का फैसला लिया गया। उन्हें संभावित वेस्टीब्युलर समस्या के लिए इलाज दिया जा रहा है। यह समस्या उन्हें पहले भी बीच-बीच में होती रही है। उम्मीद है कि वह मेलबर्न में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे।'

टॉस जीतने के बाद कप्तान पैट कमिंस ने स्मिथ के बाहर होने की पुष्टि की। कमिंस, जो पहले दो टेस्ट मिस करने के बाद टीम की कप्तानी में लौटे हैं, ने बताया कि स्मिथ ने सुबह फिटनेस टेस्ट दिया था, लेकिन पूरी तरह तैयार नहीं हो पाए और घर लौट गए।

कमिंस ने कहा, 'स्टीव पिछले कुछ दिनों से ठीक महसूस नहीं कर रहे थे। उन्होंने खेलने की कोशिश की, लेकिन उन्हें लगा कि वह इस मैच के लिए फिट नहीं हो पाएंगे। हमारे लिए अच्छी बात है कि उस्मान ख्वाजा जैसा अनुभवी खिलाड़ी मौजूद है, जो तुरंत टीम में आ सकता है। उस्मान नंबर चार पर बल्लेबाज़ी करेंगे।'

इस तरह, स्टीव स्मिथ की अनुपस्थिति में उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

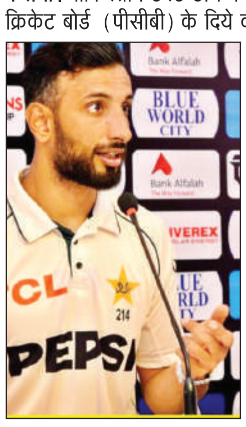

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीसी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे। पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली। राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

नीलामी में 8.40 करोड़ रुपये में बिके जम्मू-कश्मीरी के आकिब के घर जश्न का माहौल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी डार को अबूधाबी में हुई आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा है। 29 साल के नबी को इतने साल धैर्य रखने का फल मिला है। डार को खरीदे जाने से बारामूला में जश्न का माहौल है। उनके घर और परिवार पर बधाई देने वालों की भीड़ है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके उन्हें बधाई दी है। नबी ने घरेलू सत्र में पिछले दो सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका परिणाम अब सामने आया है। दलीप ट्रॉफी में ली गयी हैट्रिक से भी उन्हें लाभ मिला है। इससे सभी का ध्यान उनकी ओर गया। घाटी से राष्ट्रीय टीम में पहुंचने वाले पूर्व क्रिकेटर परवेज रसूल ने उनकी क्षमताओं को शुरुआत में ही पहचान लिया था। रसूल ने कहा, 'वह बेहद शांत दिमाग वाला खिलाड़ी है। जब वह जम्मू कश्मीर की टीम में आया, तभी से उसमें खेल की समझ थी, जो सिखाई नहीं जा सकती।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल के लिए चार खिलाड़ी खरीदकर 25 सदस्यीय टीम को दिया अंतिम रूप

कूपर कॉनॉली के शामिल होने पर कप्तान अय्यर ने कहा-वह ऑलराउंड भूमिका के लिए बिल्कुल फिट

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने टाटा आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में चार अहम खिलाड़ियों को खरीदते हुए अपनी 25 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दे दिया है। इस नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस टीम की सबसे महंगी खरीद साबित हुए। पंजाब किंग्स ने नीलामी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली से की, जिन्हें 3 करोड़ रुपये में खरीदा गया। मिडिल ऑर्डर में लचीलापन देने वाले कॉनॉली एक उभरते हुए खिलाड़ी हैं और इसके साथ ही वह स्लो लेफ्ट आर्म स्पिन का भी उपयोगी विकल्प प्रदान करते हैं। कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच पर कप्तान श्रेयस अय्यर, जो ऑस्ट्रेलिया में उनके खिलाफ खेल चुके हैं, ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो शुरुआत में वह हमारी योजना में नहीं थे, लेकिन जब हमने मंथन किया और विकल्पों को सीमित किया, तो हमें लगा कि वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव बेहतरीन है और वह मैच फिनिश करने की क्षमता रखते हैं। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में ये गुण बेहद अहम होते हैं। हमें नहीं लगा था कि वह 3 करोड़ में मिल जाएंगे, हमने उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा आंकी थी।' नीलामी में पीबीकेएस की सबसे बड़ी बोली इसके बाद देखने को मिली, जब टीम ने ऑस्ट्रेलियाई लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस को 4.40 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। ड्वार्शुइस न सिर्फ गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे, बल्कि निचले क्रम में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी डेथ ओवर्स में टीम के लिए अहम साबित हो सकती है। इसके अलावा प्रवीण दुबे की पंजाब किंग्स में वापसी हुई, जिन्हें उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा गया। दुबे टीम को भारतीय स्पिन विकल्प के रूप में मजबूती देंगे और युजवेंद्र चहल तथा हरप्रीत बराड़ की जोड़ी को सपोर्ट करेंगे। वहीं, घरेलू प्रतिभा को और मजबूत करते हुए युवा खिलाड़ी विशाल निषाद को भी 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया गया। पीबीकेएस नीलामी में 11.5 करोड़ रुपये की राशि के साथ उतरी थी, जिसमें से टीम ने कुल 8 करोड़ रुपये खर्च करते हुए दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को अपने स्क्वाड में शामिल किया।

आईपीएल से करोड़पति बने मध्यप्रदेश के मंगेश यादव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से उभरते हुए क्रिकेटरों की किस्मत कितनी तेजी से बदलती है। इसका उदाहरण मध्यप्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले लेफ्ट आर्म पेस ऑलरांउडर मंगेश यादव को देखकर लगाया जा सकता है। दो दिन पहले ही घरेलू क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मंगेश को मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 5.20 करोड़ रुपये में खरीदा। मंगेश पर बेस प्राइस से साढ़े 17 गुना ज्यादा की बोली लग गई। मंगेश अपने पेशेवर डेब्यू के कुछ ही घंटों के बाद करोड़पति बन गए। यहां तक कि दूसरा मुकाबला उन्होंने आईपीएल 2026 के नीलामी वाले दिन खेला था। 23 साल के मंगेश यादव मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। 14 दिसंबर को वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के जरिए अपना पेशेवर डेब्यू करने में सफल रहे। उस मैच में पंजाब के खिलाफ मंगेश ने 12 गेंदों में 28 रन बनाये और गेंदबाजी में 3 ओवर में 38 रन देकर दो विकेट भी लिए। वहीं नीलामी वाले दिन वे झारखंड के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरे, जो लगातार मुकाबले जीतती आ रही थी। उस मैच में भी एक रन से झारखंड को जीत मिली। इस मैच में 4 ओवर में 47 रन दिए और एक विकेट हासिल किया। इस क्रिकेटर केके अंडर 23 क्रिकेट के 8 मैचों में 18 विकेट लिए थे, जिनमें इकॉनमी रेट उनका 6 से कम का था और औसत 23.44 का था। एमपीटी20 लीग में भी उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की थी। मंगेश यादव ने ग्वालियर में आयोजित एमपीटी20 लीग 2025 में ग्वालियर की टीम के लिए खेलते हुए 6 मैचों में 14 विकेट लिए थे। इसी को देखते हुए आरसीबी ने उन्हें इतनी मोटी रकम दी है।

मुरादाबाद के क्रिकेटर शिवांग कुमार को आईपीएल के लिए सनराइज हैदराबाद ने 30 लाख रुपये में खरीदा

मुरादाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी युवा क्रिकेटर शिवांग कुमार को आईपीएल के लिए सनराइज हैदराबाद में 30 लाख रुपए में खरीदा है। मुरादाबाद की मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट की बारीकियां सिखाने वाले शिवांग का सपना भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल होने का है। शिवांग को आईपीएल में खेलने का मौका मिलने पर उनके परिवारजनों, साथी क्रिकेटर और शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

मुरादाबाद महानगर के चंद्र नगर कॉलोनी निवासी शिवांग के पिता रेलवे में प्रवीण कुमार रेलवे में सीआईडी हैं। वही उनकी मम्मी शिक्षा विभाग में टीचर हैं। शिवांग मध्य प्रदेश की ओर से खेलते हैं।

मेंटर मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि शिवांग कुमार अंडर 16, अंडर 19, अंडर 30 क्रिकेट टीम और सैयद मुश्ताक ट्रॉफी में खेल चुके हैं। मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी के डायरेक्टर साउद आलम ने भी शिवांग कुमार को आईपीएल में सनराइज हैदराबाद द्वारा खरीदे जाने पर हर्ष व्यक्त किया है।

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई। साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण है कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। य पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही हैं। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा। पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है। ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकना बहुत ज्यादा कठिन होगा।

पेट दर्द के कारण यशस्वी को अस्पताल में भर्ती कराया गया

पुणे। भारतीय टी20 टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बीमार होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पुणे में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद जायसवाल को पेट में तेज दर्द हुआ जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा जहां डॉक्टरों ने उन्हें गैस्ट्रोएंटेराइटिस से पीड़ित बताया। जायसवाल को अस्पताल में आईवी दवा दी गई और उनका अल्ट्रासाउंड व सीटी स्कैन किया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें दवा जारी रखने को कहा। गौरतलब है कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में यशस्वी ने तीन मैचों में 48.33 की औसत और 168.6 के स्ट्राइक रेट से कुल 145 रन बनाए हैं। घरेलू टी20 टूर्नामेंट से पहले यशस्वी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 78 की शानदार औसत से 156 रन बनाए थे।

लखनऊ : इकाना में दुबे-नॉर्टजे बोले, जीत पर फोकस

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज़ के चौथे मुकाबले से पहले इकाना स्टेडियम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे और दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ एनरिक नॉर्टजे ने मीडिया से बातचीत की। दोनों खिलाड़ियों ने टीम की तैयारियों, मौजूदा फॉर्म और रणनीति को लेकर अपने-अपने विचार रखे।

भारतीय टीम की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल की फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों पर खुलकर जवाब दिए। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल भारत के बेहतरीन बल्लेबाज़ों में से एक हैं और फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद उनका औसत काफी शानदार है। दुबे ने कहा कि गिल पिछले कई वर्षों से टीम इंडिया के लिए लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, सूर्यकुमार यादव को लेकर उन्होंने कहा कि वह 360 डिग्री प्लेयर और फाइटर हैं। जिस तरह का क्रिकेट सूर्य खेलते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी बताया कि सूर्यकुमार यादव अब तक विराट कोहली के बराबर मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीत चुके हैं, जो उनकी काबिलियत को दर्शाता है।

शिवम दुबे ने टीम संयोजन और ऑलराउंडर की भूमिका पर भी बात की। उन्होंने हार्दिक पांड्या को एक स्पेशल ऑलराउंडर बताया, जो दो खिलाड़ियों का काम अकेले कर सकते हैं। लोअर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाज़ी को लेकर पूछे गए सवाल पर दुबे ने कहा कि यह हाई रिस्क ज़रूर है, लेकिन वहीं से हाई रिवॉर्ड भी मिलता है। टीम का फोकस अच्छी चीज़ों को बार-बार दोहराने पर रहता है। उन्होंने कहा कि टीम में आठ बल्लेबाज़ हैं और हर मैच में दो-तीन खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी किसी न किसी रूप में योगदान देते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से तेज़ गेंदबाज़ एनरिक नॉर्टजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी को लेकर उन्होंने कहा कि वह इस समय को एंजॉय कर रहे हैं। उनका फोकस सभी फॉर्मेट पर है और टीम लगातार बेहतर बनने की कोशिश कर रही है। पिच को लेकर नॉर्टजे ने कहा कि उनकी ओर से कोई विशेष आंकलन नहीं है, लेकिन टीम पहले गेंदबाज़ी करना पसंद करेगी। उन्होंने पिछले दो वर्षों में टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा कि दक्षिण अफ्रीकी टीम अब ज्यादा कंसिस्टेंट क्रिकेट खेल रही है।

नॉर्टजे ने कहा कि टीम हर दिन अपने गेम को बेहतर बनाने पर काम कर रही है। टी-20 क्रिकेट में मिली सीख को आगे लागू करने की कोशिश की जा रही है और आने वाले मैचों में प्रदर्शन में और सुधार देखने को मिलेगा।

होलकर स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड महामुकाबला 18 जनवरी को

एमपीसीए ने जारी की टिकटों की दरें, डिस्ट्रिक्ट ऐप के माध्यम से होगी ऑनलाइन बुकिंग

इंदौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्वच्छता में नंबर वन शहर इंदौर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए नए साल 2026 का आगाज़ बेहद उत्साहजनक होने जा रहा है। म.प्र. क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) आगामी 18 जनवरी को शहर के हृदय स्थल पर स्थित होलकर स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी करेगा। यह मुकाबला दुधिया रोशनी में डे-नाइट प्रारूप में खेला जाएगा। एमपीसीए द्वारा आयोजित होने वाला यह 29वां अंतरराष्ट्रीय मैच है, जबकि होलकर स्टेडियम के लिए यह आठवां अवसर होगा जब वह एकदिवसीय मैच की मेजबानी करेगा। क्रिकेट के प्रति इंदौर के जुनून को देखते हुए इस मुकाबले के लिए स्टेडियम में तैयारियां युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दी गई हैं।

एमपीसीए के मानद सचिव सुधीर असनानी ने बताया कि प्रशंसकों की भारी भीड़ और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए एमपीसीए ने इस बार टिकटिंग व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग एजेंसी के रूप में अनुबंधित किया गया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि टिकटों की बिक्री केवल ऑनलाइन मोड में ही होगी और किसी भी प्रकार के ऑफलाइन काउंटर की व्यवस्था नहीं की जाएगी। इच्छुक प्रशंसक डिस्ट्रिक्ट मोबाइल ऐप अथवा आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपनी सीट आरक्षित कर सकेंगे। बुकिंग के लिए एक लॉगिन आईडी से अधिकतम चार टिकटों की सीमा तय की गई है, ताकि अधिक से अधिक दर्शकों को मैच देखने का अवसर मिल सके।

असनानी ने कहा कि टिकटों की दरों का निर्धारण सभी वर्गों के दर्शकों को ध्यान में रखकर किया गया है। सबसे कम कीमत ईस्ट स्टैंड लोअर गैलरी के लिए 800 रुपये तय की गई है, जबकि साउथ पवेलियन की प्रीमियम श्रेणियों के लिए टिकट दरें 5,000 से 7,000 रुपये के बीच रखी गई हैं। वेस्ट स्टैंड की विभिन्न श्रेणियों के लिए 900 से 1500 रुपये के बीच भुगतान करना होगा। घोषित कीमतों में प्रवेश शुल्क, मनोरंजन कर और जीएसटी सम्मिलित हैं, हालांकि बुकिंग के दौरान लगने वाले सेवा शुल्क और कूरियर चार्जेस अलग से देय होंगे। बताया गया कि छात्रों और दिव्यांगों के लिए रियायती टिकटों का विवरण जल्द ही अलग से घोषित किया जाएगा।

इंडिगो संकट : कुप्रबंधन, नए नियम और ठप हुआ देश का विमानन नेटवर्क

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां) । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में आया विमानन संकट अचानक नहीं था, बल्कि इसके संकेत नवंबर में ही दिखने लगे थे। 1 नवंबर से पायलटों के लिए अधिक आराम समय से जुड़े नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू होने के बाद नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं।

इसके बावजूद एयरलाइन ने न तो स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और न ही यात्रियों के लिए कोई ठोस वैकल्पिक योजना बनाई। 1 दिसंबर को इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के शीर्ष अधिकारियों से नए नियमों पर स्पष्टता के लिए मुलाकात की। इस बैठक में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया कि एयरलाइन गंभीर परिचालन संकट की ओर बढ़ रही है। दो दिन बाद ही 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो की उड़ानों की बड़े पैमाने पर रद्दीकरण शुरू हो गई।

नवंबर महीने में ही इंडिगो ने 950 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं

दिसंबर के पहले कुछ दिनों में देशभर के एयरपोर्ट्स पर 5,500 से ज्यादा इंडिगो उड़ानें रद्द हुईं, जिससे 6 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घरेलू विमानन संकट माना जा रहा है। इसके बाद सरकार और एयरलाइन के बीच दोषारोपण शुरू हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने डीजीसीए का बचाव करते हुए संकट के लिए इंडिगो के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यात्रियों को पूरा रिफंड देने के निर्देश दिए और चार-सदस्यीय समिति से जांच कराने की घोषणा की। विशेषज्ञों के अनुसार इंडिगो ने सर्दियों के शेड्यूल में आक्रामक विस्तार किया। उसे घरेलू उड़ानों में पिछले सर्दियों की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक अनुमति मिली, जबकि अन्य एयरलाइनों ने क्षमता घटाई। यही असंतुलन इस बड़े संकट की मुख्य वजह बना।

न्यूज ब्रीफ

भारत में तीन नई हाइब्रिड एसयूवी लॉन्च कर सकती है हुंडई

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की हुंडई कंपनी की भविष्य की प्रोडक्ट रणनीति सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों तक सीमित न रहकर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन पर केंद्रित होती दिख रही है। आगामी सालों में हुंडई भारत में तीन नई हाइब्रिड एसयूवी लॉन्च कर सकती है, जो अलग-अलग सेगमेंट को कवर करेंगी। यह कदम ऐसे समय पर उठाया जा रहा है, जब देश में ईवी को अपनाने की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी है और हाइब्रिड को ज्यादा व्यावहारिक विकल्प माना जा रहा है। इनमें सबसे प्रीमियम मॉडल के तौर पर ग्लोबल पालीसाड हायब्रिड पर विचार किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह एसयूवी 2.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के कॉम्बिनेशन के साथ आती है, जो करीब 334 बीएचपी की पावर और 460 एनएम का टॉर्क देती है। अगर इसे भारतीय बाजार के लिए हरी झंडी मिलती है, तो इसकी एंट्री 2028 के आसपास हो सकती है और यह हुंडई की सबसे महंगी व फ्लैगशिप एसयूवी बन सकती है। दूसरा अहम मॉडल नई जनरेशन क्रेटा हाइब्रिड होगी, जिसे कंपनी अंदरूनी तौर पर एसएक्स3 कोडनेम से डेवलप कर रही है। यह एसयूवी नए प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसमें फ्रेश डिजाइन, बदले हुए डायमेंशन और पूरी तरह नया केबिन देखने को मिलेगा। मौजूदा पेट्रोल और डीजल इंजन विकल्पों के साथ इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम जोड़े जाने की संभावना है, जो इसे सेगमेंट में और ज्यादा किफायती व फ्यूल एफिशिएंट बनाएगा। तीसरी एसयूवी एक नई तीन-रो मॉडल होगी, जिसका इंटरनल कोडनेम एनआई1आई है।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में टीवीएस आईक्यूब की मजबूत पकड़

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने से पहले बैटरी रिप्लेसमेंट की लागत जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही सबसे बड़ा खर्च साबित हो सकता है। इसी कडी में टीवीएस आईक्यूब लंबे समय से देश के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में मजबूत पकड़ बनाए हुए है। बढ़ती बिक्री और कई वेरिएंट्स के चलते यह ग्राहकों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन चुका है। आईक्यूब की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 95 हजार रुपये है, लेकिन नई बैटरी लगवाने पर जेब पर भारी असर पड़ सकता है। टीवीएस आईक्यूब तीन वेरिएंट्स आईक्यूब, आईक्यूब एस और आईक्यूब एसटी में आता है। इनमें 2.2 केडब्ल्यूएच और 3.4 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक दिए जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन बैटरी पैक्स की कीमत 60 हजार से 70 हजार रुपये के बीच हो सकती है, जबकि आईक्यूब एसटी के बड़े बैटरी पैक की कीमत करीब 90 हजार रुपये तक जाती है। कंपनी बैटरी पर कई साल की वारंटी देती है, लेकिन फिजिकल डैमेज होने पर यह वारंटी लागू नहीं होती।

एचएसबीसी इंडिया ने मध्य प्रदेश में किया विस्तार, इंदौर में नई शाखा का उद्घाटन

इंदौर। देशभर में अपनी सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एचएसबीसी इंडिया ने मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया।

30 हजार यूनिट्स बिक चुकी नई एसयूवी विक्टोरिस की

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां) ।

महज तीन महीनों में ही मारुति सुजुकी की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी विक्टोरिस की 30 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं, जो इस सेगमेंट में इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। खास बात यह है कि ग्रैंड विटारा के प्लेटफॉर्म पर बनी होने के बावजूद विक्टोरिस ने बिक्री के मामले में उसी को पीछे छोड़ दिया है।

नवंबर महीने में यह एसयूवी किआ सोनेट, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा थार, बोलेरो, एक्सयूवी 3गुणाह्न, टोयोटा हाइराइडर, किआ सेल्टोस और एक्सयूवी 700 जैसी गाड़ियों से आगे निकल गई। विक्टोरिस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.50 लाख रुपये रखी गई है, जो इसे मिडिल क्लास खरीदारों के लिए आकर्षक बनाती है। इसमें तीन इंजन विकल्प मिलते हैं। पहला 1.5 लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल इंजन है, जो 103 हॉर्सपावर देता है। दूसरा 1.5 लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन है, जो 116 हॉर्सपावर की ताकत के साथ शानदार माइलेज का दावा करता है। तीसरा विकल्प 1.5 लीटर पेट्रोल-सीएनजी इंजन का है। 10.25 इंच का टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीटें और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम बनाते हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें 6 एयरबैग, अडास लेवल-2, 360 डिग्री कैमरा और 5-स्टार भारत एनकैप रेटिंग दी गई है। इन्हीं खूबियों के चलते विक्टोरिस तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है। ट्रांसमिशन के लिए मैनुअल, ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी के विकल्प दिए गए हैं, वहीं ऑल-व्हील ड्राइव का ऑप्शन भी मौजूद है। डिजाइन के मामले में विक्टोरिस नई और मॉडर्न नजर आती है। इसका एक्सटीरियर बोल्ड है, जबकि इंटीरियर पूरी तरह टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

कई नए मॉडल बाजार में उतारने की तैयारी में मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। साल 2026 में मारुति सुजुकी कंपनी कई नए मॉडल बाजार में उतारने की योजना बना रही है। कंपनी एक नई इलेक्ट्रिक एमपीवी पर काम कर रही है, जिसे फिलहाल वायएमसी कोडनेम से जाना जा रहा है। यह भारत में मारुति की दूसरी इलेक्ट्रिक कार होगी और इसका सीधा मुकाबला किआ कैरेंस क्लैविस ईवी से माना जा रहा है। पोजिशनिंग के लिहाज से इसे अर्टिगा और एक्सएल6 से ऊपर रखा जाएगा, ताकि बड़ी फैमिली के लिए एक प्रीमियम विकल्प दिया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई इलेक्ट्रिक एमपीवी को 2026 के अंत तक भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। माना जा रहा है कि इसका प्रोडक्शन सितंबर 2026 से शुरू होगा। यह गाड़ी 27पीएल स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म के डेरिवेटिव पर आधारित होगी, जिससे लागत को नियंत्रित करने और कॉमन टेक्नोलॉजी का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। कंपनी देशभर के 1,100 से ज्यादा शहरों में 2,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर चुकी है। 2030 तक मारुति का लक्ष्य 1 लाख से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट्स तैयार करने का है। पावरट्रेन की बात करें तो वायएमसी इलेक्ट्रिक एमपीवी में मारुति ई वितारा वाले बैटरी पैक दिए जाने की संभावना है। इसमें 49केडब्ल्यूएच और 61केडब्ल्यूएच के दो बैटरी विकल्प मिल सकते हैं।

चांदी की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर, सोने के भी भाव बढ़े

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में बुधवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक दोनों कीमती धातुओं के भाव मजबूती के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव ने नया इतिहास रचते हुए सर्वोच्च शिखर को छू लिया, जबकि सोना भी अपने ऊंचे स्तरों के करीब कारोबार करता नजर आया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 670 रुपये की तेजी के साथ 1,35,079 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला।

पिछला बंद भाव 1,34,409 रुपये था। इस समय सोना 680 रुपये की बढ़त के साथ 1,35,089 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोने ने 1,35,150 रुपये का उच्च और 1,35,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। इससे पहले सोने ने 1,35,263 रुपये का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 1,446 रुपये की तेजी के साथ 1,99,201 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 1,97,755 रुपये था। इस समय चांदी 7,418 रुपये की उछाल के साथ 2,05,173 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी।

सोना 680 रुपए बढ़त के साथ 1,35,089 पर, चांदी में 7,418 रुपए की तेजी

दिन के कारोबार में चांदी ने 2,05,665 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर छूकर ऑल टाइम हाई बना दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भावों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 4,333.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 14.30 डॉलर की तेजी के साथ 4,346.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 4,398 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छू लिया है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 63.79 डॉलर प्रति औंस पर खुली और कारोबार के दौरान 66.27 डॉलर प्रति औंस का ऑल टाइम हाई छू गई।

टीवी की कीमतों में 3 से 4 प्रतिशत तक हो सकती है बढोत्तरी

नई दिल्ली। जनवरी से टीवी की कीमतों में 3 से 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी संभव है। इसकी बड़ी वजह वैश्विक स्तर पर मेमोरी चिप्स की कमी और डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना बताया जा रहा है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में रुपया 90 रुपये प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया, जिससे आयात आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की लागत में इजाफा हुआ है। टीवी इंडस्ट्री की चुनौती यह है कि एक एलईडी टीवी में केवल करीब 30 प्रतिशत कंपोनेंट्स ही देश में बनते हैं। पैनल, सेमीकंडक्टर चिप्स, मदरबोर्ड और कई अहम हिस्से आयात किए जाते हैं। रुपये की कमजोरी के कारण इन कंपोनेंट्स की कीमत बढ़ रही है, जिसका सीधा असर अंतिम उपभोक्ता मूल्य पर पड़ रहा है। इस स्थिति को और गंभीर बना रहा है मेमोरी चिप्स का वैश्विक संकट। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सर्वर और हाई-बैंडविड्थ एप्लिकेशन के लिए चिप्स की मांग तेजी से बढ़ी है। चिप निर्माता ज्यादा मुनाफे वाले सेगमेंट पर फोकस कर रहे हैं, जिससे टीवी जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए इस्तेमाल होने वाली मेमोरी की सप्लाई सीमित हो गई है। डीआरएएम और फ्लैश मेमोरी की कीमतों में हाल के महीनों में तेज उछाल देखा गया है। हायर एप्लायंसेज इंडिया के प्रेसिडेंट एनएस सतीश का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए एलईडी टीवी की कीमतों में करीब 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है और कुछ कंपनियां डीलर्स को इसके संकेत भी दे चुकी हैं। वहीं सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स के अनुसार बीते तीन महीनों में मेमोरी चिप्स की कीमतें कई गुना बढ़ी हैं, जिसके चलते जनवरी से 7 से 10 प्रतिशत तक महंगाई संभव है।

ईलॉन मस्क की दौलत 600 अरब डॉलर के पार, बेजोस और जुकरबर्ग को पछाड़ा

स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्सएआई ने बढ़ाई मस्क की नेटवर्थ

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां) । टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक ईलॉन मस्क एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति बढ़कर करीब 684.2 अरब डॉलर पहुंच गई। हाल के दिनों में उनकी नेटवर्थ में अचानक तेज उछाल देखने को मिला है, जिसका सबसे बड़ा कारण उनकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की तेजी से बढ़ती वैल्यू मानी जा रही है। महज दो दिनों में उनकी कुल संपत्ति ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी निजी कंपनियों की वैल्यूएशन में आए बदलाव के कारण हुई है। मस्क की संपत्ति बढ़ने की सबसे बड़ी वजह स्पेसएक्स है। रिपोर्ट्स के अनुसार स्पेसएक्स अगले साल शेयर बाजार में उतर सकती है और इसकी वैल्यू करीब 800 अरब डॉलर आंकी जा रही है। ईलॉन मस्क की कंपनी में लगभग 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे उनकी निजी संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। ईलॉन मस्क की कुल संपत्ति अब कई बड़े अरबपतियों की संयुक्त दौलत से भी ज्यादा बताई जा रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग तीनों की कुल संपत्ति मिलाकर भी मस्क की दौलत से कम बताई जा रही है। ईलॉन मस्क के बाद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज करीब 252 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लैरी एलिसन 239.8 अरब डॉलर के साथ तीसरे, जबकि जेफ बेजोस 235.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं। मार्क जुकरबर्ग छठे और जेंसन हुआंग आठवें नंबर पर हैं। मस्क के पास टेस्ला में करीब 12 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हैदराबाद...

जबकि बाहरी इलाकों में - जहां आबादी 70,000 तक है - ञ्चक्त्वउ ने सिर्फ एक वार्ड बनाया है।उन्होंने आगे कहा हम चाहते हैं कि ञ्चक्त्वउ बताए कि ये 300 वार्ड किस आधार पर बनाए गए हैं - भौगोलिक, मतदाता-आधारित या वैज्ञानिक। पदेन सदस्यों ने भी चिंता जताई कि परिसीमन में मौजूदा नागरिक बुनियादी ढाँचे और कर्मचारियों की संख्या का पर्याप्त रूप से ध्यान नहीं रखा गया। उन्होंने चेतावनी दी कि कर्मचारियों की संख्या, योजना और प्रशासनिक सहायता में आनुपातिक विस्तार के बिना वार्डों की संख्या बढ़ाने से सेवा वितरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

दलबदल मामला...

की बात स्वीकार की थी।जिन 10 बीआरएस विधायकों पर कांग्रेस के प्रति वफादारी बदलने का आरोप लगाया गया था, उनमें दानम नागेंद्र (खैरताबाद), तेल्लम वेंकट राव (भद्राचलम), कदियम श्रीहरि (थाना घनपुर), पोचारम श्रीनिवास रेड्डी (बांसवाड़ा), एम. संजय कुमार (जगतियाल), अरेकापुडी गांधी (सेरीलिंगमपल्ली), टी. प्रकाश गौड़ (राजेंद्रनगर), बी. कृष्ण मोहन रेड्डी (गडवाल), जी. महिपाल रेड्डी (पाटनचेरु) और काले यादैया (चेवेल्ला) शामिल हैं।

दिल्ली में अब केवल...

जिसमें शहर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए पुराने वाहनों पर कार्रवाई की अनुमति मांगी गई थी।दिल्ली सरकार की ओर से पेश अपर सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय से आग्रह किया कि 12 अगस्त के आदेश में संशोधन किया जाए ताकि बीएस-3 तक के उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उन्होंने दलील दी कि पुराने वाहनों के उत्सर्जन मानक बहुत खराब हैं और वे प्रदूषण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वायु प्रदूषण मामले में न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी इस दलील का समर्थन किया। पीठ ने दलीलों को दर्ज करते हुए निर्देश दिया कि 12 अगस्त के आदेश को उस सीमा तक संशोधित किया जाता है कि उन वाहन मालिकों के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाएगा जो बीएस-4 और उससे नए हैं, भले ही वे डीजल इंजन के मामले में दस साल और पेट्रोल इंजन के मामले में पंद्रह साल की सीमा पार कर चुके हों। उल्लेखनीय है कि 2015 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में दस साल से अधिक पुराने डीजल और पंद्रह साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के चलने पर रोक लगाने का निर्देश दिया था, जिसे 2018 में उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा था।

सबका बीमा सबकी ...

नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ाने का भी इस विधेयक में प्रावधान किया गया है। अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। अब बीमा कंपनियों और बिचौलियों के लिए जुर्माने के नियम एक समान कर दिये गये हैं। पहले जहां गड़बड़ी पाये जाने पर बिचौलियों का लाइसेंस सीधे रद्द कर दिया जाता था, अब लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान किया गया है ताकि उन्हें सुधार करने का मौका दिया जा सके। चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में आना आसान होगा और उन्हें स्थानीय भागीदार खोजने की जरूरत नहीं होगी। इससे देश में बीमा कवरेज बढ़ेगा, प्रीमियम में कमी आयेगी और रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। उन्होंने इस विधेयक के कारण भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारों में कमी की कुछ सदस्यों की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उल्टे इससे एलआईसी का सशक्तिकरण होगा। उसे विदेशों में अपने जोनल कार्यालय खोलने के लिए पूर्वानुमति की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए लोगों का बीमा होना जरूरी है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा कवरेज बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा प्रीमियम पर वस्तु एवं सेवा कर के तहत कर की दर शून्य कर दी गयी है। बीमा कवरेज और बढ़ाने के लिए यह विधेयक लाया गया है।उन्होंने बताया कि वर्ष 1999 में बीमा क्षेत्र को एफडीआई के लिए खोला गया और इसकी सीमा 26 प्रतिशत तय की गयी। इसके बाद 2015 में इसे बढ़ाकर 49 प्रतिशत और 2021 में 74 प्रतिशत किया गया। इसके बावजूद इस समय 10 बीमा कंपनियों में 26 प्रतिशत से कम एफडीआई है, 23 कंपनियों में 26 प्रतिशत या अधिक लेकिन 49 प्रतिशत से कम, तीन में 49 प्रतिशत या उससे अधिक लेकिन 74 प्रतिशत से कम और अन्य चार में 74 प्रतिशत एफडीआई है।श्रीमती सीतारमण ने कहा, ङ्गदेश को बीमा क्षेत्र में और अधिक पूंजी निवेश की जरूरत है।ङ्ग उन्होंने बताया कि कम एफडीआई का एक कारण यह है कि कई विदेशी कंपनियां भारतीय बीमा क्षेत्र में आना चाहती हैं, लेकिन संयुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिए उन्हें यहां कोई सही सहयोगी नहीं मिल पाती।उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत एफडीआई का प्रावधान करने से ऐसी कंपनियां स्वतंत्र रूप से देश में बीमा कंपनी स्थापित कर सकेंगी। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और फलस्वरूप प्रीमियम कम होगा।रोजगार छिनने की विपक्षी सदस्यों की आशंकाओं को खारिज करते हुए श्रीमती सीतारमण में कहा कि इससे उल्टे रोजगार बढ़ेगा। नयी कंपनियों के आने से बीमा क्षेत्र का विस्तार होगा, नये उत्पाद बाजार में आयेंगे और इन सबसे ज्यादा रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि साल 2015 में एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने के बाद इस क्षेत्र में रोजगार करीब तीन गुना हो गया है। यह 31.14 लाख से बढ़कर 88.17 लाख हो गया है।उन्होंने विदेश बीमा कंपनियों के पैसा लेकर भाग जाने की आशंकाओं का जवाब देते हुए कहा कि बीमा नियामक ने पहले से ही यह प्रावधान किया हुआ है कि विदेशी कंपनियों को उनकी देनदारी से डेढ़ गुना पैसा देश में रखना होगा। सभी देनदारियों को घटाने के बाद ही कंपनी के लाभ की गणना होगी। इसलिए यह आशंका निर्मूल है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एएसटी सुपर सिंगर का प्रथम ऑडिशन सत्र सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना के तत्वावधान में आयोजित एएसटी सुपर सिंगर प्रतियोगिता का प्रथम ऑडिशन सत्र सोमवार को हिमायतनगर स्थित एलाइड आर्टिस्ट ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अग्रवाल समाज के सदस्यों के बीच आयोजित इस गायन प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दो आयु वर्गों में हुआ चयन

यह प्रतियोगिता दो आयु वर्गों में आयोजित की गई। 45 वर्ष तक की आयु वर्ग में कुल 10 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिनमें दीपक अग्रवाल (गोशमहल शाखा), कनक पित्ती (अमीरपेट शाखा), पवन डोकानिया (शालीबंडा शाखा), प्रशांत देव गुप्ता (अत्तापुर सेंट्रल शाखा), रोहन अग्रवाल (मलकपेट युवा मोर्चा शाखा), सौरभ अग्रवाल (अमीरपेट शाखा), संदीप कुमार अग्रवाल (ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा), विकास अग्रवाल पित्ती (सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा), यश अग्रवाल (मलकपेट शाखा) शामिल हैं।

45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में चयनित प्रतिभागियों में अमित कुमार अग्रवाल (शिवरामपल्ली शाखा), अनिल केडिया (बहादुरपुरा शाखा), अनूप कुमार अग्रवाल (गच्चीबावली शाखा), अशोक कुमार बंसल (रिकाबगंज शाखा), श्रीमती भावना गोयल (अत्तापुर वेस्ट शाखा), बिमल कुमार केडिया (अत्तापुर वेस्ट शाखा), दीपक अग्रवाल (अग्रसेन मार्ग शाखा), दीपक अग्रवाल (अत्तापुर वेस्ट शाखा), दिनेश कुमार अग्रवाल (शिवरामपल्ली शाखा), डॉ. मोहन गुप्ता (हिमायतनगर शाखा), श्रीमती गायत्री गुप्ता (मलकपेट महिला शाखा), जय प्रकाश अग्रवाल (श्याम मंदिर शाखा), श्रीमती ज्योति अग्रवाल (मुरलीनगर शाखा), श्रीमती कमलेश अग्रवाल (गच्चीबावली महिला विंग शाखा), महेश कुमार केडिया (गोशमहल शाखा), माणिकलाल अग्रवाल (श्याम मंदिर शाखा), निधिश सिंघल (सोमाजीगुड़ा बेगमपेट शाखा), पंकज अग्रवाल (मलकपेट शाखा), सावरमल अग्रवाल (सिकंदराबाद पैराडाइज शाखा), श्रीमती शिखा अग्रवाल (गच्चीबावली शाखा), शिवभगवान अग्रवाल (घांसी बाजार झूला शाखा), श्रीमती स्नेहलता अग्रवाल (अत्तापुर महिला सेविका शाखा), उमेश कुमार अग्रवाल (लकड़ी का पुल शाखा), विशाल अग्रवाल (बंजारा सेंट्रल शाखा) तथा विश्वनाथ अग्रवाल (मुरलीनगर शाखा) शामिल हैं।

दूसरे ऑडिशन और ग्रैंड फिनाले की तैयारी

प्रथम ऑडिशन में चयनित कुल 35 प्रतिभागी आगामी 22 दिसंबर को होने वाले दूसरे ऑडिशन में अपनी गायन प्रतिभा प्रस्तुत करेंगे। दूसरे ऑडिशन से चयनित प्रतिभागी 4 जनवरी 2026 को भारतीय विद्या भवन में आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में भाग लेंगे।

पूजा-अर्चना के साथ हुआ शुभारंभ

एएसटी सुपर सिंगर के प्रथम संस्करण का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर समाज के उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, मंत्री विकास केसान, आयोजन समिति के संयोजक दिलीप पंसारी, सह संयोजक महेंद्र अग्रवाल, अशोक जिंदल सहित अन्य पदाधिकारियों ने पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में समाज बंधुओं के लिए आयोजित इस संगीत प्रतियोगिता की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पंकज संघी, शीतल रूंगटा एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

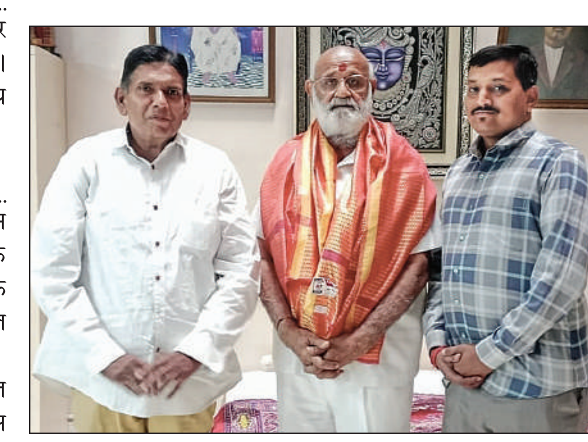

महेश बैंक के निदेशक बनने पर गोविंद राठी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए हैदराबाद सिटी गोशामहल कांग्रेस नेता विनोद चेतन।

निःस्वार्थ सेवा और संस्कार से बनता है सशक्त समाज : उमाकांत गुप्ता

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा सूजन क्षेत्र में संचालित नियमित निःशुल्क अन्न सेवा कार्यक्रम के दौरान बुधवार को ग्रुप के सदस्य उमाकांत गुप्ता ने कहा कि निःस्वार्थ सेवा जब संस्कारों से जुड़ती है, तभी समाज सशक्त बनता है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल भोजन या सहायता तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके पीछे मानवीय मूल्यों और संस्कारों का होना आवश्यक है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले डेढ़ वर्ष से हैदराबाद में निरंतर निःशुल्क अन्न सेवा एवं सेवा शिविरों का आयोजन कर रहा है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में आयोजित नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उमाकांत गुप्ता ने कहा कि सेवा और संस्कार समाज की नींव हैं।

ऐसे प्रयास न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं।उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की निस्वार्थ सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के निरंतर सामाजिक कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और आने वाली पीढ़ी को भी सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, रणधीर आदि उपस्थित थे।

सालार जंग संग्रहालय को मिला नया रूप

74वें स्थापना दिवस पर हुआ उद्घाटन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सालार जंग संग्रहालय में 57 साल पुरानी फाउंडर्स गैलरी को एक नया रूप दिया गया है। मंगलवार को संग्रहालय के 74वें स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में इसका नवीनीकरण कर इसे फिर से लॉन्च किया गया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा उद्घाटन की गई यह गैलरी, निज़ाम काल के प्रधानमंत्री सालार जंग के परिवार से संबंधित वस्तुओं और कलाकृतियों को प्रदर्शित करती है।

इन कलाकृतियों में एक गहरे नीले रंग का चीनी मिट्टी का फूलदान है, जिसे 1876 में सालार जंग-प्रथम की इंग्लैंड यात्रा के दौरान उनके लिए तैयार किया गया था। साथ ही, रानी विक्टोरिया की डायमंड जुबली के उपलक्ष्य में 1897 में निर्मित एक कोल पोर्ट फैक्ट्री का स्मारक फूलदान भी यहाँ मौजूद है।

सांस्कृतिक विरासत और संग्रहालयों के लिए एक मॉडल

राज्यपाल वर्मा ने कहा कि सालार जंग संग्रहालय आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में खड़ा है। देश भर के संग्रहालयों के सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे कि दर्शकों की घटती संख्या का जिक्र करते हुए, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सालार जंग संग्रहालय एक सहभागी, समावेशी और जीवंत संस्थान के रूप में उभरकर एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

जहाँ तक संग्रह का सवाल है, सालार जंग-प्रथम को उनकी इंग्लैंड यात्राओं के दौरान मिली सोने और चांदी की वस्तुएं और स्मृति चिन्ह भी प्रदर्शित किए गए। गैलरी में 1876 में सिटी ऑफ लंदन कॉर्पोरेशन द्वारा प्रस्तुत एक सोने का कास्केट , प्रिंस ऑफ वेल्स एच.आर.एच. अल्बर्ट एडवर्ड द्वारा प्रस्तुत एक बड़ा चांदी का मोंटेथ और एडिनबर्ग के ड्यूक द्वारा प्रस्तुत चांदी का 'इवर और बेसिन' शामिल है।

सालार जंग द्वितीय और तृतीय काल की भव्यता

इसके अलावा, चेकोस्लोवाकिया के वाइन रेड, गहरे नीले और क्लियर-कट ग्लास जैसी कई बेहतरीन कट ग्लास वस्तुएं और अंग्रेजी पोर्सिलेन फैक्ट्रियों के चाय और कॉफी सेट गैलरी में मौजूद हैं, जो सालार जंग द्वितीय के काल की भव्यता को दर्शाते हैं। गैलरी में दुनिया भर की ललित कलाओं का संग्रह, चांदी के फर्नीचर, पुरस्कार, शेरवानी, टोपियां, दस्तार और सालार जंग-तृतीय मीर यूसुफ अली खान की मसनद भी है, जो अविवाहित रहे और अपना पूरा समय ललित कलाओं के लिए समर्पित कर दिया।

दीवान देवड़ी से वर्तमान भवन तक का सफर

संग्रहालय की उत्पत्ति दीवान देवड़ी में हुई थी, जो सालार जंगों का पैतृक महल था, जहाँ सालार जंग-तृतीय के संग्रह को पहली बार रखा गया था। इसमें आईना खाना, लक्कड़ कोट, चीनी खाना, निज़ाम बाग जैसी विभिन्न इमारतों और अन्य चित्रों को भी प्रदर्शित किया गया है, जो अब अस्तित्व में नहीं हैं।

सालार जंग-तृतीय के निधन और कोई प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी न होने के बाद, एक संग्रहालय स्थापित करने का विचार आया। इसे 16 दिसंबर, 1951 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लॉन्च किया गया था। 1968 में, संग्रहालय मूसी नदी के तट पर अपने वर्तमान भवन में स्थानांतरित हो गया।

सीवी आनंद से सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (होम डिपार्टमेंट) सी.वी. आनंद (आईपीएस) से उनके सेक्रेटेरिएट कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई दी।इस अवसर पर कमेटी के जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, सेंट्रल जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, वेस्ट जोन अध्यक्ष तेजो विजय कुमारी, ईस्ट जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी एवं साउथ जोन अध्यक्ष ख्वाजा मोइज उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने सी.वी. आनंद को उनके दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए समाज में शांति, सद्भाव और कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। बैठक के दौरान सामाजिक समरसता बनाए रखने और प्रशासन एवं समाज के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया।

अत्तापुर में श्री श्याम बाबा कथा आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खाटू श्याम परिवार अत्तापुर द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक आयोजित की जाने वाली श्री श्याम बाबा की दिव्य कथा के संदर्भ में आज मीटिंग संपन्न हुई।

मीटिंग में बताया गया कि दक्षिण भारत में पहली बार तीन दिवसीय कथा फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर अत्तापुर स्थित श्री चिन्ना अनंतगिरी शिवालयम मंदिर में आयोजित की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक श्री पवन गुरुजी अपनी मुख-रविंद से कथा का रसपान कराएंगे। कथा का सीधा प्रसारण आस्था चैनल पर प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक किया जाएगा। मीटिंग का संचालन रामदेव राठी ने किया। कथा आयोजन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और अगली मीटिंग 4 जनवरी 2026 को करने का निर्णय लिया गया।बैठक में रमेश लद्दड़, नरसिंग सारडा, गिरिराज करवा, पवन व्यास, सुरेश मोदी, श्याम अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी और महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहे। मीटिंग का समापन रमेश लद्दड़ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रवि अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, पन्नालाल,गोविंदराम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल सहित राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आर. जी. ए. आनंद उत्सव मेले के अवसर पर अग्र महिला मंच, तेलंगाना की अध्यक्षा दीपा गर्ग को राजस्थानी वेशभूषा में पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह में दीपा गर्ग की योगदान और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी गतिविधियों की सराहना की गई।

अधिमास में 18 पुराण व्याख्यान, 27 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं 108 श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन

श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग में आयोजित हुई विशेष संदर्भ बैठक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग में मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य की निशा में आगामी अधिमास के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं 108 श्रीमद् भागवत महापुराण पारायण के संदर्भ में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

श्री जगन्नाथ स्वामी मठ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिकासा रामानुज कृतधर जियर स्वामी के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस बैठक में श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सीतारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, समाजसेवी मेघराज अग्रवाल, परामर्शदाता श्री गोपाल सोनी, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक रिद्धीश जागीरदार, भद्रीनाथ मंदिर मेडचल की निशा में प्रवेश त्रिवेदी, आलोक तिवारी, जितेन्द्र अवस्थी, भरत भट्ट, सत्यनारायण शाडीकल, पंकज मडाडिया, रामकृष्ण अडंकी, नंदू खंडेलवाल, राहुल अवस्थी, दुर्गाप्रसाद दुबे, ओमप्रकाश मुंदडा, सुरेश अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महिलाओं में चक्रवर्ती दियारमणा, गलीदेवी, अरुणा त्रिवेदी, सृष्टि तिवारी, मधुबाला उपाध्याय, पूनम बाई, शांता अग्रवाल, रेणुका सोनी, सृष्टि रामानुजाचार्य आदि ने भाग लिया।

मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि कलियुग में मनुष्य से जाने-अनजाने पाप कर्म हो जाते हैं, जिनका प्रभाव इस जन्म में दुख, रोग, धनहानि, पारिवारिक अशांति एवं सौभाग्य की कमी के रूप में देखने को मिलता है। जीवन में सुख-शांति, सौभाग्य और समृद्धि प्रदान करने वाले माँ लक्ष्मी एवं श्री लक्ष्मीनारायण भगवान ही हैं।

परामर्शदाता गोपाल सोनी ने कहा कि अधिमास जैसा पावन मास, गंगा जैसा तीर्थ, वेदों जैसा शास्त्र एवं अन्नदान जैसा दान कोई नहीं है। पुरुषोत्तम मास में जप, तप, दान, यज्ञ, पूजा-पाठ, भागवत पारायण एवं गौसेवा अत्यंत पुण्यदायी है, जिससे भगवान लक्ष्मीनारायण प्रसन्न होकर भक्त के समस्त दुखों का अंत करते हैं।

जसमत पटेल ने कहा कि भाग्यनगर की पावन धरा पर आने वाले सुगम अधिमास में श्रद्धालु तन-मन-धन से सेवा कर माँ लक्ष्मी एवं श्री लक्ष्मीनारायण भगवान को प्रसन्न कर अपने जीवन को आनंदमय बना सकते हैं।

मेघराज अग्रवाल ने जानकारी दी कि श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी कृतधर रामानुज जियर स्वामी के आशीर्वाद एवं अच्युत रामानुजाचार्य के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में 18 मई 2026 से 26 मई 2026 तक श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग, भाग्यनगर में 27 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, 108 श्रीमद् भागवत पारायण,

एवं 18 पुराणों पर व्याख्यान का भव्य आयोजन किया जाएगा।

प्रचार-प्रसार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि यज्ञ सेवा, यजमान सेवा, घी सेवा, पुष्प सेवा, फल सेवा, यज्ञ मंडप सेवा, ब्राह्मण भोजन, महाप्रसाद अन्नदान, भागवत पारायण यजमान सेवा, व्रत यात्रा सेवा, प्रचार सामग्री, मंच सज्जा, विज्ञापन सेवा आदि अनेक सेवाओं में श्रद्धालु भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कई परिवार पहले ही यजमान के रूप में नामांकन करवा चुके हैं। इच्छुक श्रद्धालु मठ कार्यालय अथवा संयोजकों से संपर्क कर नामांकन करवा सकते हैं।

सेवा के साथ नाम जप हो जाता है : सुमन अग्रवाल

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अन्नदान की सेवा के साथ स्वतः ही नाम जप का पुण्य प्राप्त होता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर सेवा करने वाले प्रत्येक सदस्य को यह सौभाग्य मिलता है। उक्त विचार राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान श्रीमती सुमन अग्रवाल ने व्यक्त किए।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिल्लर नंबर 1265-ए के पास बुधवार को आयोजित नियमित अन्नदान में अपने विचार साझा करते हुए श्रीमती सुमन अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची भक्ति है। जब हम बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंदों को भोजन कराते हैं, तब वह सेवा ईश्वर के नाम जप के समान फल देती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से समाज सेवा का यह कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है, जो मानवता और करुणा का जीवंत उदाहरण है।

श्रीमती सुमन अग्रवाल ने अन्नदान सेवा में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही ऐसे पुण्य कार्य संभव हो पाते हैं और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, अशोक गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,उमाकांत गुप्ता, ई-जगन चंपापेट, प्रतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल,सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा आज 17 दिसंबर को तेरापंथ भवन डी वी कॉलोनी में तत्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षाएं आयोजित की गई, जिसमें 15 परीक्षार्थी ने इस भवन में परीक्षा दी एवं एक परीक्षार्थी ने बिदासर से अपनी परीक्षा दी। परीक्षा के समय तत्व ज्ञान की संयोजिका मंजू जी के दुगड़ एवं सहसंयोजिका रेखा जी संकलेचा उपस्थित थीं।उपाध्यक्ष सुशीला मोदी एवं प्रभा जी दुगड़ द्वारा परीक्षा के पेपर खोले गए पूर्व अध्यक्ष पुष्पा जी बरडिया की भी उपस्थित रही।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ में 16 दिसम्बर से 15 जनवरी तक वैकुण्ठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज) के पावन सान्निध्य में धनुमास महोत्सव नित्य प्रातः बेला में मनाया जायेगा। सभी भक्तों से भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है ।

मुंबई में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की गरिमामयी सहभागिता

मुंबई, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अनमोल टावर, स्वामी विवेकानंद रोड, गोविंद जी श्राफ मार्ग, गोरेगांव में सुरेश बजाज एवं चंद्रिका बजाज परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में हैदराबाद से राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद की गरिमामयी सहभागिता रही। मंगलवार को ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने श्रद्धा भाव से कथा में भाग लिया।कथा व्यास आचार्य मन्नत जी महमिया के सानिध्य में आयोजित इस पावन श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं भागवत महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण से उपस्थित श्रद्धालु भक्ति-रस में सराबोर हो उठे और बड़ी संख्या में भक्तों ने आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।इस अवसर पर आयोजक बजाज परिवार की ओर से राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजकों का पुष्पहार पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। राधे-राधे ग्रुप की सहभागिता से आयोजन का वातावरण और अधिक भक्तिमय बन गया।

श्रीमद्भागवत कथा से मन के समस्त विकार समाप्त होते हैं : सतीश कुमार गुप्ता

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण मात्र से मन के समस्त विकार और मनोविकार समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए एक संपूर्ण जीवन-दर्शन है।उन्होंने बताया कि इसके श्रवण से मनुष्य के भीतर व्याप्त अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसे दुर्गुण दूर होते हैं तथा आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत कथा भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अनुपम संगम है, जो मनुष्य को प्रभु से जोड़कर उसके जीवन को सही दिशा प्रदान करती है। उन्होंने इस आयोजन के लिए बजाज परिवार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सद्भाव और संस्कारों का विकास होता है।

श्रीमद्भागवत भारत की आत्मा है : राम प्रकाश अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, जीवन-दर्शन और आध्यात्मिक चेतना की आत्मा है। इसमें धर्म, कर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्यमानव जीवन के प्रत्येक पक्ष का सरल और गूढ़ समाधान निहित है।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत मानव को आत्मचिंतन की प्रेरणा देती है तथा समाज में व्याप्त तनाव, असंतुलन और नैतिक पतन से उबरने का मार्ग प्रशस्त करती है। आज के भौतिकतावादी युग में श्रीमद्भागवत जैसे ग्रंथों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह मनुष्य को सत्य, संयम और सदाचार की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने इस पुण्य आयोजन में सहभागी बनने को अपने जीवन का सौभाग्य बताया।

श्रीमद्भागवत जीवन को सुधार देती है : जगत नारायण अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप की संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करना जीवन को सुधारने के समान है। यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य दर्शन है।उन्होंने कहा कि भागवत में वर्णित कथाएं व्यक्ति के आचरण, सोच और संस्कारों को परिष्कृत करती हैं। परिवार के साथ बैठकर भागवत कथा का श्रवण करना संस्कारों को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सर्वोत्तम माध्यम है। भागवत कथा मनुष्य को भक्ति, सेवा, प्रेम और सदाचार का मार्ग दिखाती है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

प्रेम, भक्ति और सेवा से समाज निर्माण : महेश अग्रवाल

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि आज के तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश में जहाँ भौतिक सुख-सुविधाएँ बढ़ रही हैं, वहीं मानवीय संवेदनाएँ और आत्मिक शांति कम होती जा रही हैं। ऐसे समय में प्रेम, भक्ति और सेवा को जीवन का आधार बनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि राधे-राधे केवल एक अभिवादन नहीं, बल्कि प्रेम, विनम्रता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। राधा जी निष्काम प्रेम और परम भक्ति की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। जब यह भाव मानव जीवन में उतरता है, तब व्यक्ति स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करता है।

अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा शाखा की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा शाखा की मासिक बैठक श्री नितिन अग्रवाल के निवास स्थान हीरा कुंज, मलकपेट में अध्यक्ष हर्ष बंसल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ अध्यक्ष द्वारा सदस्यों का स्वागत कर किया गया, जिसके बाद आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 27 दिसंबर 2025 को मलकपेट में बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नववर्ष के उपलक्ष्य में 10 जनवरी 2026 को श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्री श्याम सत्संग समिति के सौजन्य से शुभकारी फंक्शन हॉल, डी-मार्ट के पास, मलकपेट में संपन्न होगा। भजन संध्या में दिल्ली से ट्विंकल शर्मा तथा भाग्यनगर से सुनील शर्मा और रोहन अग्रवाल अपनी सुमधुर प्रस्तुतियाँ देंगे।

भजन संध्या को युवा मोर्चा शाखा के 16वें वार्षिकोत्सव के रूप में भव्य और धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में हर्ष बंसल, नितेश अग्रवाल, किशन जैन, पीयूष अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, निश्चिंत अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राहुल गर्ग, मोहित अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, धरवेश गोयल, विशेष सिंघानिया, अमित अग्रवाल, अमर अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, हर्षित सुरेका और अजय मोदी सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की।

बैठक का समापन सहभोज के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

एस गैबुवली का हिंदी सलाहकार के रूप में सम्मान

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली को केंद्र सहकारिता मंत्रालय के हिंदी सलाहकार के रूप में नियुक्त किए जाने पर सभा के अध्यक्ष के. रामचंदर एवं मंत्री ए.के. राजु ने उन्हें शॉल और पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया।इस अवसर पर अध्यक्ष के. रामचंदर और मंत्री ए.के. राजु ने प्रधानमंत्री एस. गैबुवली को नियुक्ति पर शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में सभा के रजिस्ट्रार डॉ. शंकरसिंह ठाकुर, स्वरोजगार पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक एलिजाबेत राणी, प्रेमा, सुरेखा और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 723676F Sub Maj (Hony Lt) ASHOK KUMAR TIWARI of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my daughter name and DOB is changed from PRITY KUMARI, DOB:11-11-1998 to PREETY KUMARI, DOB:10-11-1998.

कांग्रेस विधायकों की धमकियों से मत डरो : केटीआर

हमारी सरकार ही दोबारा सत्ता में आएगी

मंचेरियाल, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारक रामाराव (केटीआर) ने तेलंगाना राज्य में कांग्रेस विधायकों पर सत्ता के लालच में जनता और जनप्रतिनिधियों को जान से मारने की धमकियां देने का गंभीर आरोप लगाया है।

तेलंगाना भवन में खानपुर और शादनगर निर्वाचन क्षेत्रों के नव निर्वाचित सरपंचों, उप-सरपंचों और वार्ड सदस्यों के सम्मान में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में केटीआर ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई दी और वर्तमान कांग्रेस सरकार की विफलताओं पर विस्तार से भाषण दिया।

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस विधायक मनमानी कर रहे हैं। एक विधायक द्वारा खुलेआम यह कहना कि ''अगर तुम मुझे हराओगे और मारोगे तो मैं तुम्हें हराऊंगा और मार डालूंगा'', लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों के इस तरह के व्यवहार से कांग्रेस कार्यकर्ता गांवों में अराजकता फैला रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी सरपंच को ऐसी धमकियों के आगे झुकने की जरूरत नहीं है। केटीआर ने सवाल किया कि विधायक कौन होते हैं जो इंदिरम्मा योजना के तहत घर देने से रोक रहे हैं? यह न तो उनके पिता की संपत्ति है और न ही उनकी सास की। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अपनी जमीनें बेचकर गांवों के लिए पैसा दे रहे हैं?केटीआर ने कहा कि ग्राम सभाओं और सरपंचों को जनता के पैसे से बनने वाले घरों के लिए पात्र लोगों के चयन का पूरा अधिकार है। यदि कोई इसमें बाधा डालता है तो उसे सख्ती से जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित रहने का आह्वान किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक धन की कमी के कारण विश्व बैंक को पत्र लिख रहे हैं और सवाल उठाया कि ऐसे में सरपंचों को क्या दिया जाएगा। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने दो वर्षों में ग्राम पंचायतों को एक रुपया भी नहीं दिया, तो अब गांवों को धन कैसे देगी?

केटीआर ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को याद रखना चाहिए कि वे जनता का पैसा अपने घर या जमीन बेचकर नहीं दे रहे हैं, बल्कि वे केवल जनता के धन के न्यासी हैं। उन्होंने दोहराया कि ग्राम पंचायतों को मिलने वाला धन किसी की भीख नहीं हैउन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का हवाला देते हुए कहा कि संविधान के अनुसार पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम पंचायतों को स्वायत्तता प्राप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बीसी समुदाय के साथ धोखा किया है, आरक्षण को 24 प्रतिशत से घटाकर 17 प्रतिशत कर दिया और केंद्रीय वित्त आयोग से आने वाले 3,500 करोड़ रुपये के धन को रोकने के लिए जल्दबाजी में चुनाव कराए।

केटीआर ने कहा कि वित्त आयोग का 70 प्रतिशत धन सीधे ग्राम पंचायतों को जाना चाहिए और किसी भी मुख्यमंत्री या विधायक को इन निधियों को रोकने का अधिकार नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीआरएस पार्टी सरपंचों के अधिकारों की लड़ाई में पूरी तरह उनके साथ खड़ी रहेगी। इसके लिए जिले में विशेष कानूनी प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे।केटीआर ने कहा कि केसीआर के शासनकाल में गांव हरे-भरे और आत्मनिर्भर थे, लेकिन कांग्रेस शासन में वे अनाथ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के कार्यकाल में हर गांव को ट्रैक्टर, टैंकर, नर्सरी और वैकुंठ धाम मिले, जिससे तेलंगाना के गांव देश के लिए मिसाल बने और 30 प्रतिशत राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए।उन्होंने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज ट्रैक्टरों के लिए डीजल तक उपलब्ध नहीं है, किसान यूरिया के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'यूरिया ऐप' पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जो यूरिया दुकानों में नहीं मिल रहा, क्या वह ऐप पर मिल जाएगा?

केटीआर ने आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वयं कभी सरपंच चुनावों के प्रचार में भाग नहीं लिया। उन्होंने कहा कि एनटीआर, वाईएसआर और केसीआर जैसे बड़े नेता भी सरपंच चुनावों के लिए सड़कों पर नहीं उतरे। केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी हार से डरे हुए हैं, इसलिए वे जीत के जश्न के नाम पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रचार कर रहे हैं।उन्होंने विश्वास जताया कि यह कांग्रेस सरकार केवल दो साल और चलेगी और अगली सरकार केसीआर के नेतृत्व में बनेगी। उन्होंने कहा कि आपने पांच वर्षों के लिए चुनाव जीता है और शेष आधे कार्यकाल में बीआरएस सरकार विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी। केटीआर ने भरोसा दिलाया कि खानपुर और शादनगर की धरती पर एक बार फिर गुलाबी झंडा लहराएगा।उन्होंने आगामी एमपीटीसी और जिला परिषद चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम में शादनगर के पूर्व विधायक अंजैया यादव, पूर्व विधायक जाजला सुरेंद्र, पूर्व एमएलसी करने प्रभाकर, खानपुर प्रभारी जॉनसन नाइक सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अगर विजयी सरपंच को पार्टी में शामिल किया गया तो गांधी भवन का करेंगे घेराव : कांग्रेस नेता

मंचेरियाल, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि तांदूर मंडल के मदराम 3 इनक्लाइन ग्राम पंचायत से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल करने वाले सरपंच चंदनला रवि कुमार को कांग्रेस पार्टी में शामिल किया गया, तो वे गांधी भवन का घेराव करेंगे।इसी सिलसिले में कांग्रेस सरपंच समर्थक के रूप में चुनाव लड़ चुके और पराजित पुड्डा शीनिवास से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बैठक की। इस बैठक में मंचेरियाल जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरम रविंदर रेड्डी, खड्ढगड बेल्लमपल्ली क्षेत्र उपाध्यक्ष परम श्रीनिवास, सिंगल विंडो उपाध्यक्ष कादरी रत्नाकर राव सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नए सरपंच मंडल के कुछ नेताओं के माध्यम से कांग्रेस पार्टी में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे हैं। इस पर आपत्ति जताते हुए गांव के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बेल्लमपल्ली विधायक गद्दाम विनोद से आग्रह किया कि सरपंच को कांग्रेस पार्टी में आमंत्रित न किया जाए।

कार्यकर्ताओं ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी बातों की अनदेखी कर विधायक गद्दाम विनोद द्वारा सरपंच को कांग्रेस पार्टी में शामिल किया गया, तो सैकड़ों की संख्या में लोग गांधी भवन का घेराव करेंगे। उन्होंने यहां तक चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर वे आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने के लिए भी तैयार हैं।

इस कार्यक्रम में वार्ड सदस्य गोरलापल्ली कमलाकर, जदी चंद्रकला (तिरुपति), पुल्लावेनी साई कुमार, पूर्व उपसरपंच राजा शेखर, पूर्व वार्ड सदस्य दोंतरावेनी रामचंदर, दर्शनला संतोष, कोंडागोरला अंजी, गोरलापल्ली सुरेश, गोरलापल्ली नरेश, मीसाला अशोक, पेरगु संतोष, रेड्डी किरण, मदवी माणिक राव, शेरला साई, एनागंडुला राजू, जादी वेंकटेश सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरपंच पद के उम्मीदवार ने हार के डर से आत्महत्या का प्रयास किया

कुमरमभीम आसिफाबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के राज्यसभा सदस्य प्रवीण कुमार द्वारा समर्थित बोम्मेरा राजन्ना कागजनगर मंडल के पेदारसपल्ली गांव से सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार ने बुधवार को आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने घास छिड़काव में उपयोग होने वाली दवा का सेवन कर लिया।

बताया जा रहा है कि उम्मीदवार को इस बात का डर था कि उनके विरोधियों ने मतदाताओं को पैसे बांट दिए हैं और यदि उन्होंने स्वयं पैसे नहीं बांटे तो वे चुनाव हार सकते हैं। इसी आशंका और मानसिक दबाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया।घटना के तुरंत बाद परिवार के सदस्यों ने उन्हें देखा और आनन-फानन में कागजनगर कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए मंचेरियाल स्थानांतरित कर दिया गया है।फिलहाल उम्मीदवार का इलाज जारी है और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

नव निर्वाचित सरपंचों से एकजुट होकर विकास के लिए संघर्ष का आह्वान

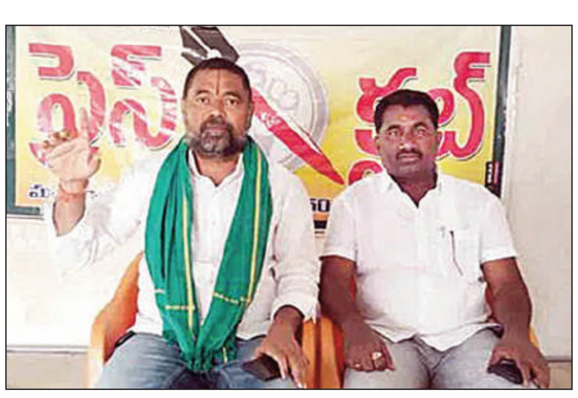

मंचेरियाल, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के उपाध्यक्ष मदवी वेंकटेश्वर ने मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल के नव निर्वाचित सरपंचों से खनिज निधि के समुचित उपयोग और ग्रामों के विकास के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया है।

उन्होंने बुधवार को कासिपेटा मंडल केंद्र स्थित प्रेस क्लब में आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में यह बात कही।

मदवी वेंकटेश्वर ने कहा कि चुनावी राजनीति समाप्त होने के बाद अब सभी जनप्रतिनिधियों को विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कासिपेटा मंडल में खनिज निधि का सही ढंग से उपयोग न होने के कारण अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि नए सरपंचों को एकजुट होकर मंडल में खनिज निधि के न्यायसंगत उपयोग के लिए संघर्ष करना चाहिए।

मदवी वेंकटेश्वर ने यह भी आरोप लगाया कि देवपुर सीमेंट कंपनी से प्राप्त होने वाली करोड़ों रुपये की राशि पड़ोसी क्षेत्रों में खर्च की जा रही है, जबकि कासिपेटा मंडल को इसका समुचित लाभ नहीं मिल रहा है।

उन्होंने जल संसाधनों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गोदावरी नदी का पानी मंचेरियाल से लगभग 300 किलोमीटर दूर हैदराबाद तक ले जाया जा रहा है, लेकिन पास के कासिपेटा मंडल में पानी न पहुंचाना सरासर अन्याय है। उन्होंने मांग की कि कासिपेटा मंडल को भी गोदावरी जल का लाभ दिया जाए ताकि क्षेत्र का समग्र विकास हो सके।

मंचेरियाल में मृत शिशु जन्म पर लापरवाही का आरोप

मंचेरियाल, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के एक निजी अस्पताल में महिला द्वारा मृत शिशु को जन्म देने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण गर्भ में पल रहे भ्रूण की मृत्यु हुई। इस घटना के विरोध में परिवार के सदस्यों ने देर रात अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।जानकारी के अनुसार, कागजनगर कस्बे की गर्भवती महिला कुमारी पद्मा को दोपहर करीब 2:30 बजे प्रसव पीड़ा होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्होंने लगभग तीन किलोग्राम वजन के मृत शिशु को जन्म दिया।पद्मा और उनके परिवार ने डॉक्टरों, विशेष रूप से स्त्री रोग विशेषज्ञ पर प्रसव के दौरान लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि पद्मा ने शादी के 16 साल बाद गर्भधारण किया था और गर्भावस्था के दौरान भ्रूण पूरी तरह स्वस्थ था। उनका आरोप है कि प्रसव के समय उचित सावधानी नहीं बरती गई, जिसके कारण यह दुखद घटना घटी।वहीं, अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि गर्भ में पल रहे भ्रूण की मृत्यु का कारण हृदय संबंधी जटिलताएं थीं। डॉक्टरों का दावा है कि प्रसव पूरी सावधानी और पेशेवर तरीके से कराया गया था।

घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल है और परिजन मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

निजी क्षेत्र में शिशु मृत्यु दर रोकना असंभव? एक माह में तीन मौतें

सिलसिलेवार घटनाओं से अभिभावक चिंतित

मंचेरियाल, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला मुख्यालय के निजी अस्पतालों में नवजात शिशुओं और बच्चों की मौतों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। भले ही आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा हो कि निजी अस्पतालों में शिशु मृत्यु के मामले नहीं हैं, लेकिन बीते एक महीने के भीतर तीन बच्चों की मौत ने अभिभावकों को दहशत में डाल दिया है। लगातार हो रही इन घटनाओं से माता-पिता निजी अस्पतालों में इलाज को लेकर असमंजस में हैं।

आरोप लगाए जा रहे हैं कि शिशु मृत्यु की निगरानी के लिए जिम्मेदार चिकित्सा अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं और निजी अस्पतालों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

एक माह में तीन मौतें

पिछले महीने 20 नवंबर को जगित्याला जिले के पलापु शेखर-सौंदर्या दंपति के चार माह के शिशु की बेल्लमपल्ली चौराहे के पास स्थित राघवेंद्र चिल्ड्रन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

इसी तरह 21 नवंबर को कुमुरमभीम आसिफाबाद जिले के चिंतलमनेपल्ले मंडल के रुद्रपुर गांव निवासी कव्वला वेंकटेश-शिवानी दंपति की पांच वर्षीय पुत्री साहिती की जिला मुख्यालय में टीटीडी कल्याण मंडपम के पास स्थित माता चिलकर अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।तीसरी घटना 15 दिसंबर की है, जब कागजनगर कस्बे की कुम्मारी पद्मा को प्रसव के लिए जिला मुख्यालय में तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के पास स्थित शीतला प्रसूति अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात के दौरान महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद गर्भ में ही शिशु की मृत्यु हो गई।

चिकित्सा अधिकारियों की निगरानी पर सवाल

जिला केंद्र के निजी अस्पतालों में शिशुओं और बच्चों की मौतों के बावजूद यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी प्रभावी निगरानी नहीं कर रहे हैं और लापरवाही बरत रहे हैं। इससे आम जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

जांच कर कार्रवाई का आश्वासन

इस संबंध में जिला प्रभारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनीता ने कहा कि निजी अस्पतालों में हो रही शिशु मृत्यु की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि जांच में अस्पतालों की लापरवाही सामने आती है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभिभावकों में बढ़ती चिंता

लगातार हो रही घटनाओं की श्रृंखला से जिला केंद्र के माता-पिता चिंतित हैं। उनका कहना है कि वे अब अपने बीमार बच्चों को निजी अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाने से पहले दो बार सोचने को मजबूर हैं।

तेलंगाना की पारंपरिक शैली में हरित वातावरण में स्थापित हरित मतदान केंद्र : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने बताया कि दूसरे आम पंचायत चुनावों के तहत तीसरे चरण के मतदान के दौरान तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में अंकुसपुर और कोसिनी ग्राम पंचायतों में हरित मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

बुधवार को उन्होंने कागजनगर उप-कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला के साथ तीसरे चरण के मतदान के अंतर्गत अंकुसपुर और कोसिनी ग्राम पंचायतों में स्थापित हरित मतदान केंद्रों का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि यह अत्यंत सराहनीय है कि मतदान केंद्रों को हरित वातावरण, जल पात्रों और पारंपरिक सजावट के बीच स्थापित किया गया है, ताकि मतदाता तेलंगाना की संस्कृति को महसूस करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

उन्होंने जानकारी दी कि अंकुसपुर ग्राम पंचायत में 88 प्रतिशत तथा कोसिनी ग्राम पंचायत में 81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना की जाएगी और परिणाम घोषित होने के पश्चात उप-सरपंच का चुनाव संपन्न कराया जाएगा।

दीपक तिवारी ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है और जिले में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी। उन्होंने मंडल परिषद विकास अधिकारी और उनकी टीम को हरित मतदान केंद्र स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों पर बधाई दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरपंच चुनाव के दौरान विधायक और सीआई के बीच वाद-विवाद

कुमरामभीम आसिफाबाद , 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरपंच चुनाव के तीसरे चरण के दौरान राजमपेट ग्राम पंचायत के मतदान केंद्र के पास उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब विधायक कोवलक्ष्मी और स्थानीय सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) के बीच तीखी बहस हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मतदान के दौरान राजमपेट ग्राम पंचायत स्थित विधायक कोवलक्ष्मी के आवास के पास बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्रित थे। इसी दौरान सीआई बालाजी वराप्रसाद मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को डराते-धमकाते हुए वहां से तितर-बितर कर दिया।इस घटना की जानकारी मिलते ही विधायक कोवलक्ष्मी मौके पर पहुंचीं और सीआई से कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जो लोग मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी पर खड़े हैं, उन्हें चेतावनी देना या हटाना अनुचित है। विधायक ने सीआई को चेतावनी देते हुए कहा कि वे तुरंत वहां से चले जाएं, अन्यथा उन्हें सड़क पर बैठकर विरोध करना पड़ेगा।

मोतुगुडा मतदान केंद्र पर गुरु-शिष्य का भावुक मिलन

आसिफाबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले में चल रहे पंचायत चुनावों के दौरान मोतुगुडा मतदान केंद्र पर एक भावुक और प्रेरणादायक घटना देखने को मिली, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2001 में बेलमपल्ली कस्बे के जेड.पीएचएस बाजार क्षेत्र विद्यालय में अध्यापन करने वाले शिक्षक अब्दुल लतीफ की अपने तत्कालीन विद्यार्थियों से चुनाव ड्यूटी के दौरान मुलाकात हुई। उस समय अब्दुल लतीफ मोतुगुडा मतदान केंद्र पर रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे।

इसी मतदान केंद्र पर उनके पूर्व छात्र एस.आई. कमलाकर, जो वर्तमान में आसिफाबाद में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं, तथा एक अन्य शिष्य नागार्जुन, जो वर्तमान में वन बीट ऑफिसर हैं, चुनावी ड्यूटी निभा रहे थे। राष्ट्रीय सेवा के तहत एक ही मतदान केंद्र पर गुरु और शिष्यों का साथ कार्य करना सभी के लिए एक विशेष और यादगार अनुभव बन गया।

गुरु अब्दुल लतीफ ने अपने शिष्यों को अनुशासन और मेहनत के बल पर उच्च पदों पर पहुंचते देखकर खुशी और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार पदों पर समाज और राष्ट्र की सेवा करते देखना किसी भी शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि शिक्षा जीवन की मजबूत नींव है और एक शिक्षक द्वारा दी गई सीख शिष्यों के भविष्य को सही दिशा देती है।यह दृश्य चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना और शिक्षक-शिष्य के अटूट संबंध का एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

महेश बैंक के चुनाव में ऐतिहासिक जीत का बुधवार को द्रोपदी गार्डन में जश्न मनाते हुए संस्थापक पैनल के विजयी उम्मीदवार। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद अंजनी कुमार यादव, विधायक मिट्टू गोपाल, बेगम बाजार पार्षद जी. शंकर यादव सहित संस्थापक पैनल के शुभचिंतक हजारों की संख्या में उपस्थित थे। लोगों ने शॉल व हार पहनाकर सभी विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर वरंगल, निजामाबाद व अन्य क्षेत्रों के समर्थक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोंडागट्टू हनुमान मंदिर को वन विभाग के नोटिस से भावनाएँ आहत : रामचंदर राव

हैदराबाद, 17 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कोंडागट्टू श्रीहनुमान मंदिर को वन विभाग द्वारा नोटिस दिए जाने को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि हजारों वर्ष पुराने मंदिर से हिन्दुओं की भावनाएँ जुड़ी हैं। ऐसे में मंदिर को नोटिस दिया जाना भक्तों की आस्था पर हमला है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंदर राव ने कहा कि वन विभाग द्वारा नोटिस में वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन एक्ट के 3ए, 3बी सेक्शन के अंतर्गत 15 दिनों के भीतर विवरण देने, वरना कानूनी कदम उठाने की चेतावनी दी गई है, जिससे भक्तों में चिंता है। उन्होंने कहा कि वन विभाग जिस 6 एकड़ भूमि पर क्लेम कर रहा है उस पर अन्नदान सत्रम, वॉटर प्लांट आगम पाठशाला, वेद विद्या हॉस्टल, भोजन शाला, पार्किंग आदि संचालित हैं तथा रोजाना वाहन पूजा की जाती है।इसके अलावा गिरि प्रदक्षिणा भी की जाती है। उन्होंने राज्य सरकार से तुरंत ही हस्तक्षेप कर भक्तों के विश्वास व धार्मिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए समस्या का शास्वत परिष्कार निकालने की मांग की। रामचंदर राव ने आगे कहा कि सरकार को चाहिए कि रेवेन्यु असिस्टेंट सर्वे एंड लैंड रिकॉर्ड्स, धर्मस्व विभाग व वन विभाग द्वारा भूमि की सीमाएं व परिधि नोटिफाई कराये।

रामचंदर राव ने चिंता जताते हुए कहा कि विवाद का समाधान निकालने की जिम्मेदारी सरकार की है, परंतु वह अंजान बनी बैठी है। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने निर्माण के लिए फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट-1980 के 2ए नियम के अनुसार केंद्रीय पर्यावरण, वन विभाग की अनुमति अनिवार्य है बताते हुए मंदिर को नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि कोंडागट्टू मंदिर के पास स्थित 6 एकड़ भूमि के बदले वैकल्पिक भूमि के तौर पर रामसागर स्थित देवालय की भूमि में से 8 एकड़ भूमि देने की पेशकश धर्मस्व विभाग ने की है।

जीएचएमसी चुनाव जब भी हों, मेयर भाजपा का बनेगा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव जब भी होंगे, भाजपा की जीत तय है और मेयर भाजपा का ही बनेगा। उन्होंने कहा कि स्थानीन निकाय चुनाव में भाजपा को जो जनादेश प्राप्त हुआ है, उससे साबित हो रहा है कि जनता भाजपा की ओर विश्वास की नजर से देख रही है। उन्होंने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर की 27 म्युनिसिपालिटियों व निगमों का जीएचएमसी में विलय करके 150 वार्डों की संख्या 300 किए जाने के पीछे सरकार का राजनीतिक हित बताया।रामचंदर राव ने कहा कि विलय का निर्णय कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक हितों तथा मित्रदल मजलिस पार्टी को खुश करने के उद्देश्य से लिया गया है जिसका भाजपा कड़ा विरोध करती है। उन्होंने सरकार के जनविरोधी निर्णय के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिन म्युनिसिपालिटियों का विलय किया गया है, उन पर टैक्स का भार बढ़ेगा। पहले से ही कई म्युनिसिपालिटियों में मौलिक सुविधाओं का अभाव है जिसके कारण जनता परेशान है। कई क्षेत्र विकास से अछूते हैं।पेयजलापूर्ति व ड्रेनेज समस्या जस की तस बनी हुई है। जरा सी बारिश होने पर कई बस्तियां, कॉलोनियां जलभराव की समस्या से दो चार होने लगती हैं।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

प्रेमा बाई पिट्टी
(धर्म पत्नी स्व. श्री दामोदर लाल पिट्टी)
के तृतीय पुनिया तिथि के अवसर पर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

हर्षाली गुप्ता
के मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर
विष्णु एजेन्सीज़ सुलतान बाज़ार
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

The Hyderabad Wholesale Art Silk Cloth Merchants Association
21-1-404, Art Silk Bhawan, Near Gupta Hospital, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002 (Telangana)

ELECTION NOTIFICATION

Election notification is hereby issued for the elections of The Hyderabad Wholesale Art silk Cloth merchants Association for the year 2026-28 on Sunday, 4th January 2026 at VEG VYANJAN, Himayatnagar, Hyderabad.

Nominations are hereby invited for the following posts :

PRESIDENT, VICE PRESIDENT, HON. SECRETARY, JOINT SECRETARY, TREASURER AND 11 MEMBERS OF EXECUTIVE COMMITTEE

Office of The Hyderabad wholesale Art silk cloth merchants Association will function as preliminary office of election process.

ELECTION SCHEDULE

1) Issue of nomination forms on Wednesday 24th December 2025 from 1 PM to 3 PM
2) Submission of nomination forms on Friday 26th December 2025 from 1 PM to 3 PM
3) Display of List of nomination forms after scrutiny on notice board on Friday at 5-30 PM on 26th December 2025.
4) Withdrawal of nomination forms on Monday 29th December from 1 PM to 2 PM
5) Final list of candidates after withdrawal will be displayed on notice board on 29th December 2025 at 4 PM
6) Elections will be held on Sunday 4th January 2026 from 12 PM to 2 PM at hotel veg vyanjan, Himayatnagar, Hyderabad
7) Results will be declared on same day after counting.

RULES AND REGULATIONS

1) Nomination Forms will be issued on non refundable payment of fees as under
   a) ₹ 3,000/- for the post of President
   b) ₹ 2,000/- for the post of vice President, Hon. Secretary, Jt. Secretary, Treasurer
   c) ₹ 1,000/- for the post of member Executive committee
2) An amount of ₹ 2,000/- shall be deposited as Security deposit at the time of filing nomination form. If a candidate secured more than 25% votes of total valid votes their security deposit will be refunded. In case if a candidate fails to get 25% votes of the valid votes their security deposit will be forfeited
3) Elections will be held based on the list provided by Hon. Secretary of Association
4) Any type of election campaigning via newspaper is strictly prohibited. However Candidates can compaign through Whatsap. Any use of abusive language or mud slinging by candidates or members is strictly prohibited.
5) No candidate shall be allowed to contest for more than one post
6) One person shall be entitled to cast one vote only irrespective of his representation in more than one firm. Producing ID card issued by Association or any id card such as Adhar, PAN, Driving licence, voter id, passport is compulsory
7) For the election of Executive committee members casting 11 votes is compulsory. Casting less or more than 11 votes results to invalid vote
8) If any candidate violates any rules during the election process The Election officer has full authority to cancel the nomination of the candidate.
9) The decision of the Election officer will be final and binding on all candidates and members

MUKUND LAL AGARWAL
Chief Election Officer

Place : Hyderabad
Date : 17-12-2025

VINAY JAIN, SESH KUMAR GOEL, RAHUL AGARWAL
Election officers

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.